शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 12 सितंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-254

इसमें कोई संदेह नहीं है कि मैं इस पद पर बना रहूंगा: सीएम@ नम्मा बेंगलूरु

भारत विरोधी कुख्यात इल्हान उमर से अमेरिका में मिले राहुल गांधी

मोहब्बत की दुकान में बिक रहा भारत विरोधी जहर

अमेरिका जाते ही राहुल गांधी का भारत विरोधी एजेंडा कुलांचे मारने लगता है। भारत के खिलाफ षडयंत्र रचने वाले पूंजीवादी ताकतों, आतंकवादी संगठनों और हिंदुओं से नफरत करने वाले लोगों से राहुल गांधी की गलबहियां सुर्खियों में आने लगती हैं। अमेरिकी दौरे पर गए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जिन लोगों और जिन संगठनों से मुलाकात की है, उनमें आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस के साथ-साथ कुख्यात हिंदू-विरोधी इल्हान उमर भी शामिल है। इल्हान उमर अमेरिकी संसद के निचले सदन की सदस्य है। अंध इस्लाम परस्त इल्हान उमर भारत और हिंदुओं से चरम घृणा करने के लिए

पाकिस्तान से लेकर आतंकी पन्नू तक कर रहे राहुल की तारीफ

कुख्यात है। इल्हान उमर अमेरिकी सांसदों के उस समूह का हिस्सा थी जिसने वाशिंगटन डीसी के रेबर्न हाउस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ बैठक की। इसकी मेजबानी अमेरिकी सांसद ब्रेडली जेम्स शेरमन ने की। उमर के अलावा इस बैठक में तमाम भारत विरोधी लोग मसलन, सांसद जोनाथन जैकसन, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, बारबरा ली, श्री थानेदार, जीसस जी ग्रासिया, हैंक जॉनसन और जैन शाकोवस्की जैसे लोग शामिल थे। राहुल गांधी ने अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड लू से भी मुलाकात की है। तिकड़मों से दूसरे देशों की सरकार गिराने के लिए डोनाल्ड लू कुख्यात है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया है कि डोनाल्ड लू सितंबर के मध्य में भारत और बांग्लादेश आने की चर्चा है। बांग्लादेश की अशांति के पीछे डोनाल्ड लू का सीधा हाथ है।

विपक्ष का नेता बनने के बाद राहुल गांधी की यह पहली अमेरिकी यात्रा है। इस दौरान उन्होंने अपने ही देश और उसकी सरकार को बदनाम करने के लिए कई प्रोपेगेंडा को विदेशी जमीन से हवा दी है। यहां तक कि खालिस्तानी आतंकियों के सुर में सुर मिलाते हुए यह बताने की कोशिश की है कि ▶10 पर

सेमीकॉन इंडिया 2024 का शुभारंभ करते हुए पीएम मोदी ने कहा

हमारा सपना है, दुनिया की हर डिवाइस में हो इंडियन मेड चिप

ग्रेटर नोएडा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में सेमीकॉन इंडिया 2024 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि हम सेमीकंडक्टर से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर पर बहुत फोकस कर रहे हैं। भारत के लिए चिप का मतलब सिर्फ टेक्नोलॉजी भर नहीं है, हमारे लिए यह करोड़ों एस्पिरेशंस को पूरा करने का माध्यम है। भारत का फोकस अपने स्टूडेंट्स और प्रोफेशनल्स को सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री रेडी बनाने पर है। उन्होंने कहा कि भारत की नीतियों के कारण ही बहुत कम समय में 1.5 ट्रिलियन रुपए से ज्यादा के इन्वेस्टमेंट इस क्षेत्र में भारत में हो चुके हैं। भारत इस क्षेत्र में 360 डिग्री एप्रोच के साथ काम कर रहा है। हमारी सरकार भारत में पूरे सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन इकोसिस्टम को आगे बढ़ा रही है। पीएम ने कहा कि इस साल लाल किले से कहा था कि हमारा सपना है कि दुनिया की हर डिवाइस में इंडियन मेड चिप हो। सेमीकंडक्टर पावर हाउस बनने के लिए जो भी जरूरी होगा ▶10 पर

सेमीकंडक्टर पावर हाउस बनने के लिए भारत सब करेगा

सेमीकंडक्टर में भारत ग्लोबल लीडर बनेगा : सीएम योगी

ग्रेटर नोएडा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सेमीकॉन इंडिया- 2024 पीएम मोदी के विजन के अनुरूप सेमीकंडक्टर के उत्पादन, डिजाइन व टेक्नोलॉजी डवलपमेंट में भारत को ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित करेगा। उत्तर प्रदेश आज देश-दुनिया में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्यातक के रूप में उभरा है। पिछले कुछ वर्षों में हुए प्रयास का ही परिणाम है कि देश के मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग का 55 प्रतिशत और मोबाइल कंपोनेंट का 50 प्रतिशत उत्पादन उत्तर प्रदेश में हो रहा है। ▶10 पर

भारत विरोधी षडयंत्र चलाने वाले अमेरिकी अब भारत आ रहे

भारत आ रहा कुख्यात षडयंत्रकारी डोनाल्ड लू

बांग्लादेश में मची खुराफात की जड़ है डोनाल्ड लू

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। कई देशों में तिकड़म से सरकारों को गिराने का मास्टर माइंड अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड लू भारत आ रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग ने उसकी भारत यात्रा का ऐलान किया है। डोनाल्ड लू भारत के बाद बांग्लादेश भी जाएगा। बांग्लादेश में लू का साजिशी प्रयोग सफल हो चुका है। अब भारत उसका निशाना है। राहुल गांधी डोनाल्ड लू के साथ खड़ा है। अमेरिका ने लू की यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के सहयोग में बढ़ोतरी का बताया है। जबकि लू का ट्रैक रिकॉर्ड बताता है कि वह जिस भी देश में पांव रखता है वहां कुछ दिनों बाद सत्ता परिवर्तन की कोशिश होती है। बांग्लादेश और श्रीलंका इसका सबसे बड़े उदाहरण है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने मंगलवार 10 सितंबर को बाकायदा प्रेस रिलीज जारी करके बताया कि डोनाल्ड लू की भारत यात्रा 11 से 16 सितंबर के बीच होगी। डोनाल्ड लू की इस यात्रा को लेकर विदेश विभाग ने बताया है कि लू इंडिया आइडियाज समिट में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा वह अमेरिका और भारत के बीच द्विपक्षीय बातचीत में हिस्सा लेंगे। ▶10 पर

राहुल के बयान का आतंकी पन्नू ने किया समर्थन

Rahul Gandhi Reverberates SFJ'S Position On Khalistan

Washington, D.C. September 10, 2024

While addressing the gathering in Washington DC where many pro Khalistan Sikhs were in attendance, Rahul Gandhi justified SFJ's global Khalistan Referendum campaign when he stated: "Fight in India is whether a Sikh will be allowed to wear turban and kada, go to gurudwara".

Rahul's statement on "existential threat to Sikhs in India" is not only bold and pioneering but is also firmly grounded in the factual history of what Sikhs have been facing under successive regimes in India since 1947 and also corroborates SFJ's stance on the justification for Punjab Independence Referendum to establish Sikh homeland Khalistan.

Issued by:

Gurpatwant Singh Pannun
Attorney at Law (New York) - General Counsel to SFJ

न्यूयॉर्क, 11 सितंबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी गुरवतपंत सिंह पन्नू के संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने राहुल गांधी का समर्थन किया है। एसएफजे ने राहुल गांधी के सिखों पर दिए गए उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें राहुल ने कहा था कि भारत में सिखों को पगड़ी और कड़ा पहनने की लड़ाई है। एसएफजे ने यह भी दावा किया है कि राहुल गांधी ▶10 पर

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा के लिए जारी हुआ नया फरमान

अजान से पांच मिनट पहले बंद कर दें पूजा-पाठ

ढाका, 11 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना की सत्ता के पतन के बाद वहां की नई सरकार गठित होते ही हिंदू और भारत विरोधी एजेंडे पर चल निकली है। यहां हिंदुओं को साफ तौर पर फरमान सुना दिया गया है कि वे अज़ान से पांच मिनट पहले या तो अपनी पूजा-पाठ बंद कर दें वर्ना गिरफ्तारी के लिए तैयार रहें। दूसरी तरफ बांग्लादेशी राष्ट्रगान को भारत द्वारा बनाए जाने का आरोप लगा कर अब राष्ट्रगान बदलने की भी मांग की जा रही है।

पहला मामला हिंदू समाज की धार्मिक भावनाओं से जुड़ा हुआ है। इसी मुद्दे को ले कर इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने बांग्लादेश के गृहमंत्री के सलाहकार का हवाला देते हुए बांग्लादेश सरकार के नए फरमान के बारे में बताया। बांगलादेश के गृहमंत्री के सलाहकार ने हिंदुओं को चेतावनी दी है कि ▶10 पर

उधमपुर-कठुआ के बार्डर पर मुठभेड़ में तीन आतंकी ढेर

जम्मू, 11 सितंबर (ब्यूरो)। उधमपुर और कठुआ जिलों के जंगलों में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ के दौरान सेना के जवानों ने तीन आतंकियों को ढेर कर दिया है। मुठभेड़ की शुरुआत के बाद से सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी थी। अभी ऑपरेशन जारी है। उधमपुर और कठुआ जिलों के इन संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षाबलों ने गहन तलाशी अभियान शुरू किया है।

अधिकारियों ने बताया कि इलाके में भारी बारिश और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद सुरक्षाबल आतंकवादियों को ढूंढ़ने में सफल रहे हैं। इलाके में अतिरिक्त बलों की तैनाती की गई है और नागरिकों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने की अपील की गई है। ▶10 पर

गृह मंत्री अमित शाह का राहुल गांधी पर कड़ा हमला

जब तक भाजपा है, कोई आरक्षण को छू भी नहीं सकता

मायावती और चिराग ने भी राहुल से सावधान रहने को कहा

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी के आरक्षण खत्म करने वाले बयान पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, जब तब भाजपा है तब देश में आरक्षण को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया है।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, देशविरोधी बातें करना और देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़े होना राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की आदत बन गई है। चाहे जम्मू-कश्मीर में जेकेएनसी के देशविरोधी और आरक्षण विरोधी एजेंडे का समर्थन करना हो, या फिर विदेशी मंचों पर भारत विरोधी बातें करनी हो, राहुल गांधी ने देश की सुरक्षा और भावना को हमेशा आहत किया है। भाषा से भाषा, क्षेत्र से क्षेत्र और धर्म से धर्म में भेदभाव लाने की बात करना राहुल गांधी की विभाजनकारी सोच को दर्शाता है।

इसके बाद गृह मंत्री शाह ने राहुल गांधी के आरक्षण खत्म करने वाले बयान को लेकर निशाना साधा। उन्होंने लिखा, राहुल गांधी ने देश से आरक्षण को समाप्त करने की बात कह कर कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा एक बार फिर से देश के सामने लाने का काम किया है। मन में पड़े विचार और सोच किसी न किसी माध्यम से बाहर आ ही जाते हैं। मैं राहुल गांधी को बताना चाहता हूं कि जब तक भाजपा है, आरक्षण को कोई छू भी नहीं सकता और देश की एकता के साथ कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता।

गृह मंत्री अमित शाह का राहुल गांधी पर यह हमला अमेरिका की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में दिए गए बयान पर किया है। राहुल गांधी से जब यह सवाल पूछा गया कि भारत में जातिगत आधार पर आरक्षण कब खत्म होगा तो उन्होंने कहा, हम आरक्षण खत्म करने की तब सोचेंगे जब भारत में निष्पक्षता होगी। अभी भारत में निष्पक्षता नहीं है। ▶10 पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,523.16
-398.13 -0.49% ↓
एनएसई :24,918.45
-122.65 (-0.49%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°
न्यूनतम : 23°

अवैध मस्जिद गिराने की मांग पर शिमला में जोरदार प्रदर्शन

कांग्रेस सरकार ने हिंदुओं पर जमकर बरसाई लाठियां

संजौली मस्जिद के विरोध में बेकाबू हुई भीड़, विवाद गहराया

शिमला, 11 सितंबर (एजेंसियां)। शिमला की संजौली मस्जिद को लेकर विवाद ज्यादा गहरा गया है। अवैध मस्जिद हटाने की मांग कर रहे हिंदू संगठनों के प्रदर्शन पर पुलिस ने जबरदस्त लाठी चार्ज किया। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ डाले। वे आगे की तरफ बढ़ना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने इसकी इजाजत नहीं दी। बेकाबू हुई भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। पुलिस को लाठी चार्ज के साथ-साथ वाटर कैनन का इस्तेमाल भी करना पड़ा।

बुधवार को बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए हिंदू जब संजौली बाजार की तरफ बढ़े तो पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए हर हथकंडा अपनाया। प्रदर्शन से पहले ही हिंदू जागरण मंच के पूर्व महामंत्री कमल गौतम को हिरासत में ले लिया गया। प्रदर्शनकारी अवैध निर्माण तोड़ने की मांग पर अड़े रहे और नारेबाजी करते रहे। जब निहत्थे प्रदर्शनकारी संजौली के पास पहुंचे तो पुलिस ने उन पर लाठियां बरसाना चालू कर दिया। बड़ी संख्या में तैनात पुलिसकर्मियों ने हिंदुओं पर लाठियां बरसाईं। इस लाठीचार्ज के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन से पानी की बौछार मारना चालू कर दिया। लाठीचार्ज में कई लोगों के घायल होने की सूचना है।

अवैध मस्जिद के खिलाफ उठे विवाद को तूल पकड़ता देख कर हिमाचल सरकार ▶10 पर

तृणमूल कांग्रेस नेता के बेहूदा बयान से बवाल

आंदोलनकारी डॉक्टरों को बताया देशद्रोही

कोलकाता, 11 सितंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता चंदन मुखोपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन न करने के लिए हड़ताल पर बैठे डॉक्टरों को देशद्रोही करार दिया। टीएमसी नेता के इस बयान के बाद पश्चिम बंगाल में नया बवाल खड़ा हो गया है। कोलकाता स्थित आरजी कर अस्पताल में डॉक्टर की बलात्कार के बाद हुई नृशंस हत्या के खिलाफ लोगों में पहले से गुस्सा है। अब इस बयान ने और आग में घी डालने का काम किया है। उत्तर 24 परगना के बदुरिया पंचायत के प्रमुख टीएमसी नेता चंदन मुखोपाध्याय को पार्टी के एक कार्यक्रम में यह बयान देते देखा और सुना गया। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद डॉक्टर अपनी हड़ताल जारी रखे हुए हैं और लोगों की सेवा करने की अपनी जिम्मेदारी भूल गए हैं। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

अग्रवाल नेक्स्टजेन कनेक्ट का उद्घाटन 21 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अग्रवाल बिज कनेक्ट के अग्रवाल नेक्स्टजेन कनेक्ट (एएनसी), जो संगठन की आधिकारिक युवा शाखा होगी, का 21 सितंबर को उद्घाटन किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य युवा पीढ़ी को एक साथ लाना, उन्हें सांस्कृतिक समृद्धि, व्यक्तिगत विकास और पेशेवर विकास का अवसर प्रदान करना है। अग्रवाल बिज कनेक्ट की युवा शाखा के रूप में, एएनसी एक ऐसे मंच की कल्पना करेगा, जहां अग्रवाल समुदाय के युवा सदस्य अपने व्यक्तिगत और पेशेवर प्रयासों में एक-दूसरे का समर्थन करते हुए अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रह सकें। एक गैर-राजनीतिक संगठन के रूप में, एएनसी इंटरैक्टिव सत्रों, सहयोगी गतिविधियों और युवा-केंद्रित कार्यक्रमों के माध्यम से प्रगति को प्रेरित करेगा। उद्घाटन समारोह में मुख्य वक्ता प्रसिद्ध उद्यमी और फिल्म निर्माता वरुण अग्रवाल होंगे। वरुण अपनी अंतर्दृष्टि साझा करेंगे, व्यवसाय जगत में अपने अनुभवों से युवाओं को प्रेरित और सशक्त करेंगे। मंगलवार को विल्सन गार्डन में भव्य लॉन्च के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसमें एएनसी के संस्थापक अशोक अग्रवाल और महेश मित्तल के साथ-साथ सचिव राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष निकेश गर्ग, संयुक्त सचिव पंकज पटवारी और कार्यकारी समिति के सदस्य मनोज सरावगी, अंकित गुप्ता, ऋषि अग्रवाल, महिमा अग्रवाल, अमृता अग्रवाल, तनवी अग्रवाल, विशाल गुप्ता, यतीश जैन और कुशल ढिनोडिया शामिल हुए। बैठक के दौरान आयोजन की तैयारियों पर चर्चा की गई। टीम के हर सदस्य ने उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अपने समर्पण की शपथ ली।

उपेक्षा भाव द्वेष की जननी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में प्रवचन करते हुए विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि उपेक्षा भाव द्वेष की जननी है।

व्यवहारिक जीवन में रिश्तों को संभालना पहला कर्तव्य है। उपेक्षा से दूरियां बढ़ती है और निराशा फैलती है। आलोचना सूत्र पर विवेचन करते हुए विनय मुनि जी ने कहा कि यह रटने का पाठ नही है। यह चिंतन का विषय है और जितना गहरा चिंतन होगा उतनी अच्छी हम स्वयं की आलोचना कर पाएंगे।

अनादि काल से हमने कई बार संयम लिया किंतु मात्र उपदेश का आनंद लिया। भाषा को अलंकृत कर क्लेश को ही बढ़ाया। आलोचना जीवन का श्रेष्ठ सिद्धांत है और सरल मन ही स्वयं की आलोचना कर सकता हैं। आपस में भ्रम पैदा करना और धर्म के नाम पर उपासकों की छीना झपटी उचित नही है।

यह भी एक पाप है। रोज पाप करना और रोज प्रायश्चित करना, यह सही नही है। ऐसा करके हम पाप और प्रायश्चित से मात्र रिश्तेदारी निभा रहे हैं। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने आगुंतकों का स्वागत किया।

रामदेव भक्त मंडल बेंगलूरु का 14वां वार्षिकोत्सव कल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रामदेव भक्त मंडल बेंगलूरु पश्चिम अग्रहारा दासरहल्ली की ओर से भादवा सुदी दशवी एवं 14वें वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष में शुक्रवार को एक शाम बाबा रामदेवजी के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन विजयनगर स्थित अल्लामा प्रभु कल्याण मंडप में किया जाएगा। रामदेव भक्त मंडल के 14 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में आयोजित भजन संध्या में टोंक के 1008 संत प्रकाशदास महाराज एवं कथा वाचक शीतल संत राजाराम महाराज पुष्कर धाम भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। संस्था के अध्यक्ष चेतन सीरवी ने बताया कि महोत्सव के तहत शुक्रवार को प्रात: 6.30 बजे हनुमान मंदिर दासरहल्ली से रामदेव प्रार्थना मंदिर तक भव्य वरघोड़ा निकाला जाएगा।

प्रात: 8.30 बजे रामदेव प्रार्थना मंदिर में आरती होगी। शाम 5-15 बजे से रात 11 बजे तक भजन संध्या में चढ़ावों की बोलियां, स्वागत समारोह व महाप्रसादी का आयोजन अल्लामा प्रभु कल्याण मंडप में किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गोविंदराजनगर क्षेत्र के विधायक प्रियकृष्ण उपस्थित रहेंगे। शनिवार को शीतल संत राजाराम महाराज पुष्कर धाम का चातुर्मास पूर्ण होने पर विदाई समारोह होगा।

श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गणेश उत्सव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु युवा मंडल एचएसआर लेआउट ने गणेश चतुर्थी का पर्व सीरवी समाज एचएसआर लेआउट वडेर में धुमधाम से मनाया।

गणपति बप्पा मोरिया की जयघोष के साथ भवन में गणेश प्रतिमा पूजा- अर्चना के साथ स्थापित की गई। उसके बाद भजन गायक कलाकारों ने माहौल को भक्तिमय बनाए रखा। ऐसे में भक्तिरस में सराबोर श्रद्धालु भवन में जमे रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भजन गायकों ने गणपति वंदना रिद्धि सिद्धी संग आओ-आओ गजानंद की मधुर प्रस्तुति के साथ की। इसके बाद एक से बढ़कर एक मधुर भजन पेश कर दर्शकों को भक्ति में इस कदर डूबो दिया कि वे भाव विभोर होकर नाचने लगे। कार्यक्रम में महिलाओं ने प्रस्तुतियां दी। भगवान गणेश को प्रसादी का भोग लगाकर महाआरती के बाद प्रसादी का वितरण किया गया। शाम को महाआरती के बाद गाजे बाजे के साथ गणपति का विसर्जन किया। इस अवसर पर समस्त युवा मंडल मौजूद थे।

अच्छे भावों से होगी मोक्ष की प्राप्ति: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शांतिनगर स्थित लुणावत भवन में विराजित राजेश मुनि जी ने अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि मोह माया से परे और संसार से विरक्त भावों के साथ ही मोक्ष की प्राप्ति संभव है। जो छल के जाल नहीं बिछाते, देह से भी जिनका ममत्व छूट जाता है, त्याग में ही उनको आनंद मिलता है। जो प्रभु से प्रेम करते हुए जीवन यापन करते हैं वही प्रभु की ज्योत में ज्योत बनकर प्रभु के समान बन जाते हैं।

लक्षण पर चर्चा करते हुए मुनि ने फरमाया कि आत्मा के अगले लक्षण वाले व्यक्ति उत्तम मार्दव अर्थात हर परिस्थिति में समता भाव से जीते हैं। हमें व्यवहार प्रिय बनना चाहिए और किसी के भी प्रति बदले की भावना नहीं रखनी चाहिए।

हमें मक्खन जैसा मुलायम और अत्यंत सहनशील बनना चाहिए। हर परिस्थिति में सकारात्मक रहने से ही अत्म उद्धार के रास्ते निकलेंगे।

सरलता का महत्व बताते हुए मुनि ने कहा कि सरल स्वभाव वाला व्यक्ति कठोर से कठोर हृदय वाले व्यक्ति को भी पिघला सकता है और ऐसा करके हम स्व कल्याण की राह में आगे बढ़ सकते हैं। इस अवसर पर ऋषभ मुनि जी ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

क्षमापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ सभा भवन गांधीनगर में साध्वी उदितयशा जी के सान्निध्य में राजस्थान परिषद् द्वारा क्षमापना दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ सामूहिक नमस्कार महामंत्र से हुआ। तत्पश्चात पूर्व अध्यक्ष बहादुर सेठिया ने मैत्री गीत का संगान किया। परामर्शक सुशील चौरड़िया ने उपस्थित सदस्यों को सूरत में विराजित आचार्य महाश्रमण, समस्त चारित्रिक आत्माओं एवं परस्पर क्षमापना के क्रम को संपादित करवाया। राजस्थान परिषद् के अध्यक्ष ललित सेठिया, तेरापंथ सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने समाज से संपूर्ण टीम की तरफ से विगत वर्ष में जाने-अनजाने हुई भूलों के लिए क्षमा-याचना की। साध्वी संगीतप्रभा जी ने गीतिका का संगान किया। साध्वी ने मन को स्थिर करने का प्रयोग करवाया। साध्वी उदितयशा जी ने अपने मंगल उद्बोधन में क्षमा को उत्तम दान एवं उन्नति का मार्ग बताया। आभार ज्ञापन मंत्री विनय बैद ने व्यक्त किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा राजस्थान प्रवासी प्रकोष्ठ (कर्नाटक) के राज्य सह-संयोजक भरत कुमार जैन ने भाजपा राष्ट्रीय महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल से होसपेट में शिष्टाचार भेंट कर उनका सम्मान किया। साथ ही प्रवासी प्रकोष्ठ द्वारा राज्य स्तर पर जारी गतिविधियों की संक्षिप्त में जानकारी दी। इस दौरान कर्नाटक भाजपा महासचिव पी. राजिव कुडाची, भाजपा विजयनगर जिला अध्यक्ष बसवंगौड़ा पाटिल, पूर्व कर्नाटक प्रदेश मंत्री आनंद सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता सिद्धार्थ सिंह, भाजपा विजयनगर महासचिव रघु और अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सुल्तानपेट में गणपति उत्सव मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के सुल्तानपेट स्थित सिद्धाचल टॉवर में व्यापारियों ने मिलकर गणपति उत्सव मनाया। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में पहले दिन शुभ मुहूर्त में गणपति स्थापना हुई, दूसरे दिन भजन संध्या का आयोजन हुआ और तीसरे दिन गणपति की पूजा अर्चना कर, गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया, अगले बरस तू जल्दी आना के जय घोष के साथ विदाई दी गई। कार्यक्रम के उपरांत तीनों दिन अन्नदान का आयोजन किया गया। इस दौरान कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट एसोसिएशन के संयुक्त सचिव बिशनसिंह राजपुरोहित भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जितेंद्र जैन, तेजाराम पटेल, संजय जैन, भटाराम दैवासी, संजय, अशोक पटेल, लाखसिंह, नारायण सिंह, मोंटू, नागेश जैन, सुरेश जैन, बाबू पटेल का सहयोग रहा।

श्रेष्ठ आचरण से होता है अच्छे चरित्र का निर्माण: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि मानव का एकमात्र लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति है और मोक्ष केवल ज्ञान से ही प्राप्त नहीं होता, उसके साथ चरित्र का होना भी आवश्यक है। वास्तविक धर्म तो सम्यक चरित्र में ही है। सम्यक चारित्र का अर्थ है सही आचरण। अशुभ क्रियाओं से विरक्त होना और शुभ क्रियाओं में प्रवृत्ति करना चारित्र है। आपके श्रेष्ठ आचरण से होता है आपके अच्छे चरित्र का निर्माण। जिस ज्ञान के साथ चारित्र की क्रिया ना हो तो वह ज्ञान भी नष्ट हो जाता है। ज्ञान की आराधना के साथ चारित्र के आचरण की आराधना भी होनी चाहिए। सम्यक्त्व की पकड़ पाकर ही ज्ञान चारित्र में पकता है और प्रज्ञा में ढलता है। सम्यक्त्व के बिना ना ज्ञान पारदर्शी बन पाता है और ना चारित्र सामर्थ्यवान। जिसके पीछे आस्था व आगे चारित्र हो तो वह ज्ञान सही होता है। इस अवसर पर यशोदा दक ने 13, रेखा सुनील सिंघवी 11 एवं रश्मि चेतन रेदासनी ने 11 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। संघ की ओर से तपस्वियों का अभिनंदन किया गया।

विल्सन गार्डन से नेमीचंद भंसाली, अशोकनगर महिला मंडल की सदस्याएं उपस्थित रही। पुष्पा बोहरा ने तपस्या के उपलक्ष्य में अपने भाव रखे। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार व्यक्त किया।

भक्त बनना है तो हनुमान जैसा बनें: कौशिक महाराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेपी नगर में स्थित श्री प्रसन्ना अंजनीया स्वामी मंदिर के सभागार में गौ सेवा भक्त मंडल के तत्वावधान में राकेश जोशी पारीक परिवार द्वारा आयोजित हनुमंत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास पुराण मनीषी कौशिक महाराज ने कहा कि यदि भक्ति करनी है, भक्त बनना है तो हनुमानजी जैसी भक्ति करनी चाहिए। हनुमान जी ही ऐसे भक्त हुए जिन्होंने भगवान राम की सेवा में अपना पूरा जीवन बिता दिया। कथा व्यास ने कहा कि मनुष्य को कभी अपने जीवन में घमंड नही करना चाहिए। घमंड से अपना ही नहीं पूरे परिवार का नाश हो जाता है। रावण ने घमंड में रहकर अपनी सोने की लंका का नाश कर लिया। अच्छे संस्कार से ही एक नारी अच्छी सन्तान को जन्म दे सकती है। माता अंजना गर्भ के समय भगवान शंकर के मंत्र का जाप करती रही और शंकर स्वरूप ही हनुमान जैसे पुत्र का जन्म हुआ। मानव को अपने जीवन में गौ सेवा व धर्म की सेवा हमेशा करनी चाहिए। राधा अष्टमी महोत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आयोजक परिवार गिरधारी लाल, बजरंग लाल, राकेश कुमार जोशी ने कथा के सफल आयोजन पर सभी श्रोताओं का आभार प्रकट किया। श्री श्याम मंदिर ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य रेवंतमल झँवर, पारीक समाज कर्नाटक के अध्यक्ष पृथ्वीराज पारीक, रामनिवास पारीक, रामकिशोर पारीक के अलावा गौड़ ब्राह्मण संघ के अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिया सहित अन्य लोगों ने कथा का लाभ लिया। संचालन विमलेश जोशी ने किया।

साहस के बिना कोई बड़ा निर्णय नहीं लिया जा सकता: मुनि

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मासार्थ विराजित वज्ररत्न सागरजी ने कहा साहस के बिना कोई बड़ा निर्णय नहीं लिया जा सकता है। ये वक्त है जो सबका आता है, लेकिन हमेशा के लिये नहीं। समय और भाग्य अगर आपके साथ नही हैं तो आपकी कीमत दो कौड़ी की है। हो सकता है कर्म और पुरुषार्थ की भी कोई महत्ता हो, लेकिन कर्म करने के लिए आप जिंदा भी रहेंगे या नहीं ये आपका भाग्य तय करता है, आपका पुरुषार्थ नहीं। अच्छे समय को भरपूर जिएं लेकिन बुरे वक्त के लिए भी तैयार रहें। आपके बुरे वक्त में कोई आपके साथ हो न हो अपने अच्छे समय में आप किसी को मत दुत्कारिये। विनम्रता अच्छे समय की पूंजी है और अहंकार आपके अच्छे समय को असमय ही खत्म कर देने वाला हथियार। ये एक शाश्वत सत्य है जो सब पर बराबर लागू होता है। आगमरत्न सागरजी और प्रशमरत्न सागरजी ने भी धर्मसभा को संबोधित किया।

अभिनेत्रियों ने रेणुकास्वामी से अश्लील संदेश मिलने से किया इनकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अभिनेत्रियों शुभा पूंजा और रागिनी द्विवेदी दोनों ने रेणुकास्वामी से अश्लील संदेश मिलने के आरोपों से इनकार किया है, जो चल रहे हत्याकांड में एक प्रमुख व्यक्ति हैं। चार्जशीट में कहा गया था कि रेणुकास्वामी ने उन्हें अनुचित संदेश भेजे थे, लेकिन दोनों अभिनेत्रियों ने इन दावों का खंडन किया है। पूंजा और द्विवेदी ने स्पष्ट किया कि उन्हें ऐसा कोई संदेश नहीं मिला है और कहा कि रिपोर्ट उनके अनुभवों को नहीं दर्शाती है। शुभा पूंजा ने स्पष्ट किया है कि उन्हें ऐसा कोई संदेश नहीं मिला है। पूंजा ने कहा सुबह से मीडिया के दोस्त मुझसे इस मुद्दे के बारे में पूछ रहे हैं। मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मुझे अपने व्यक्तिगत खाते में कोई अश्लील संदेश नहीं मिला है। इसी तरह, रागिनी द्विवेदी ने भी आरोपों को संबोधित किया। द्विवेदी ने अपने बयान में बताया, मेरी प्रोफाइल एक एजेंसी द्वारा प्रबंधित की जाती है, इसलिए मुझे अश्लील संदेश प्राप्त होने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। अगर ऐसे संदेश भेजे भी जाते, तो मैं उन्हें नहीं पढ़ती। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनके ध्यान में कोई अनुचित संदेश नहीं आया है। पुलिस जांच के अनुसार, रेणुकास्वामी ने कथित तौर पर कई अभिनेत्रियों को अश्लील संदेश भेजने के लिए फर्जी खातों का इस्तेमाल किया। दो आरोपियों, प्रदोष और विनय ने ये संदेश भेजने की बात स्वीकार की है और संकेत दिया है कि रेणुकास्वामी ने कई अभिनेत्रियों को निशाना बनाया, न कि केवल उन अभिनेत्रियों को जिनका उल्लेख शुरू में किया गया था।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री का पद खाली नहीं

इसमें कोई संदेह नहीं है कि मैं इस पद पर बना रहूंगा: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को स्पष्ट किया कि राज्य में मुख्यमंत्री का पद खाली नहीं है और इस पर कोई भी व्यक्ति विचार कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कोई संदेह नहीं है और वह इस पद पर बने रहेंगे। सिद्धरामैया द्वारा भूमि आवंटन मामले में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल की मंजूरी को चुनौती देने वाली याचिका पर उच्च न्यायालय में सुनवाई हो रही है। ऐसे में कांग्रेस के कुछ नेता नेतृत्व परिवर्तन की स्थिति में मुख्यमंत्री बनने की होड़ में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। इनमें से कई ने खुले तौर पर अपनी इच्छा जाहिर की है।

सिद्धरामैया ने कहा किसी ने कोई बयान नहीं दिया है। किसी ने भी नहीं कहा कि वे मुख्यमंत्री बनेंगे। मुख्यमंत्री की सीट खाली नहीं है, तो कोई क्यों कहेगा कि वे मुख्यमंत्री बनेंगे? हर कोई यही कह रहा है कि सिद्धरामैया पद पर बने रहेंगे। जब उनसे कहा गया कि कुछ नेताओं ने कहा है कि अगर सिद्धरामैया निर्देश देंगे तो वे मुख्यमंत्री बन जाएंगे, तो उन्होंने कहा जब पद खाली नहीं है, तो कोई ऐसा निर्देश क्यों देगा? यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस के कुछ नेताओं को मुख्यमंत्री पद के खाली होने पर संदेह है, सिद्धरामैया ने कहा इसमें कोई संदेह नहीं है। मैं पद पर बना रहूंगा। ज्ञातव्य है कि जहां नेतृत्व में किसी भी बदलाव की स्थिति में उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस प्रमुख डी के शिवकुमार को इस पद के लिए प्रमुख दावेदार के रूप में देखा जा रहा है, वहीं गृह मंत्री जी परमेश्वर और पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली के नाम भी चर्चा में हैं, खासकर नई दिल्ली में पार्टी नेतृत्व के साथ उनकी हालिया बैठक के बाद। वरिष्ठता को मुख्यमंत्री बनने का पैमाना मानने को लेकर दो वरिष्ठ मंत्रियों एम बी पाटिल और शिवानंद पाटिल के बीच एक तरह की जुबानी जंग छिड़ गई थी। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष आर वी देशपांडे और सिद्धरामैया के वित्तीय सलाहकार बसवराज रायरेड्डी ने भी मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जताई है।

स्कूलों में पढ़ाए बिना राजनीति करने वाले शिक्षकों पर होगी कार्रवाई: शिक्षा मंत्री

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने कहा कि स्कूलों में बिना पढ़ाए घूमने वाले शिक्षकों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यालय में रहकर बच्चों को शिक्षा दें। लेकिन शिकायत यह है कि वे राजनीति, संगठन और कारोबार करते घूम रहे हैं। देखने में आया है कि शिक्षा अधिकारी ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे वे उनके नियंत्रण में नहीं हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने सवाल किया कि अगर शिक्षक या सरकारी कर्मचारी इसे मुख्य मुद्दा बनाते हैं तो उन्हें विरोध करने का अधिकार कैसे है। राज्य में सीएम बदलने के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया को कोई सत्ता से नहीं हटा सकता। न्यायालय एक अदा-लती सुनवाई प्रक्रिया है। न्यायिक जांच होगी। उन्होंने कहा कि हम सभी चाहते हैं कि वह मुख्यमंत्री बने रहें और वह बने रहेंगे। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का मामला कोर्ट में है। हमारे पिता एस. बंगारप्पा के मुख्यमंत्री रहते हुए भी कई मामले देखे हैं, इस पर चर्चा करने की जरूरत नहीं है। भाजपा नेताओं का आरोप है कि सीएम की रेस में कांग्रेस के ज्यादा नेता हैं। उन्होंने कहा कि मैं इतना बड़ा आदमी नहीं हूं, मैं इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दूंगा। इस सवाल पर कि क्या भाजपा सिद्धरामैया से डरती है, उन्होंने कहा भाजपा जेडीएस समेत सभी विपक्षी दलों से डरती है। सिद्धरामैया ने जैसा कहा था वैसा ही किया है। उन्होंने कहा कि अच्छे लोगों को नीचा दिखाने की हमेशा एक तरकीब होती है। उन्होंने कहा भाजपा आज तक अपने बल पर सत्ता में नहीं आई है।

सिद्धरामैया ने प्राधिकरण बनाकर अच्छा काम किया: प्रताप सिम्हा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा ने चामुंडेश्वरी निर्वाचन क्षेत्र विकास प्राधिकरण के निर्माण के संबंध में मैसूरु-कोडागु के मौजूदा सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार को विभिन्न सलाह दी। चामुंडी हिल अथॉरिटी की स्थापना पर शाही परिवार के विरोध के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा मैं केवल कुछ वैचारिक मुद्दों पर सिद्धरामैया का विरोध करता हूं।

पहाड़ों के तेजी से हो रहे विकास को नियंत्रित करने के लिए प्राधिकरण को कमियों की भरपाई करने की जरूरत है। पहाड़ को पुलिस स्टेशन और अस्पताल की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह सब होने के लिए एक अथॉरिटी की जरूरत है। हमने पहले भाजपा सरकार में भी अधिकार की मांग को लेकर आवाज उठाई थी। सिद्धरामैया ने प्राधिकरण का गठन किया है। निःसंदेह यह एक अच्छा काम है। संपत्ति विवाद की बात नहीं कर रहे। लेकिन भक्तों को भगवान से जुड़ना ही चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को सुविधाएं मुहैया कराना सरकार का कर्तव्य है। अगर मैं कहूं कि चामुंडी हिल तक अमृत योजना का पेयजल नहीं पहुंचने के लिए कौन जिम्मेदार है, तो यह विवादास्पद होगा। प्रताप सिम्हा ने अप्रत्यक्ष रूप से सांसद यदुवीर वाडियार पर यह कहकर निशाना साधा कि आप जाकर पता करें कि पाइपलाइन कहां रुकी है। चामुंडी हिल में 12 मुस्लिम दुकानें थीं। उन्हें उस स्थान पर दुकान क्यों लगानी चाहिए जहां हिंदू श्रद्धा से मंदिर जाते हैं? कानून में भी इसकी इजाजत नहीं है और उन्होंने मुस्लिम दुकानें हटा दीं। उन्होंने पहले सांसद रहने के दौरान अपने संघर्षों को भी याद किया।

सिद्धरामैया के खिलाफ अभियोजन पर आज अंतिम फैसला आने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य की राजनीति में कौतूहल पैदा करने वाले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ अभियोजन पर गुरुवार को हाईकोर्ट में अंतिम फैसला आने की संभावना है। अगर यह संभव नहीं हुआ तो हाई कोर्ट की एकल सदस्यीय पीठ के न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना बहस पूरी करने के बाद अंतिम फैसला सुना सकते हैं या फैसला सुरक्षित रख सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील अभिषेक मनुसिंघवी गुरुवार दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की ओर से दलीलें पेश करेंगे। उनकी दलीलें खत्म होने के बाद सुप्रीम कोर्ट के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता राज्यपाल के विशेष सचिव की ओर से अंतिम दलीलें पेश करेंगे। ऐसे में गुरुवार को हाई कोर्ट में एक बहस होगी जो सीएम सिद्धरामैया के राजनीतिक भविष्य का फैसला कर सकती है।

पिछली बार अर्जी पर सुनवाई के दौरान जस्टिस नागप्रसन्ना ने याचिकाकर्ता को मौखिक निर्देश दिया था कि अर्जी पर सुनवाई गुरुवार को पूरी की जाए। सरकार की ओर से लक्ष्मी अयंगर, राघवन, रंगनाथ, महाधिवक्ता शशिकुमार शेट्टी और रवि वर्मा सहित अन्य लोगों ने शिकायतकर्ताओं की ओर से दलीलें पेश कीं। राज्यपाल ने मुडा मामले में शिकायतकर्ता स्नेहमई कृष्णा, टी.जे.अब्राहम की शिकायत पर सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी। सिद्धरामैया के वकील ने अभियोजन रद्द करने के राज्यपाल के फैसले को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की थी। अब कहा जा रहा है कि गुरुवार को याचिका की सुनवाई पूरी होने के बाद राज्यपाल की कार्रवाई पर हाई कोर्ट का फैसला कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के लिए निर्णायक होगा। क्योंकि अगर हाई कोर्ट के जस्टिस नागप्रसन्ना राज्यपाल द्वारा दिए गए अभियोजन आदेश को बरकरार रखते हैं तो सिद्धरामैया को कानूनी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। अगर राज्यपाल का आदेश हाई कोर्ट ने रद्द किया तो थावरचंद गहलोत को बड़ा झटका लगेगा। बहस के दौरान उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा पिछले दिनों अभियोजन को लेकर दिए गए कई फैसलों का जिक्र किया। याचिकाकर्ता की ओर से बहस करने वाले ज्यादातर वकीलों ने तर्क दिया कि राज्यपाल का कदम सही था। लेकिन सीएम की ओर से बहस करने वाले अभिषेक मनुसिंघवी और शशिकिरण शेट्टी ने राज्यपाल की कार्रवाई को असंवैधानिक बताते हुए आपत्ति जताई थी। अगर हाई कोर्ट यह मानता है कि राज्यपाल का कदम सही है तो सिद्धरामैया पर कानून का शिकंजा कस जाएगा। जांच एजेंसियों को उनके खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करनी होगी। तब सुप्रीम कोर्ट जाकर निषेधाज्ञा लेनी होगी या कानून का सामना करना होगा। ऐसे में हाई कोर्ट द्वारा सुनाया जाने वाला फैसला सिद्धरामैया के राजनीतिक अस्तित्व का सवाल है।

राहुल गांधी ने आरक्षण के मुद्दे पर नेहरू की भावना का किया जिक्र: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका में रहते हुए आरक्षण रद्द करने का बयान दिया है। उनके बयान से देशभर में विपक्षी दल और दलित समुदाय नाराज हैं। विधान सौधा में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता अब राहुल के बयान का जवाब दिए बिना ही उस पर पैच लगाने का काम कर रहे हैं। ये वही देश के पहले प्रधानमंत्री नेहरू ने उस वक्त कही थी, आरक्षण कार्रवाई का सही तरीका नहीं है। इससे देश नहीं बचेगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को लिखा था कि उन्हें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस पत्र को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन में प्रस्ताव भी रखा था और पत्र की प्रदर्शनी भी लगाई थी। राहुल ने आरक्षण को लेकर नेहरू के रवैये का भी जिक्र किया। इस प्रकार कांग्रेस दलित विरोधी है। कांग्रेसी जो कहते हैं वही करते हैं। वे आरक्षण के खिलाफ हैं। उन्होंने आलोचना की कि वह वोट बैंक की राजनीति के लिए ऐसा कर रहे हैं। कर्नाटक में दलितों का पैसा कहीं और ट्रांसफर कर दिया गया है। उन्होंने विश्लेषण किया कि दलितों का पैसा लूटना आज लोगों के बीच एक बड़ी खबर है।

उन्होंने लोगों से कांग्रेस की दलित विरोधी, आरक्षण विरोधी मानसिकता को समझने की अपील की। राहुल गांधी को उचित सबक सिखाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस कांग्रेस को भी सबक सिखाने की जरूरत है। राहुल गांधी ने मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति की तरह भारत को बदनाम करने की आदत बना ली है। उन्होंने कहा कि हम समय-समय पर भारत की बदनामी देख रहे हैं। इस देश की धरती से निकलते ही वे भारत का अपमान करते हैं। इसे उन्होंने आज भी जारी रखा है। हम इस देश की तुलना मां से करते हैं और भारत माता की जय कहते हैं। क्या वह विपक्ष के नेता बनने के लायक हैं? उन्होंने पूछा कि उन्हें क्या सबक सिखाया जाए। चूंकि 2014 और 2029 में कोई आधिकारिक विपक्ष की सीट नहीं थी, इसलिए राहुल विपक्ष के नेता नहीं बने। इस बार, जब उन्हें आधिकारिक विपक्ष का पद मिला, तो उन्होंने बाकी सभी को किनारे कर दिया और विपक्ष के नेता बन गए। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह इस पद के लिए योग्य नहीं हैं। उन्होंने पूछा कि विदेश जाकर देश का अपमान करना और दुर्व्यवहार करना कितना सही है।

कानून व्यवस्था पूरी तरह से खराब

एक विपक्षी नेता के तौर पर उन्होंने देश के अंदर की गड़बड़ियों को बताना चाहिए था। उन्होंने पूछा कि क्या विदेश में भारत का अपमान करना आपके लिए उचित है? आरक्षण का कारण क्या है? क्या आप जानते हैं गरीबी क्या है? आप सभी धन का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने विश्वास के साथ कहा कि अगर आप गरीबों के बारे में सोचना बंद कर देंगे और आरक्षण हटा देंगे, तो आपकी कांग्रेस पार्टी इस देश से खत्म हो जाएगी। उन्होंने ऐलान किया कि हम कांग्रेस के खिलाफ लड़ने के लिए लोगों को एकजुट करेंगे। उन्होंने कहा कि मुलबागी में कानून व्यवस्था पूरी तरह से खराब हो गई है। विरासत की सभी बुरी कहानियाँ वहीं से शुरू होती हैं। मंगलवार को एक हनीट्रैप भी सुना गया। अब 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और इसके पीछे कई लोग हैं।

चुनाव आयोग बेल्लारी सांसद का चुनाव करे रद्द

महर्षि वाल्मीकि विकास निगम की लूटी गई धनराशि का चुनाव में उपयोग बेशर्मी की पराकाष्ठा : विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने मांग की है कि केंद्रीय चुनाव आयोग को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए और बेल्लारी लोकसभा चुनाव जीतने वाले कांग्रेस उम्मीदवार का चयन रद्द करना चाहिए, क्योंकि सबूतों के साथ यह साबित हो चुका है कि महर्षि वाल्मीकि विकास निगम से लूटे गए धन का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री और पूरी सरकार जिम्मेदारी लेने से क्यों कतरा रहे हैं, जबकि यह स्पष्ट है कि सरकार का एक मंत्री इस घोटाले में शामिल है। अगर ईडी की जांच आगे बढ़ाई गई तो आरोपी पूर्व मंत्री बी नागेंद्र के पीछे की बड़ी ताकतों का मुखौटा भी बेनकाब हो जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगली जांच में इस घोटाले का पूरा सच सामने आ जाएगा। साफ है कि लोकसभा चुनाव में बड़ी रकम का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि लोकसभा चुनाव में राज्य की 9 सीटें जीतने वाली कांग्रेस को बेल्लारी के लोकसभा नतीजों में जवाब मिल गया है। कांग्रेस, जो गलत तरीके से कमाए गए काले धन से चुनाव जीतती थी, अब सरकारी खातों से लूटे गए धन से चुनाव कराने के निम्न-स्तरीय आपराधिक रास्ते पर चल रही है। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस ने साबित कर दिया है कि वह चुनाव जीतने के लिए कोई भी बेशर्म तरीका अपनाने से नहीं हिचकिचाएगी। महर्षि वाल्मीकि विकास निगम की लूटी गई धनराशि का चुनाव में उपयोग बेशर्मी की पराकाष्ठा है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि प्रवर्तन निदेशालय के हस्तक्षेप से लूटे गए धन का स्रोत मिल गया और असली अपराधी बेनकाब हो गए। यह बेहद शर्मनाक है कि इतिहास में अनसुना सरकारी खातों को चुराने का घोटाला राज्य में कांग्रेस प्रशासन की देखरेख में हुआ। उन्होंने सराहना व्यक्त की कि ईडी ने अब पारदर्शी जांच की है और कांग्रेस सरकार के मंत्री के शामिल होने के आरोप को साबित करने में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

भाजपा में असंतोष दूर करने के लिए आरएसएस का हस्तक्षेप, अहम बैठक आज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा में पैदा हुए असंतोष की भरपाई के लिए आरएसएस ने हस्तक्षेप किया है और गुरुवार को राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र, विपक्ष के नेता आर.अशोक और असंतुष्ट नेता-ओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करेगा। बैठक में भाजपा के बसन गौड़ा पाटिल यतनाल, राज्य भाजपा प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल, पूर्व मंत्री रमेश जारकिहोली, अरविंद लिंबावली समेत कुल 40 प्रमुख नेताओं को आमंत्रित किया गया है। बैठक मागडी रोड, चेन्नेहल्ली स्थित आरएसएस कार्यालय में होगी और पार्टी में हालिया असंतोष, पार्टी संगठन, सरकार के खिलाफ संघर्ष, सदस्यता पंजीकरण समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। सूत्रों ने कहा कि आरएसएस नेता,

जो आमतौर पर भाजपा के आंतरिक मामलों में दखल देने से हिचकते हैं, ने केंद्रीय मंत्री के अनुरोध पर बैठक आयोजित करने का फैसला किया है। आरएसएस के नेता उचित सलाह और मार्गदर्शन देंगे। इसके अलावा संघ परिवार के नेताओं की भाजपा के कुछ अंदरूनी मामलों में दखल देने की आदत नहीं रही है। कुछ दिन पहले केंद्रीय नेताओं ने हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया था जब पार्टी कठिन दौर से गुजर रही थी। उनके अनुरोध पर बैठक होगी।

विधानसभा चुनाव में हार के बाद प्रदेश भाजपा में नेताओं के बीच दरार आ गई है। बाद में बीवाई विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के बाद कुछ वरिष्ठ नेताओं ने खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की। उस पर बाम लगाया गया। हालांकि, घाव पूरी तरह से ठीक नहीं हुआ। बाद में, पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा सहित कुछ नेताओं, जिन्हें लोकसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं मिला, ने हताशा में खुलकर अपनी नाराजगी व्यक्त की। तब भी इसे नियंत्रित करने की कोशिश की गई, लेकिन दरार फिर से उभर आई। हाल ही में भाजपा द्वारा निकाली गई मैसूरु चलो पदयात्रा में बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और रमेश जारकीहोली नजर नहीं आए। इसके बजाय उन्होंने दावा किया कि हम बेल्लारी तक एक अलग रैली करेंगे। उन्होंने घोषणा की कि वे हाईकमान की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। बाद में बसन गौड़ा पाटिल यतनाल, पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा, कुमार बंगारप्पा और अन्य नेताओं की बैठक में चर्चा हुई। हाल ही में पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा ने एक कार्यक्रम में बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर हमला बोला था। इस बीच, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र, विपक्षी नेता आर. अशोक दिल्ली गये हैं और वरिष्ठों के साथ बैठक कर रहे हैं। अब इंतजार करना होगा और देखना होगा कि बैठक में क्या फैसला लिया जाएगा।

भाजपा काल के घोटालों की जांच के लिए कमेटी की बैठक जल्द : जी परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि वह जल्द ही भाजपा सरकार के दौरान हुए सभी घोटालों की समीक्षा के लिए गठित समिति की बैठक करेंगे और कैबिनेट को रिपोर्ट देंगे। यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सरकार और जांच एजेंसियों के स्तर पर चल रहे विभिन्न घोटालों पर कार्रवाई के लिए अपने नेतृत्व में चार अन्य मंत्रियों की एक समिति बनाई है। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के भीतर समिति की बैठक होगी और भाजपा सरकार के दौरान हुए घोटालों को चिन्हित कर सूचीबद्ध किया जाएगा। कुछ का निष्कर्ष निकल चुका है और कुछ लंबित हैं। विभिन्न चरणों में इनकी समीक्षा की जाएगी और रिपोर्ट कैबिनेट बैठक में दी जाएगी। इस पर चर्चा होगी और निर्णय लिया जाएगा कि कैबिनेट की बैठक में पिछली सरकार के घोटालों की जांच का निर्देश दिया जाये। उन्होंने कहा कि इसी पृष्ठभूमि में एक समिति का गठन किया गया है। बहुत सारे मामलों पर पर्दा डाला गया है। विभागवार जांच पहले से ही चल रही है। उन्होंने पुलिस विभाग में लंबित मामलों को शीघ्रता से निपटाने का निर्देश दिया है और कहा कि हर तीन माह में प्रगति समीक्षा के दौरान लंबित मामलों का अवलोकन किया जा रहा है। भाजपा नेता समिति के गठन को नफरत की राजनीति बताकर आलोचना करते हैं, जो उनका अधिकार है। लेकिन जो शासन करते हैं उनकी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। हमें लोगों को जवाब देना होगा। इसलिए हम अपना काम करेंगे। हमने कहा था कि महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम के मनी ट्रांसफर मामले में मंत्री नागेंद्र की कोई भूमिका नहीं है। केंद्र सरकार के प्रवर्तन निदेशालय ने जांच की और अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। जांच एजेंसी ने कहा है कि नागेंद्र की भूमिका है। उन्होंने कहा, लेकिन अंततः आरोप साबित करना होगा। कई बार हम जो कहते हैं वह सिद्ध नहीं होता, कई बार वे जो कहते हैं वह भी सिद्ध नहीं होता। एक ही घोटाले में एसआईटी की जांच की प्राथमिकता अलग है और ईडी की जांच की प्राथमिकता अलग है। उन्होंने कहा कि जब दो जांच एजेंसियां एक ही मामले की जांच करती हैं तो अलग-अलग तरह की जानकारी सामने आती है। उन्होंने कहा यह ठीक नहीं है कि मुख्यमंत्री बदलने को लेकर अनावश्यक बयानबाजी हो रही है। लोगों ने हमें वोट दिया और हमने जीत हासिल की। इसलिए सुशासन पर फोकस होना चाहिए। भाजपा ने सरकार को अस्थिर करने या लोकप्रिय योजनाओं के कार्यान्वयन को रोकने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि इसे किनारे रखकर इस पर काम करना होगा। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के विदेश से लौटने के बाद कार्रवाई की जा सकती है। परमेश्वर ने कहा कि यह कुछ लोगों की निजी राय है कि गारंटी योजनाओं से विकास अवरुद्ध हुआ है, लेकिन राशन कार्ड में कटौती करना सरकार की मंशा नहीं है। आय भुगतान करने वालों के लिए गलत दस्तावेज जमा करना और गरीबों तक पहुंचने वाली योजनाओं का लाभार्थी बनना सही नहीं है। उनकी सुविधाओं में कटौती करना गलत नहीं है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार संयोगवश एक-दूसरे से मिले।

कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी को लिखा पत्र

मुख्यमंत्री के परिवर्तन पर बयानों पर रोक लगाने की मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पंद्रह कांग्रेस नेताओं ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर कर्नाटक कांग्रेस नेताओं द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के परिवर्तन पर बयान जारी करने पर रोक लगाने की मांग की। पूर्व मंत्री बी.एल. शंकर, गारंटी कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एच.एम. रेवन्ना, केपीसीसी महासचिव सी.एस. द्वारकानाथ और अन्य द्वारा हस्ताक्षरित एक पत्र में कहा गया कि वरिष्ठ मंत्रियों सहित छह से अधिक नेता भाजपा और जेडी-एस के खिलाफ लड़ने के बजाय मुख्यमंत्री पद का दावा करते हुए बयान जारी कर रहे हैं। हमारे कई नेता और कार्यकर्ता हतोत्साहित हो रहे हैं और सरकार और पार्टी से उम्मीद खो रहे हैं। इसी तरह, कर्नाटक के लोग धीरे-धीरे हमारी पार्टी और सरकार से उम्मीद खो रहे हैं, क्योंकि हमारे नेताओं की अंदरूनी कलह और बेबुनियाद बयानबाजी हो रही है। राज्य सरकार का प्रशासन काफी हद तक बाधित हो गया है। नेताओं ने कहा इसलिए हम आपके कार्यालय से विनम्र अपील करते हैं कि उक्त नेताओं द्वारा जारी किए गए बयानों पर ध्यान दें और उन्हें चेतावनी दें तथा उन्हें निर्देश दें कि वे कांग्रेस पार्टी और कर्नाटक राज्य के हित में भविष्य में इस तरह के हानिकारक बयान जारी न करें। पत्र में आगे कहा गया है कि कर्नाटक के लोग बहुत खुश हैं और पार्टी का भरपूर समर्थन कर रहे हैं। भाजपा और जेडी-एस ने इसे बहुत गंभीरता से लिया है और वे कर्नाटक में हमारी निर्वाचित सरकार को अस्थिर करना चाहते हैं। अचानक उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मुडा का मुद्दा उठा दिया है। भले ही सिद्धरामैया की इसमें कोई भूमिका नहीं है। वे भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17 (ए) के तहत कर्नाटक के राज्यपाल से मंजूरी पाने में कामयाब रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में, भाजपा और जेडी-एस पार्टी के नेता संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के पद से इस्तीफे की जोरदार मांग कर रहे हैं। पत्र की एक प्रति एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला को भी भेजी गई।

आरक्षण न देने का विचार कांग्रेसियों के खून में : रविकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य एन रविकुमार ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका में आरक्षण खत्म करने के लिए अपने दिल की बात कही है। हम इसकी निंदा करने के लिए दो दिनों तक राहुल गांधी का पुतला जलाने जा रहे हैं। मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि एससी और एसटी का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्हें बचाने के लिए हम गुरुवार को पूरे राज्य में राहुल गांधी का पुतला जलाएंगे। राहुल गांधी ने कहा है कि आरक्षण बंद कर देंगे। कांग्रेस वह पार्टी थी जिसने डॉ. बीआर अंबेडकर को दो बार चुनाव में हराया था। संविधान निर्माता बीआर अंबेडकर का अपमान किया गया। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि अब वे आरक्षण रद्द करने की बात कहकर उनके मुद्दे को कमजोर करने जा रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा है कि वह दलितों, एससी और एसटी आरक्षण पर कुल्हाड़ी मारेंगे।

उन्होंने पूछा कि क्या यही सम्मान आप बाबा साहब अंबेडकर को देते हैं। क्या यही सम्मान है जो आप संविधान को देते हैं। हमारे देश में आरक्षण अनुसूचित जाति एवं जनजाति का जन्मसिद्ध अधिकार है। आरक्षण पाना उनका अधिकार है। वह कांग्रेस पार्टी की भीख नहीं है। दलितों के कल्याण के लिए, उनके जीवन की रक्षा के लिए, उनके जीवन को सुरक्षा प्रदान करने के लिए आरक्षण दिया जाता है। संविधान में आरक्षण की बात अंबेडकर ने लिखी थी। कर्नाटक में सिद्धरामैया ने एससी और एसटी फंड के 25 हजार करोड़ रुपये अलग-अलग विभागों में ट्रांसफर किए हैं। महर्षि वाल्मीकि विकास निगम के पैसे का इस्तेमाल बेल्लारी चुनाव में किया गया। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि आरक्षण न देने का विचार कांग्रेसियों के खून में है। अगर कांग्रेस पार्टी सत्ता में आई तो वे आरक्षण खत्म कर देंगे। उन्होंने बताया कि आरक्षण को लेकर राहुल गांधी का गुस्सा और राय अमेरिका में उनके भाषण में व्यक्त हुई थी।

भाजपा सिद्धरामैया सरकार को अस्थिर करने की कर रही कोशिश : दिनेश गुंडूराव

सीएम अपने पद पर बने रहेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने बुधवार को कहा कि भाजपा और उसके नेता इस तरह के बयान जारी कर रहे हैं कि दिवाली तक सरकार गिर जाएगी, क्योंकि वे राज्य में स्थिर कांग्रेस सरकार को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। यहां पत्रकारों से बात करते हुए राव ने कहा वे (भाजपा) बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं कि राज्य में एक स्थिर सरकार है। दूसरी बात, भाजपा का एजेंडा पूरे देश में अस्थिरता पैदा करना है। वे सरकारों को गिराने, राजनीतिक दलों को तोड़ने और ऑपरेशन लोटस शुरू करने में लगे हैं। इस तरह की बातें करना उनकी आदत बन गई है। वे कर्नाटक राज्य के लिए न्याय पाने के बारे में नहीं बोलेंगे। भाजपा नेताओं को कर्नाटक में देय परियोजनाओं को लाने और केंद्र से राज्य को मिलने वाले फंड की कोई चिंता नहीं है। इसके बजाय, उनका मुख्य एजेंडा राज्य में भ्रम पैदा करना है। राव ने कहा ऐसी कोई बात नहीं है कि सीएम सिद्धरामैया की किस्मत का फैसला कोर्ट करेगा। सीएम अपने पद पर बने रहेंगे और अपना शासन जारी रखेंगे। कुछ नहीं होने वाला है। सीएम की दौड़ में कोई नेता नहीं है। भाजपा इस मामले में अभियान चला रही है क्योंकि वे झूठ फैलाने में माहिर हैं। सीएम सिद्धरामैया ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग नहीं किया है। हमें उन पर सौ फीसदी भरोसा है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत केंद्र सरकार के हाथों की कठपुतली की तरह काम कर रहे हैं। जिस जल्दबाजी में उन्होंने सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ अभियोजन को मंजूरी दी, वह सवालिया निशान है क्योंकि केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, पूर्व भाजपा मंत्री शशिकला जोले और मुरुगेश निरानी के खिलाफ अभियोजन के अनुरोध लंबे समय से लंबित हैं। उन मामलों में कोई कार्रवाई नहीं की गई। हालांकि, राज्यपाल ने एक निजी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए उसी दिन सीएम को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। राज्यपाल की मानसिकता क्या है? वह पक्षपाती हैं।

सीएम की ओर से कोई गलती नहीं है। राव ने कहा अदालत के सामने यह मुद्दा नहीं है कि सीएम ने गलत काम किया है या नहीं। यह सीधा-सादा है कि राज्यपाल द्वारा जांच के लिए दी गई मंजूरी सही है या गलत। अदालत के सामने यह कहने का कोई मुद्दा नहीं है कि सीएम सिद्धरामैया ने गलत काम किया है। राज्य के ग्रामीण अस्पतालों में आवश्यक सामग्री और दवाइयों की कमी के बारे में पूछे जाने पर मंत्री राव ने कहा हमारे पास सभी सामग्री है, यह कहना गलत है कि हमारे पास अस्पताल में सामग्री नहीं है।

-हम सभी रिक्तियों को भरेंगे

अगर सामग्री नहीं होगी तो अस्पताल कैसे चल पाएंगे? ग्रामीण क्षेत्रों में अनिवार्य पदस्थापना की प्रक्रिया चल रही है। हम सभी रिक्तियों को भरेंगे। हमने जहां भी आवश्यकता हो, वहां विशेषज्ञ डॉक्टरों को अनुबंध के आधार पर लेने की सलाह दी है।

उन्होंने कहा कई जगहों पर डॉक्टर हमारे द्वारा बताई गई अनुबंध राशि के कारण आगे नहीं आ रहे हैं। हमें इस मामले को अलग तरीके से देखना होगा। फर्जी डॉक्टरों का खतरा लंबे समय से है। हमने अपने अधिकारियों को कार्रवाई शुरू करने के निर्देश जारी किए हैं। वास्तव में, हमने उन्हें जहां भी आवश्यक हो, वहां बेरहमी से कार्रवाई शुरू करने के लिए कहा है। कांग्रेस सरकार द्वारा हाल ही में पारित नया विधेयक झोलाछाप डॉक्टरों से संबंधित है।

नई विज्ञापन समीक्षा समिति का गठन मीडिया पर नियंत्रण करने की कोशिश: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने संदेह व्यक्त किया है कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में नवगठित विज्ञापन समीक्षा समिति में राज्य सरकार द्वारा मीडिया को अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित करने की क्षमता है। अशोक ने इस बारे में अपनी आधिकारिक सोशल मीडिया साइट पर पोस्ट कर विज्ञापन समीक्षा समिति में सत्तारूढ़ दल के पदाधिकारियों की नियुक्ति की तर्कसंगतता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा जब सरकार सिलसिलेवार भ्रष्टाचार के भंवर में फंसने के कारण सार्वजनिक मान्यता खो चुकी है, ऐसे में इस तरह का कदम स्वाभाविक रूप से कई संदेह पैदा करता है। कांग्रेस सरकार ने केपीसीसी प्रवक्ता रमेश बाबू और केपीसीसी महासचिव रामचंद्रप्पा को समिति में नियुक्त किया है। उन्होंने कहा केपीसीसी प्रवक्ताओं और केपीसीसी महासचिवों को विज्ञापनों की समीक्षा करने का क्या अधिकार है? अनुभव क्या है? अशोक ने सुझाव दिया कि यदि विज्ञापन जांच समिति को योग्य व्यक्तियों को नियुक्त करना था, तो वे सेवानिवृत्त संपादकों को नियुक्त कर सकते थे जो मीडिया संगठनों में सेवा कर चुके हैं या सेवानिवृत्त अनुभवी अधिकारी जो समाचार विभाग के विज्ञापन विभाग में सेवा कर चुके थे।

भाजपा आरक्षण रद्द नहीं होने देगी : सुनील कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधायक और भाजपा के प्रदेश महासचिव सुनील कुमार ने कहा कि पीढ़ियों से आरक्षण के जरिए समृद्ध हो रहे एससी और एससी समुदाय को आरक्षण रद्द करने के राहुल गांधी के बयान से झटका लगा है। चिकमगलूरु में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती तो आरक्षण रद्द कर देती। हम इस बयान की निंदा करते हैं। उन्होंने साफ किया कि भाजपा आरक्षण रद्द नहीं होने देगी। हम आज भी आरक्षण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यह जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि इस देश की जनता राहुल गांधी के बयान को सही नहीं ठहरा सकती। राहुल को देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आरक्षण विरोधी थीम रखते हुए गुरुवार से पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। उन्होंने मांग की कि राहुल गांधी के अमेरिका से लौटने से पहले कांग्रेस पश्चाताप का बयान जारी करे। आरक्षण को लेकर कांग्रेस ने अब तक सिर्फ घड़ियाली आंसू ही बहाये हैं। कांग्रेस ने सिर्फ संविधान पर भाषण दिया। उनके हाथ में सिर्फ संविधान की किताब थी। हालाँकि उन्होंने मन में संविधान विरोधी गतिविधियां की हैं।

आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में साहूकार गिरफ्तार

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में गुब्बी पुलिस ने 5 सितंबर को एक बेकरी मालिक की मौत के बाद आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में 39 वर्षीय बढ़ई से साहूकार बने व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मृतक बसवराजू, 32, ने अपना व्यवसाय चलाने के लिए नागराजू उर्फ बद्दी नागा से कुछ पैसे उधार लिए थे। बसवराजू ने जमानत के तौर पर अपने दोस्त का खाली चेक जमा किया था। मृतक की पत्नी भाव्या ने पुलिस को बताया कि जब घाटे के कारण बसवराजू कर्ज नहीं चुका पाया, तो नागराजू ने कथित तौर पर दूसरों के सामने उसे अपमानित किया। कथित उत्पीड़न और अपमान को सहन करने में असमर्थ, बसवराजू दुकान पर गया, खुद को बंद कर लिया और अपने मोबाइल फोन पर एक वीडियो रिकॉर्ड करने के बाद अपनी जान दे दी, जिसमें उसने नागराजू पर उसे यह चरम कदम उठाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। जब बसवराजू घर नहीं लौटा और उसने फोन कॉल का जवाब नहीं दिया, तो उसके परिवार के सदस्य दुकान पर गए। जब उन्होंने उसे फोन करने की कोशिश की, तो दुकान के अंदर मोबाइल फोन बज रहा था। खिड़की से झांकने पर उन्होंने उसका शव देखा। परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने वह फोन सौंप दिया जिसमें बसवराजू ने आत्महत्या करने से कुछ मिनट पहले बयान दर्ज किया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने नागराजू के खिलाफ मामला दर्ज किया। 8 सितंबर को पुलिस ने उसे डबासपेटे बस स्टॉप पर ट्रैक किया। पुलिस ने उसके घर से तीन खाली चेक जब्त किए।

ऑटो-रिक्शा दुर्घटना में मां को बचाने वाली छात्रा का सम्मान

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वैभवी नाम की एक छोटी बच्ची ने वीरतापूर्ण कार्य करते हुए उस वक्त अपनी मां को बचाया, जब किन्निगोली में सड़क पार करते समय एक ऑटो-रिक्शा ने उसे टक्कर मार दी। बच्ची अपनी मां की मदद के लिए दौड़ी और उसे सुरक्षित बाहर निकाला। उसकी बहादुरी को देखते हुए, दक्षिण कन्नड़ के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) मुल्लई मुहिलान और पुलिस कमिश्नर अनुपम अग्रवाल ने वैभवी को अपने कार्यालय में आमंत्रित किया और उसका सम्मान किया। सातवीं कक्षा की छात्रा वैभवी को डीसी ने शॉल और माला पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने उसकी त्वरित सोच और साहस की प्रशंसा करते हुए उसके कार्यों को अनुकरणीय बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों में छोटी उम्र से ही ऐसी जागरूकता और बहादुरी पैदा की जानी चाहिए। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त डीसी डॉ. जी. संतोष कुमार, समाज कल्याण की उपनिदेशक हेमलता, सहायक निदेशक सुरेश अडिगा और वैभवी के माता-पिता शामिल हुए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भी सोशल मीडिया पर वैभवी की बहादुरी की सराहना की थी।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में उठ रहा सवाल

क्या नाना का गढ़ सुरक्षित रख पाएंगी इल्तिजा?

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 11 सितंबर।

ऊंचे चिनार के पेड़ों और लंबे इतिहास के लिए मशहूर बिजबिहाड़ा के राजनीतिक गढ़ में जम्मू कश्मीर की सबसे प्रतिष्ठित चुनावी सीटों में से एक के लिए लड़ाई तेज होती जा रही है। मुफ्ती परिवार की तीसरी पीढ़ी की नेता इल्तिजा मुफ्ती दो पूर्व मुख्यमंत्री देने वाली सीट बरकरार रखने के लिए जोरदार प्रचार कर रही हैं। लेकिन लाख टके का सवाल बना हुआ है कि क्या 31 वर्षीय इल्तिजा इस बार अपने नाना के गढ़ को सुरक्षित कर पाएंगी?

बिजबिहाड़ा को अक्सर अपने भव्य वृक्षों के कारण चिनार टाउन के नाम से जाना जाता है, यह केवल राजनीतिक गढ़ नहीं है, यह मुफ्ती परिवार का गृह क्षेत्र है। यह सीट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के पास 1996 से है। इस बार, यह मुकाबला एक तरह से पारिवारिक झगड़े की तरह बनता जा रहा है, जिसमें इल्तिजा मुफ्ती पीडीपी का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, और अब्दुल गनी वीरी के बेटे डॉ. बशीर वीरी नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के लिए खड़े हैं। एक और मोड़ यह है कि भाजपा के राज्य उपाध्यक्ष इस मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि किसी तरह की आत्मसंतुष्टि की गुंजाइश न रहे।

डॉ. बशीर वीरी के पिता अब्दुल गनी शाह वीरी ने यहां से मुफ्ती मोहम्मद सईद को दो बार हराया है। वे शेख अब्दुल्ला के करीबी सहयोगी रहे हैं और चार बार यहां से विधायक चुने गए हैं। इस बार अब्दुल गनी वीरी के बेटे बशीर वीरी को भी पूरा भरोसा है कि वे इल्तिजा को हरा देंगे। पीडीपी के वरिष्ठ नेता अब्दुल रहमान वीरी ने पहले चार बार यह सीट जीती थी, लेकिन उन्हें दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में भेज दिया गया है, जिससे इल्तिजा को जगह मिल गई है, जो एक नई लेकिन मजबूत दावेदार हैं।

जमीन पर, इल्तिजा का अभियान भावना, परंपरा और राजनीतिक वादों का मिश्रण है। क्षेत्र के अधिकांश गांवों में, महिलाएं मुख्य सड़क पर इकट्ठा होती हैं, पारंपरिक कश्मीरी गीत गाती हैं और लोक वाद्य यंत्र तुम्बकनार बजाती हैं। इल्तिजा, एक सनरूफ कार में आती हैं, संगीत के साथ ताली बजाने के लिए बाहर निकलती हैं, बुजुर्गों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया जाता है, प्रार्थनाएं पढ़ी जाती हैं और समर्थन के प्रतीकात्मक इशारे में उनके हाथ चूमे जाते हैं। जब वह भीड़ को संबोधित करने के लिए पास के एक घर की छत पर चढ़ती हैं, तो स्थानीय पीडीपी नेता उनकी प्रशंसा में बोलते हैं।

जब इल्तिजा ने माइक्रोफोन संभाला, तो उनके भाषण में व्यक्तिगत भावना और राजनीतिक संदेश का मिश्रण था। उन्होंने कश्मीरी और उर्दू-हिंदी दोनों भाषाओं में बात की और लोगों को अपने परिवार के बलिदानों की याद दिलाई। उन्होंने लोगों से यह याद करने को कहा कि कैसे उनकी मां महबूबा मुफ्ती ने सैन्य संघर्ष के दौरान लोगों की रक्षा के लिए एक बार खड़े होकर काम किया था। वे अपने नाना के नेतृत्व की यादों को ताजा करते हुए हुए कहती हैं कि मुझे मुफ्ती साहब की बहुत याद आती है और आपकी भी। मैं उनकी तरह आपकी देखभाल करूंगी। उनका संदेश स्पष्ट था जबकि उनके परिवार की विरासत ईमानदारी और सार्वजनिक सेवा की है, लेकिन इस क्षेत्र के सामने चुनौतियां कम नहीं हुई हैं।

उन्होंने मुफ्ती मोहम्मद सईद के अधूरे काम को जारी रखने का वादा किया और कहा कि उनका परिवार हमेशा सादगी से रहता आया है, जबकि अन्य नेता लंदन और दिल्ली में घर रखते हैं। अपने भाषण के अंत में इल्तिजा ने एक भावनात्मक अपील जारी की, दूसरे नेताओं की गलतियों के लिए मुझे दंडित न करें। मैं आपकी अगली विधायक हूं। इल्तिजा मुफ्ती के लिए, यह सिर्फ एक सीट को बनाए रखने के बारे में नहीं है, यह साबित करने के बारे में है कि मुफ्ती परिवार का बिजबिहाड़ा से संबंध अटूट है।

ऑक्सीजन नापने का यंत्र सरकारें नहीं ला सकीं, किसान ने मंगवाया

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

देश मे पर्यावरण में ऑक्सीजन की मात्रा की जांच करने के लिए स्वतंत्रता के 78 वर्षों के बाद भी केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के पास कोई यंत्र ही उपलब्ध नहीं है। जबकि भारत के शहरों में प्रदूषण विश्व में सबसे अधिक है। इससे लगता है कि राज्य सरकारें लोगों के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर नहीं हैं। मुंबई बैंगलोर, हैदराबाद, कोलकाता और और विश्व के सबसे प्रदूषित शहर दिल्ली में भी यह सुविधा नहीं है।

दिल्ली के कादीपुर गांव के किसान चौधरी हरपाल सिंह के द्वारा इस विषय पर कोरोना काल से देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, परिवहन मंत्री, पर्यावरण मंत्री आदि सभी राज्यों के राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों को कई वर्षों से पत्र लिख कर मांग की जाती रही है कि पर्यावरण में ऑक्सीजन नापने के यंत्र स्थापित किए जाएं।

सूचना आवेदन में भी जानकारी मांगी थी पर्यावरण में कितनी ऑक्सीजन होनी चाहिए, कितनी ऑक्सीजन है और प्राणी मात्र के लिए कितनी ऑक्सीजन की आवश्यक होती है। हरपाल सिंह जटराणा ने भारत सरकार, दिल्ली सरकार सहित आठ विभागों/संस्थानों को, जिनमें राष्ट्रीय हरित अधिकरण,केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, व्यावसायिक एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य केंद्र इंद्रप्रस्थ व्यावसायिक एवं पर्यावरण स्वास्थ्य समिति (आईवीप-ीएसएस), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अंतरिक्ष विभाग, वन एवं वन्यजीव विभाग, दिल्ली सरकार, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण कमेटी,लोक निर्माण विभाग, दिल्ली नगर निगम आदि से पत्राचार किया। सभी ने कहा कि हमारे पास पर्यावरण में ऑक्सीजन नापने के यंत्र उपलब्ध नहीं हैं।

इस संबंध में समाजसेवी डॉ. मोतीलाल गुप्ता आदित्य का कहना है कि प्रदूषण का लोगों के स्वास्थ्य पर बहुत ही घातक प्रभाव पड़ रहा है, जिसकी भरपाई करना भी संभव नहीं है। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय को चाहिए कि वह इस संबंध में सभी राज्य सरकारों को आदेश दे कि वे बड़े-बड़े शहरों में ऑक्सीजन नापने की यंत्र लगे और उसके अनुसार प्रदूषण नियंत्रित करने के उपाय करें। ऑक्सीजन नापने के मामले में सभी राज्य सरकारों और पर्यावरण संस्थानों की बेरुखी को देखते हुए अंततः कादीपुर गांव के समाजसेवी हरपाल जटराणा ने अपने व्यक्तिगत खर्चे से अमेरिका से पर्यावरण में ऑक्सीजन नापने का यंत्र मंगवाया है। जिससे पर्यावरण में उपलब्ध ऑक्सीजन और प्राणी मात्र के लिए आवश्यक ऑक्सीजन की सही मात्र की जांच की जा सके और पर्यावरण में कम ऑक्सीजन पाए जाने पर उसकी मात्रा बढ़ाने के प्रयास किए जा सके।

जटराणा ने अपने निवास स्थान से साइकिल से प्रधानमंत्री कार्यालय में जाकर एक अनुरोध पत्र सौंपा।

जिसमें उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत सरकार इस यंत्र को लेकर पर्यावरण में ऑक्सीजन नाप सकेगी और यह यंत्र प्राणी मात्र के लिए बहुत ही लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि जनता को भी चाहिए कि वह सभी प्रमुख शहरों में ऑक्सीजन नापने के यंत्र लगवाने के लिए राज्य सरकारों से मांग करे ताकि उसके अनुसार प्रदूषण रोकने के लिए प्रयास किया जा सकें।

चार बार के विधायक यूसुफ तारिगामी लड़ रहे कठिन चुनावी जंग

जम्मू, 11 सितंबर (ब्यूरो)।

चार बार के विधायक और वरिष्ठ माकपा नेता मुहम्मद यूसुफ तारिगामी, जो नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन के सर्वसम्मत उम्मीदवार हैं, यहां अपने गृह क्षेत्र में सबसे कठिन चुनावी लड़ाई का सामना कर रहे हैं। उन्हें चुनौती देने वाले व्यक्ति 42 वर्षीय सयार अहमद रेशी हैं, जो जमात-ए-इस्लामी द्वारा समर्थित एक स्वतंत्र उम्मीदवार हैं, एक सामाजिक-राजनीतिक-धार्मिक समूह जिसे 2019 में केंद्र सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया था। सयार अहमद रेशी और उनके समर्थकों ने रविवार को कुलगाम के बुगाम इलाके में एक प्रभावशाली चुनावी रैली आयोजित करके कश्मीर में सभी को चौंका दिया था। कुलगाम के खरोटे गांव के निवासी, सयार अहमद रेशी शैक्षिक क्षेत्र में अपनी सेवाओं के लिए यहां युवा पीढ़ी के बीच सयार सर के रूप में लोकप्रिय हैं। शिक्षा क्षेत्र में उनका प्रवेश तब विस्तृत हुआ जब उन्होंने फलाह आम ट्रस्ट में सहायक निदेशक की भूमिका संभाली, जो जम्मू कश्मीर में कई शैक्षणिक संस्थानों को चलाने के लिए जिम्मेदार एक संगठन है। पत्रकारों से बात करते हुए, सयार कहते थे कि उन्होंने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, पूंजीवादी प्रभुत्व और सरकारी धन के दुरुपयोग के कारण कुलगाम की निराशाजनक स्थिति को देखने के बाद राजनीति में प्रवेश करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, मैंने अभिनय करने के लिए मजबूर महसूस किया। यहां की राजनीति वोट बैंक के खेल में सिमट कर रह गई है, जिससे निर्वाचित प्रतिनिधियों का विरोध करने वालों को परेशानी हो रही है। मैंने राजनीति में इस यात्रा की योजना नहीं बनाई थी, लेकिन कहीं न कहीं, मुझे विश्वास है, अल्लाह ने मेरी प्रार्थना स्वीकार कर ली। प्रतिबंधित जमात से संबद्ध स्कूल और अन्य संस्थान नैतिक और धार्मिक दोनों रूप से समाज को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते उन्होंने कहा कि उनके चुनावी अभियान को हर पहलू में अविश्वसनीय प्रतिक्रिया मिली है।

सयार के बकौल, पिछले 30 सालों से अन्याय के शिकार लोग सामने आ रहे हैं और अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। इसके अलावा, युवा, महिलाएं, बुजुर्ग और बौद्धिक वर्ग जो व्यक्तिगत लाभ नहीं बल्कि समाज की बेहतरी चाहते हैं, वे अपना समर्थन दिखा रहे हैं।

जानकारी के लिए, कश्मीर में सशस्त्र आतंकवाद के उभरने से पहले, कुलगाम क्षेत्र में नेशनल कांफ्रेंस और जमात-ए-इस्लामिया (जेईआई) के बीच सीधा मुकाबला हुआ करता था। 1987 में जब जेईआई मुस्लिम यूनाइटेड फ्रंट का हिस्सा था, तब उसके उम्मीदवार अब्दुल रजाक मीर ने 3576 वोटों से यह सीट जीती थी। 1972 में भी जेईआई ने यह सीट जीती थी।

जनता की आवाज फाउंडेशन की मांग

अल्पसंख्यक की परिभाषा तय की जाए

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

जनता की आवाज फाउंडेशन द्वारा भारत के गृहमंत्री अमित शाह को ज्ञापन दिया गया है, जिसमें भारत के संविधान में अल्पसंख्यक समुदाय की परिभाषा तय किए जाने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि भारत के संविधान में अल्पसंख्यक शब्द का प्रयोग किया गया है और भारत सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के हित के लिए अल्पसंख्यक आयोग भी बनाया गया है। देशभर में धर्म के नाम पर कथित अल्पसंख्यकों को विभिन्न प्रकार के लाभ व सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं।

भारतीय संविधान में भाषा तथा धर्म के आधार पर अल्पसंख्यकों को स्वीकार करते हुए अनुच्छेद 29 और अनुच्छेद 30 में उनके संरक्षण के प्रावधान किये गए हैं लेकिन आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के बावजूद भी भारत के संविधान में अल्पसंख्यक की परिभाषा निर्धारित नहीं की गई है। इसके परिणामस्वरूप देश के वे धार्मिक समुदाय जिनकी आबादी 15 से 20 % या उससे भी अधिक हो गई है, वे भी अल्पसंख्यकों के नाम पर तरह-तरह के लाभ ले रहे हैं। यह अन्याय पूर्ण है।

संस्था के अध्यक्ष सुंदरलाल बोथरा का कहना है कि अल्पसंख्यक समुदाय का निर्धारण राष्ट्रीय स्तर पर होने के कारण वे राज्य जहां राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित बहुसंख्यक, अल्पसंख्यक हैं और अल्पसंख्यक, बहुसंख्यक हैं, वहां भी उन राज्यों में वहां के बहुसंख्यक लोग अल्पसंख्यकों को दिए गए लाभ ले रहे हैं। यह अत्यंत अन्यायपूर्ण है।

संस्था के राष्ट्रीय सचिव डॉ. मोतीलाल गुप्ता आदित्य का कहना है कि अल्पसंख्यक की अवधारणा उस समुदाय के लिए होती है जिनकी आबादी नगण्य अर्थात एक या दो प्रतिशत होती है। लेकिन वे समुदाय जो देश के विभिन्न राज्यों व जिलों में 15-20% से लेकर 70 - 80% तक है उन्हें अल्पसंख्यक मानना हास्यास्पद ही नहीं बल्कि अन्य समुदायों के साथ भेदभावपूर्ण भी है। जनता की आवाज फाउंडेशन के उपाध्यक्ष कानबिहारी अग्रवाल, महासचिव कृष्ण कुमार नरेडा, कोषाध्यक्ष रितेश पोरवाल ने भारत सरकार से अल्पसंख्यक समुदाय को परिभाषित करने की मांग करते हुए कहा है कि धार्मिक अथवा भाषायी अल्पसंख्यक समुदाय के अंतर्गत उस समुदाय को रखा जाए जिनकी आबादी दो प्रतिशत या उससे कम है। गृह मंत्री अमित शाह को भेजे गए ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि परिभाषित अल्पसंख्यक समुदाय सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़ा नहीं है तो उन्हें भी किसी प्रकार के विशेष लाभ और सुविधाएं दिए जाने का कोई औचित्य नहीं है।

इस बार पहली बार चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार अधिक

जम्मू, 11 सितंबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में करीब एक दशक के अंतराल के बाद होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए राजनीतिक दल कमर कस चुके हैं, ऐसे में अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टियों ने पहली बार चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को मैदान में उतारना पसंद किया है, जो तीन चरणों के चुनाव में अपनी किस्मत आजमाएंगे।

नेशनल कांफ्रेंस (नेकां), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), अपनी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सहित कई दलों ने उन नेताओं को मौका दिया है, जो पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। उपलब्ध विवरण के अनुसार, नेकां ने कश्मीर संभाग से लगभग 11 उम्मीदवारों को जनादेश दिया है, जो पहली बार मैदान में होंगे।

दो सूचियों में, नेकां ने महत्वपूर्ण लाल चौक सीट को अपने प्रांतीय उपाध्यक्ष कश्मीर प्रांत, अहसान परदेसी, हजरतबल को सलमान सागर और पट्टन को रियाज बेदार को दिया है।

चुनाव मैदान में उतरे कुछ नए चेहरों में देवसर से पीरजादा फिरोज, लार्नू कोकरनाग से चौधरी जुल्फिकार, टंगमर्ग से फारूक अहमद शाह, उरी से डॉ सज्जाद शफी, सोपोर से इरशाद कार, सोनावारी से हिलाल लोन, करनाह से जाविद अहमद और चनापोरा से मुश्ताक गुर्रा शामिल हैं। अपनी पार्टी से कई उम्मीदवार पहली बार विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमा रहे हैं। पार्टी नेताओं ने पुष्टि की कि जिलानी कुमार, ओवैस खान, ओवैस अशरफ शाह, मुहम्मद अशरफ पालपोरी, मुनव्वर ख्वाजा, डॉ नूर-उद-दीन और अता मुहम्मद ऐसे उम्मीदवार हैं जो कश्मीर संभाग से पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं।

पीडीपी में पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती उन उम्मीदवारों में शामिल हैं, जो पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रही हैं।

इल्तिजा के अलावा पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों में सैयद तजामुल इस्लाम, वहीद-उर-रहमान पारा, आगा सैयद मुंतजिर मेहदी और कुछ अन्य शामिल हैं। हालांकि भाजपा पार्टी ने उन नेताओं पर भरोसा जताया है, जिनमें से अधिकांश चुनावी मैदान में नए हैं। चरण-1 की सूची के अनुसार, केवल कुछ ही ऐसे हैं जिन्होंने पिछले विधानसभा चुनावों में भाग लिया है जबकि उनमें से अधिकांश पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं।

पहली बार के कुछ उम्मीदवारों ने बात करते हुए अपनी पार्टी को उन पर भरोसा जताने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि वे पार्टी की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। लाल चौक निर्वाचन क्षेत्र के लिए नेकां के उम्मीदवार अहसान परदेसी ने कहा कि पार्टी ने महत्वपूर्ण सीट से उन पर भरोसा जताया है और वे पार्टी नेतृत्व की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए दिन-रात काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं अपनी पार्टी नेतृत्व की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। पहली बार के दावेदारों के पास संभवतः बाजी पलटने की संभावना है क्योंकि उन्हें विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में लोगों का भारी समर्थन मिला है। श्रीगुफवारा-बिजबेहरा से पीडीपी उम्मीदवार इल्तिजा, लाल चौक से अहसान परदेसी, नेकां से सलमान सागर और अन्य को भारी जनसमर्थन मिला है।

मछुआरों का आरोप

जानबूझकर मछली पकड़ने वाली नाव से टकराया श्रीलंकाई नौसेना का जहाज

चेन्नई , 11 सितंबर (ब्यूरो)।

तमिलनाडु के नागपट्टिनम जिले के मछुआरों ने बुधवार को आरोप लगाया कि एक श्रीलंकाई नौसेना का जहाज जानबूझकर उनकी मछली पकड़ने वाली नाव से टकराया, जिससे उनकी नाव पलट गया। इस घटना में मछुआरों को चोटें आईं और उनके मछली पकड़ने के उपकरण व अन्य सामग्री को नुकसान पहुंचा, जिनकी कीमत लाखों रुपये है।

इन मछुआरों में शामिल सक्थिवेल ने नागपट्टिनम में पत्रकारों को बताया कि 10 सितंबर की शाम को चार मछुआरे कोडियक्कारी तट के पास मछली पकड़ने के लिए नाव में थे। उसी दौरान एक विदेशी जहाज ने उन्हें धीमा नाव चलाने का संकेत दिया। मछुआरों ने तुरंत उनका आदेश मान लिया और हाथ उठाकर संकेत दिया। लेकिन नौसेना का जहाज उनकी नाव से टकरा गया, जिससे उनकी नाव पलट गई। वे समुद्र में मछली के जाल में फ़ंसे। जिससे उन्हें चोटें आईं और संघर्ष करना पड़ा।

उन्होंने बताया कि मछली पकड़ने की जाल, जीपीएस आधारित संचार उपकरण, मछलियों को रखने के लिए आईस-बॉक्स, मोबाइल फ़ोन सभी खराब हो गए हैं। इनकी कुल कीमत करीब 6.5 लाख रुपये है। मछुआरों ने कहा कि श्रीलंकाई नौसेना के कर्मियों ने कर्मियों ने उन्हें लाइफ़ जैकेट प्रदान किए और फ़िर अन्य मछुआरों ने उनकी मदद की। कई घंटों तक संघर्ष करने के बाद पलटी हुई नाव पलटने में मछुआरे सफ़ल रहे और उसे मछली पकड़ने के बंदरगाह तक ले आए।

सुप्रीम कोर्ट: खनिजों पर रॉयल्टी बकाया की वसूली का मामला

राज्यों की याचिका पर सुनवाई के लिए गठित की जाएगी पीठ

नई दिल्ली, 11 सितंबर (ब्यूरो)।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को झारखंड जैसे खनिज समृद्ध राज्यों की याचिकाओं पर सुनवाई के लिए एक पीठ गठित करने पर सहमति जताई। अदालत ने कहा कि याचिकाओं में केंद्र और खनन कंपनियों से हजारों करोड़ रुपये मूल्य के खनिज अधिकारों और खनिज युक्त भूमि पर रॉयल्टी और कर बकाया वसूलने की मांग की गई है। इसलिए याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए एक पीठ गठित की जाएगी।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय पीठ ने 25 जुलाई को 8:1 के बहुमत वाले फ़ैसले में कहा था कि खनिज अधिकारों पर कर लगाने की विधायी शक्ति राज्यों के पास है, संसद में नहीं।

इसके बाद 14 अगस्त को दिए गए आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने खनिज संपन्न राज्यों को बड़ी राहत देते हुए उन्हें खनिजों और खनिज-युक्त भूमि पर केंद्र सरकार से 12 वर्ष में क्रमबद्ध तरीके से रॉयल्टी तथा कर पर एक अप्रैल 2005 से बकाया लेने की बुधवार को अनुमति दे दी थी।

चीफ़ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा था कि 25 जुलाई के आदेश को आगामी प्रभाव से लागू करने की दलील खारिज की जाती है। पीठ की ओर से फ़ैसला सुनाते हुए चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा था कि इस अदालत ने उसके समक्ष आए सवालों का 8:1 के बहुमत से 25 जुलाई को जवाब दे दिया था। साथ ही खदानों, खनिज-युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार राज्यों को दिया था।

उन्होंने कहा कि 25 जुलाई का फैसला सुनाने के बाद केंद्र सरकार ने इस फैसले को आगामी प्रभाव से लागू करने का अनुरोध किया था। मामले पर 31 जुलाई को सुनवाई की गई थी। केंद्र ने खनिज संपन्न राज्यों को 1989 से खनिजों और खनिज-युक्त भूमि पर लगाई गई रॉयल्टी उन्हें वापस करने की मांग का विरोध करते हुए कहा था कि इसका असर नागरिकों पर पड़ेगा और प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) को अपने खजाने से 70,000 करोड़ रुपये निकालने पड़ेंगे।

झारखंड की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने बुधवार को मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ से आग्रह किया कि बकाया राशि की वसूली और उसे वसूलने में आने वाली कानूनी बाधाओं से संबंधित याचिकाओं को एक पीठ को आवंटित किया जाए।

अधिवक्ता ने कहा, 'यह नौ न्यायाधीशों की पीठ के फ़ैसले के बाद उठाए जाने वाले कदमों के बारे में है। सभी मामलों को अब एक साथ रखा गया है।'

कुछ निजी खनन फ़र्मों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा कि अब राज्य सरकारें धन की वसूली चाहती हैं। इस पर सीजेआई ने कहा, 'मैं पीठ गठित करूंगा। इसमें उन न्यायाधीशों में से एक को नियुक्त करूंगा, जो (संविधान) पीठ में हमारे साथ थे।'

दरअसल, जहां कहीं भी खनिजों की खदान पाई जाती है उसे किसी कंपनी को अलॉट किया जाता है। इस खदान से निकलने वाले खनिज पर जो पैसे सरकार को दिए जाते हैं उसे ही रॉयल्टी कहा जाता है। सरकार उस जमीन का पट्टा देने के लिए टैक्स अलग से भी लेती है।

सर्व सेवा संघ विध्वंस के पुनर्निर्माण की मांग

गांधीवादियों का सौ दिन का सत्याग्रह शुरू

वाराणसी, 11 सितंबर (एजेंसियां)। स्वतंत्रता आंदोलन के प्रथम सत्याग्रही और सर्व सेवा संघ राजघाट परिसर की स्थापना के प्रेरक आचार्य विनोबा भावे की जयंती 11 सितंबर बुधवार की सुबह छह बजे सर्वधर्म प्रार्थना के साथ 100 दिनों का सत्याग्रह प्रारंभ हुआ। महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण की तस्वीरों पर माल्यार्पण के साथ ही सत्याग्रहियों ने अन्याय का प्रतिकार एवं परिसर पुनर्निर्माण का संकल्प लिया।

ज्ञात को कि एक वर्ष पहले 22 जुलाई 2023 को स्थानीय एवं रेल प्रशासन ने एक षड्यंत्र के तहत सर्व सेवा संघ के राजघाट परिसर को अवैध रूप से कब्जा कर लिया और 12 अगस्त 2023 को इसके 45 भवनों को कानून का उल्लंघन करते हुए बुलडोजर से गिरा दिया। इसके पहले 2020 में तत्कालीन जिलाधिकारी के निर्देश पर सर्व सेवा संघ के जमीन के एक हिस्से को पुलिस बल पर कब्जा कर गुजरात की एक कंस्ट्रक्शन कंपनी को दे दिया गया था और 15 मई 2023 को गांधी विद्या संस्थान को भी बलपूर्वक कब्जा कर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र को सौंप दिया गया।

सर्व सेवा संघ परिसर को कब्जा करने में प्रधानमंत्री कार्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र अध्यक्ष एस एस के रामबहादुर राय, आयुक्त कौशल राज शर्मा तथा जिलाधिकारी एस राजलिंगम की सीधी संलिप्तता है।

सर्व सेवा संघ के राम धीरज ने जानकारी दी कि आज के सत्याग्रह में सब सेवा संघ के अध्यक्ष चंदन पाल, मंत्री अरविंद कुशवाहा, उत्तर प्रदेश सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष राम धीरज, वरिष्ठ गांधीवादी कृष्णा मोहंती (उड़ीसा), रविंद्र सिंह चौहान (रायबरेली) तथा शिक्षक विद्याधर (चंदौली) दिनभर के उपवास पर रहे। इसके अलावा सर्व सेवा संघ के महामंत्री गौरांग महापात्र, प्रबंधक ट्रस्टी शेख हुसैन, प्रकाशन संयोजक अशोक भारत, अरविंद अंजुम, नंदलाल मास्टर, जागृति राही, सत्येंद्र सिंह, संध्या सिंह, राजकुमार, अंकित, सुरेंद्र नारायण सिंह, तारकेश्वर सिंह, अनूप आचार्य, अजय यादव, रामकिशोर चौहान, विभूति विक्रम, जीतेंद्र, चेंबर प्रजापति, अनिता, सोनी, राबिया बेगम, मिहिर भाई, अन्तर्यामी बराड मनीषा आदि भी सत्याग्रहियों के समर्थन में शामिल हुए।

सीएम योगी ने दिया निवेशकों को हर संभव मदद का भरोसा

सीएम योगी ने इन्वेस्टर्स से की मुलाकात

ग्रेटर नोएडा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में सेमीकॉन इंडिया 2024 के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्लोबल लीडर्स और इन्वेस्टर्स के साथ वन टू वन मुलाकात भी की। इस दौरान सीएम योगी ने इन्वेस्टर्स को प्रदेश में सुरक्षित निवेश के साथ-साथ हर तरह की सुविधाएं प्रदान करने का भरोसा दिलाया। वहीं इन्वेस्टर्स ने भी इस इवेंट को महत्वपूर्ण बताया, जबकि उन्होंने उत्तर प्रदेश को निवेश का बेहतरीन गंतव्य करार दिया। देशी और विदेशी दोनों इन्वेस्टर्स ने माना कि भारत में सेमीकंडक्टर का काफी स्कोप है और पीएम मोदी के नेतृत्व में जल्द ही भारत सेमीकंडक्टर का हब बन सकता है।

हानयांग इंजीनियरिंग के प्रमुख डेहून ली ने कहा, हमारी साउथ कोरिया की कंपनी है। भारत में सेमी कंडक्टर का स्कोप ज्यादा है। भारत की हाल के वर्षों में तरक्की पूरी दुनिया ने देखी है। यहां लोग उन्नत तकनीक अपना रहे हैं, जिसकी वजह से सेमीकंडक्टर का स्कोप लगातार बढ़ता जा रहा है।

सिंगापुर के केन उकावा ने कहा, भारत में सेमीकंडक्टर का बिजनेस भले ही अभी छोटा है, लेकिन उम्मीद है कि मोदी के विजन से यह बहुत जल्द बहुत बड़ा हो जाएगा। भारत में पहली बार इस तरह का इवेंट हो रहा है। दुनिया के अलग-अलग देशों से कंपनियां आई हैं। यह प्रभावित करने वाला है। जर्मन कंपनी विस्को टेक के प्रतिनिधि अधिकारी राहुल ने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के राज में कानून व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ है, जिसके कारण विदेशी कंपनियां भी निवेश के लिए उत्तर प्रदेश आ रही हैं। हमारी कंपनी लगातार साल दर साल यहां निवेश बढ़ा रही है।

पिनेटिक्स के अलंकार ढोब्ले ने कहा, यूपी में निवेश करना अब बहुत अच्छा हो गया है, क्योंकि सरकार यहां जिस तरह सुविधाएं उपलब्ध करा रही है वह निवेश बढ़ाने के लिहाज से बहुत अच्छा कदम है।

योगी जी ने जिस तरह सहयोग का भरोसा दिया है, उससे निवेशकों में उत्साह है, जो राज्य में निवेश बढ़ाने को लेकर काफी कारगर साबित होगा।

सेमीकंडक्टर उद्योग के पुरोधाओं ने मोदी विजन को सराहा

ग्रेटर नोएडा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। भारत अब दुनिया में केवल ग्लोबल लीडर ही नहीं, बल्कि मार्केट की सबसे प्रमुख जरूरत यानी सप्लाई चेन की दिशा में भी दिग्गज बनने की ओर तेजी से बढ़ चला है। आज पूरी दुनिया भारत को न केवल सेमीकंडक्टर विनिर्माण के क्षेत्र में अग्रणी बनते देखना चाहती है बल्कि वैश्विक सप्लाई चेन में उसकी प्रमुख भूमिका को लेकर न केवल आश्वस्त है बल्कि इसके लिए सभी तरह के समन्वय के लिए भी प्रतिबद्ध है। बुधवार को ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में आयोजित सेमीकॉन इंडिया 2024 में शिरकत करते हुए सेमीकंडक्टर सेक्टर के ग्लोबल लीडर्स ने इन्हीं विषयों पर सबसे ज्यादा फोकस किया। साथ ही, पूरी दुनिया को ग्रोथ के लिए 'मोदी लॉ' पर फोकस करने की नसीहत दी। ये मोदी लॉ दरअसल पीएम मोदी की नीतियां हैं जो किसी भी इंडस्ट्री के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में एक्सपोनेंशियल ग्रोथ के अवसर हैं और पीएम मोदी का विजन इस पर ही सबसे ज्यादा फोकस करता है। इसी बात को ग्लोबल लीडर्स ने सबसे ज्यादा सराहा और प्राथमिकता दी।

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में ग्लोबल कोलैबोरेशन की दिशा में काम करने ग्लोबल एसोसिएशन सेमी के प्रेसीडेंट व सीईओ अजीत मनोचा ने कहा कि यह अकल्पनीय होने के साथ अद्भुत है। सेमीकॉन कई देशों में आयोजित हो चुके हैं मगर भारत में यह पहला संस्करण है और अन्य देशों की तुलना में यह चार से पांच गुना ज्यादा बड़ा आयोजन है। यह भारत की अनप्रेसिडेंटेड कैपेबिलिटीज को दर्शाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी सीईओ व बिजनेस लीडर्स इस बात पर सहमत हैं कि भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण व सप्लाई चेन को बढ़ावा मिलना चाहिए। यह भारत की लीडरशिप और विजन के कारण हो सका जिसने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। हमें मोदी लॉ की बात करनी होगी। मोदी लॉ एक्सपोनेंशियल ग्रोथ पर फोकस करता है। हमें इस विजन को सच बनाना होगा क्योंकि यह न केवल भारत, न केवल विश्व बल्कि पूरी मानवता की उन्नति का मार्ग है। सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में होने वाली उपलब्धि पूरे इंडस्ट्री सेक्टर में उपलब्धियों के द्वार खोलने का आधार बनती हैं।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के सीईओ डॉ. रणधीर ठाकुर ने कहा कि पीएम मोदी ने देश के पहले कमर्शियल फैब का धोलेरा गुजरात व देश की पहली इंडीजीनियर्स ओसीइएट इंडस्ट्री का जागीरोड असम में फाउंडेशन स्टोन रखा। यह दोनों प्रोजेक्ट भारत सरकार से रिकॉर्ड समय के अंदर स्वीकृत हुए जिसने एक बेंचमार्क स्थापित किया है। यह भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के अंतर्गत संभव हुआ। चिप कंडक्टर के निर्माण से हजारों सोफेस्टिकेटेड सेमीकंडक्टर पार्टनर की जरूरत होती है जो टीम की तरह काम करती है।

कुल 11 महत्वपूर्ण घटकों के जरिए चिप निर्माण पूरा होता है जिसमें डिजाइन, सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर व लॉजिस्टिक्स महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत सरकार की पहल से ये सभी जरूरी 11 इकोसिस्टम के प्रतिनिधि कार्यक्रम में सम्मिलित हैं जो एक बड़ी उपलब्धि है। हम सभी पार्टनर के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें साथ मिलकर टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम की तरह मिलकर कार्य करना होगा। यह पीएम मोदी के ग्लोबल रीच, विजन व सेमीकंडक्टर मिशन के कारण ही संभव हो पाया है। टाटा ही देश में स्टील इंडस्ट्री लेकर आई थी और अब हम देश में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। इस प्रक्रिया से हम पचास हजार रोजगार उपलब्ध कराने में सक्षम हो सकेंगे। प्रत्येक सेमीकंडक्टर रिलेटेड जॉब अपने साथ 10 अन्य रोजगार के अवसरों का माध्यम भी बनेगा। यही समय है सही समय है, भारत का अनमोल समय है।

एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर व सीईओ कर्ट सीवर्स ने कहा कि एंबीशन,ट्रस्ट व कोलैबोरेशन वह तीन एट्रीब्यूट्स हैं जिनके जरिए सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में सफलता का मार्ग सुनिश्चित होता है। ये स्प्रिंट नहीं मैराथन है। पचास सालों से हमारी भारत में उपस्थिति है और पिछले कुछ वर्षों में हुआ बदलाव अकल्पनीय है। यह भारत को इकॉनमी के लिहाज से बहुत सम्रद्ध व ताकतवर बना रहा है। इनोवेशन, डेमोक्रेसी और ट्रस्ट वो मैजिक मंत्र है जिसपर चलकर देश के उद्योग प्रगति करते हैं। हम भारत में हैं, भारत के साथ हैं और प्रतिबद्ध हैं।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ऑटोमोटिव सेमीकंडक्टर कंपनी व विश्व की सबसे बड़ी माइक्रोकंट्रोलर सप्लायर के रूप में प्रसिद्ध रेनेसां इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन के प्रेसिडेंट व सीईओ हितोशी शिबाता ने कहा कि रेनेसा इलेक्ट्रॉनिक्स जापान, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इंबेडेड सेमीकंडक्टर सॉल्यूशंस प्रोवाइडर हैं। हमें भारत में पहला प्लांट लगाने में सफलता मिली है। हम बेंगलुरु, दिल्ली, नोएडा व हैदराबाद में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहे हैं। दुनिया का पहला 300 मिलीमीटर कमर्शियल सेमीकंडक्टर पाथ हमने ही बनाया था। हमें सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी की जटिलताओं की अच्छे से जानकारी है। हम भारत के इस सपने को साकार करने में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और मोदी लॉ को वास्तविकता बनाने पर कार्य करेंगे।

सेमीकंडक्टर्स के क्षेत्र में दुनिया के सबसे बड़े रिसर्च एंड डेवलपमेंट हब के तौर पर प्रसिद्ध आईमैक के प्रेसिडेंट व सीईओ, लूकवॉडन हॉल ने कहा कि हम भारत की सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को बूस्ट करने के लिए तैयार है। आईमैक स्ट्रैटिज साझेदारी के लिए तैयार है। यह केवल भारत नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए जरूरी है क्योंकि एक रिलायबल सप्लाई चेन चाहिए जिसकी कमी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के तौर पर भारत के अलावा कौन प्रस्तुत कर सकता है।

अयोध्या सामूहिक दुष्कर्म मामला

योगी ने पीड़ित परिवार को दी पांच लाख की आर्थिक सहायता

अयोध्या, 11 सितंबर (एजेंसियां)। खंडासा थाना क्षेत्र के एक गांव में हुए सामूहिक दुष्कर्म की पीड़िता को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। स्थानीय विधायक अमित सिंह चौहान ने पीड़िता के घर पहुंच कर परिजनों को पांच लाख रुपये का चेक सौंपा। इस दौरान पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि पवन सिंह, तहसीलदार मिल्कीपुर प्रदीप कुमार सिंह आदि मौजूद रहे। पीड़िता के परिवार की बीते दिनों मुख्यमंत्री से लखनऊ में मुलाकात हुई थी। सीएम ने उच्चाधिकारियों को अपराधियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई का निर्देश दिया था। साथ ही आर्थिक सहायता करने का भी आश्वासन दिया था। स्थानीय विधायक अमित सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री ने कहा था अगर किसी भी चीज की जरूरत होगी तो तुरंत पूरा किया जाएगा।

झांसी की मूंगफली का बजेगा देश दुनिया में डंका

झांसी को मूंगफली क्लस्टर के रूप में विकसित किया जाएगा

झांसी, 11 सितंबर (एजेंसियां)। झांसी अपने सॉफ्ट टॉयज के लिए देश दुनिया में मशहूर है। योगी सरकार ने इसे जिले का ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) बनाकर इसकी ख्याति और बढ़ा दी। अब जो काम सॉफ्ट टॉयज पर हुआ है वही योगी सरकार झांसी की मूंगफली को लेकर करने जा रही है। विश्व बैंक की मदद से चलाई जा रही यूपी:एग्रीज योजना के तहत झांसी को मूंगफली क्लस्टर के रूप में विकसित करने की योजना है। ऐसा हुआ तो झांसी की मूंगफली न सिर्फ देश के प्रमुख बाजारों में उपलब्ध होगी,बल्कि विदेशों खासकर दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में इसका निर्यात हो सकेगा।

बहुपयोगी होने के नाते पिछले एक दशक में उत्तर प्रदेश के किसानों ने मूंगफली की खेती के प्रति रुचि भी दिखाई है। इसका असर प्रति हेक्टेयर, प्रति किलोग्राम उत्पादन पर पड़ा है। साथ ही मूंगफली के रकबे में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। यूपी एग्रो के जरिए योगी सरकार बुंदेलखंड के किसानों के हित में इसका अधिकतम लाभ उठाएगी। डायरेक्टर ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टेट मिनिस्ट्री ऑफ एग्रीकल्चर एंड फार्मर वेलफेयर के 2013/2014 से 2015/2016 के एवरेज के अनुसार भारत में प्रति हेक्टेयर मूंगफली की उपज 1542 किलोग्राम थी। इसकी तुलना में उत्तर प्रदेश की उपज मात्र 809 किलोग्राम थी। उस समय देश के के कुल 4.93 मिलियन हेक्टेयर रकबे पर मूंगफली की खेती होती थी। तब टोटल रकबे में उत्तर प्रदेश का योगदान सिर्फ 2 फीसद था। करीब एक दशक में हालात तेजी से बदले हैं। इस दौरान उत्तर प्रदेश में मूंगफली का का रकबा बढ़कर करीब 4.7 फीसद हो गया। यह वृद्धि ढाई गुना से अधिक की है।

उल्लेखनीय है कि देश में सर्वाधिक मूंगफली का उत्पादन गुजरात में होता है। यहां करीब 20 लाख हेक्टेयर में देश के कुल उत्पादन का 47 फीसद मूंगफली होती है। इसके बाद राजस्थान और तमिलनाडु का नंबर आता है। मूंगफली उत्पादन में इन राज्यों की हिस्सेदारी क्रमशः 16 और 10 फीसद है।

जहां तक उपज की बात है तो देश में प्रति हेक्टेयर उपज 1542 से बढ़कर 1688 किग्रा हो गई। किसानों के इसी रुझान और बहुउपयोगी मूंगफली की स्थानीय बाजार और इंडोनेशिया, वियतनाम, थाईलैंड, मलेशिया, फिलीपींस आदि दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में इसकी मांग को देखते हुए सरकार विश्व बैंक की मदद से यूपी एग्रो योजना के तहत झांसी को मूंगफली के क्लस्टर के रूप में विकसित करना चाहती है।

मूंगफली में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स होते हैं, जो हृदय स्वास्थ्य, पाचन तंत्र और वजन प्रबंधन में मदद करते हैं। मूंगफली का तेल निकाला जाता है। इसका उपयोग खाना पकाने और सौंदर्य उत्पादों में किया जाता है। मूंगफली के तेल में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ई होता है। इसलिए यह स्किन और बालों के लिए फायदेमंद है। प्रोटीन और ऊर्जा का बेहतर स्रोत होने की वजह से इसका उपयोग पशु आहार में भी किया जाता है। कच्ची मूंगफली को उबालकर, खाते हैं। सुखाकर भुनी मूंगफली खाना तो आम है। इससे पीनेट चीज और बटर भी बनती है। करी, चटनी, सलाद और स्नैक्स के रूप में भी मूंगफली का उपयोग होता है। इसके छिलके का उपयोग ईंधन के रूप में भी होता है। कुछ कंपनियां इसे प्रति किलोग्राम की दर से खरीद भी लेती हैं। इस तरह किसानों को मूंगफली के साथ उसके छिलके के भी दाम मिलेंगे। सरकार को अनुमान है कि इसकी एक्स फैक्ट्री प्राइस प्रति किलोग्राम 5 रुपए तक होगी।

पहले निवेश आता नहीं था, आज निवेश की कतार लगी है : योगी

सीएम योगी और केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने की साझा प्रेस कांफ्रेंस

ग्रेटर नोएडा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। सेमीकॉन इंडिया 2024 के उद्घाटन के अवसर पर सीएम योगी और केंद्र सरकार के आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मिनिस्टर अश्वनी वैष्णव ने साझा प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश के बदले हुए परसेप्शन का जिक्र करते हुए कहा कि 2017 के पहले जहां उत्तर प्रदेश में कोई निवेश नहीं करना चाहता था, वहीं आज उत्तर प्रदेश के बदले हुए परसेप्शन के कारण यहां निवेश के ढेर लगे हैं। आज उत्तर प्रदेश में कानून का राज है। निवेश के अनुकूल नीतियां हैं। व्यापार के अनुरूप वातावरण है। इसके चलते आज हर कोई उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आना चाहता है।

2017 के पहले और 2017 के बाद के उत्तर प्रदेश में अंतर को स्पष्ट करते हुए सीएम योगी ने कहा कि 2017 में जब हम इन्-वेस्टर्स समिट की प्लानिंग कर रहे थे तो हमें कहा गया कि सिर्फ 20 हजार करोड़ रुपए तक का ही निवेश संभव हो सकेगा। हालांकि, पिछले साल हमें ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव मिला। इसमें से इसी वर्ष फरवरी माह तक हमने 10 लाख करोड़ रुपए तक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने में सफलता प्राप्त की है। यह बदले हुए उत्तर प्रदेश के वर्क कल्चर को दिखाता है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को निवेश के अनुकूल राज्य बनाने के लिए विगत सात वर्ष में सभी ने काफी मेहनत की है। आज हम निवेशकों की प्रत्येक समस्याओं का निश्चित समय में समाधान करते हैं। ऑनलाइन पोर्टल निवेश मित्र के जरिए निवेश की प्रक्रिया को सबसे आसान बनाया गया है। पहले भी सिंगल विंडो सिस्टम की बात की जाती थी, लेकिन हमने इसे गंभीरता से लागू किया।

आज किसी भी निवेशक को अपने इंसेंटिव्स के लिए परेशान नहीं होना पड़ता। ऑनलाइन ही सारे काम हो जाते हैं। सीएम योगी ने कहा कि यूपी में सेमी कंडक्टर पॉलिसी 2024 को हमने लागू किया है। इसके माध्यम से हम निवेशकों की राह को आसान बना रहे हैं।

17 सितंबर से दो अक्टूबर पूरे प्रदेश में चलेगा स्वच्छता अभियान

लखनऊ, 11 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नगर विकास विभाग आगामी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में स्वच्छता अभियान चलाने जा रहा है। राष्ट्र को स्वच्छता का संदेश देने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 155वें जन्मदिवस के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत समस्त नगरीय निकायों में 155 घंटे का नॉन-स्टॉप सफाई अभियान चलाकर श्रद्धांजलि दी जाएगी। 15 दिवसीय यह अभियान दैनिक आधार पर थीम आधारित आईईसी गतिविधियों के माध्यम से संपन्न कराया जाएगा।

नगर विकास विभाग को मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान प्रदेश के सभी शहरों को स्वच्छ रखा जाए। इस बार स्वच्छता ही सेवा वर्ष-2024 अभियान की थीम स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता है। स्वच्छता की भागीदारी के अंतर्गत मंत्रिगण, जनप्रतिनिधियों, अधिकारीगणों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं व स्कूल कॉलेजों द्वारा विभिन्न स्थलों पर श्रमदान करते हुए साफ-सफाई का आयोजन किया जाएगा। युवाओं की भागीदारी एवं स्वच्छता की जागरूकता के लिए विभिन्न आईईसी कार्यक्रम कराए जाएंगे। आईईसी कार्यक्रम के तहत प्लॉगरन, मैराथन, साईक्लॉथान, पौधरोपड़, जीरो वेस्ट इवेंट के साथ ही स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के सदस्यों द्वारा वार्डों में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। यह भी बताया गया कि वर्तमान में लगभग 5000 स्वच्छ सारथी क्लब प्रदेश में स्थापित किये गये हैं। विभिन्न अभियानों के माध्यम से क्लबों की सहभागिता कराई जाएगी। स्कूल परिसरों को प्लास्टिक मुक्त, शिक्षण संस्थानों के परिसर की साफ-सफाई तथा छात्रों को स्वच्छता की प्रतिज्ञा दिलाई जाएगी।

संपादकीय

पैरा खिलाड़ी भी महानायक

पेरिस पैरालंपिक खेल महाकुंभ, 2024 भी सम्पन्न हुआ, लेकिन भारत के लिए यादगार बन गया। भारतीय पैरा खिलाडियों ने कीर्तिमानों, उपलब्धियों और पदकों के 'अभूतपूर्व अध्याय' रच दिए। 2020 के टोक्यो पैरालंपिक में भारत ने 5 स्वर्ण पदक समेत कुल 19 पदक हासिल किए थे, लेकिन इस बार 10 अधिक पदक जीते हैं। ये खिलाड़ी सामान्य प्राणी नहीं हैं। वे दिव्यांग हैं, आधे-अधूरे और असहाय हैं, लेकिन उनके भीतर करिश्मों वाला कोई फरिश्ता मौजूद है। विकलांग होने के बावजूद उन्होंने दिव्यता के साथ सफलताएं अर्जित की हैं, नतीजतन भारत पहली बार 20 शीर्ष देशों की जमात में शामिल हुआ है। पेरिस पैरालंपिक में भारत 7 स्वर्ण, 9 रजत, 13 कांस्य पदक, यानी कुल 29 पदक जीत कर 18वें स्थान पर रहा है। चुनौतियां और मुकाबले पैरा खिलाडियों के लिए भी उतने ही कांटेदार थे, जितने सामान्य अंगी, सशक्त, मजबूत ओलंपिक खिलाडियों के लिए थे, लेकिन ओलंपिक में झोली 'स्वर्णहीन' रही, एक रजत और 5 कांस्य, यानी कुल 6 पदक ही हम जीत सके और 71वें स्थान पर रहे। हमने उस प्रदर्शन का भी अभिनंदन किया और देश भर में खिलाडियों के सम्मान किए गए। करोड़ों के इनाम घोषित किए गए। भारत ने अपने खिलाडियों को सिर-आंखों पर बिठाना सीख लिया है। हालांकि सफलता, उपलब्धियों और राष्ट्रीय सम्मान की आपसी तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन पैरालंपिक में निशानेबाज अवनी लेखरा और भाला फेंक में सुमित अंतिल की दोहरी स्वर्णिम उपलब्धि को नजरअंदाज कैसे किया जा सकता है? दोनों टोक्यो पैरालंपिक के चैम्पियन थे और इस बार भी चैम्पियन बने हैं। सुमित ने 70.59 मीटर की दूरी तक भाला फेंक कर विश्व रिकॉर्ड भी कायम किया है। वह नीरज चोपड़ा का ही संस्करण लगता है। इसी श्रेणी में तीरंदाजी में हरविन्दर सिंह, बैडमिंटन में नितेश कुमार, ऊंची कूद में प्रवीण कुमार, क्लब थ्रो में धर्मबीर और छोटे कद वाले, भाला फेंक खिलाड़ी नवदीप सिंह ने स्वर्णिम सफलताएं हासिल कर सोचने को बाध्य कर दिया है कि ये दिव्यांग खिलाड़ी देश के 'महानायक' क्यों नहीं हैं? वे भी 'तिरंगाधारक' और 'जन गन मन..' की वैश्विक गूंज हैं। वे ओलंपिक पदकवीरों की तरह लोकप्रिय और राष्ट्रीय सम्मान के पात्र क्यों नहीं हैं? उनकी सार्वजनिक पहचान ऐसी क्यों नहीं है कि उन्हें भी 'कौन बनेगा करोड़पति' जैसे लोकप्रिय मंचों पर आमंत्रित कर सम्मानित किया जाए? कमोबेश देश देखे कि किन योद्धाओं ने विकलांगता से लड़ कर अंतरराष्ट्रीय गौरव हासिल किया है और भारत के मस्तक पर तिलक किया है! भारत दिव्यांग-मैत्री वाला देश नहीं है। यहां के सार्वजनिक जीवन में दिव्यांगों की सुविधा के लिए बुनियादी ढांचा बहुत कम है। 'दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार वाला कानून' 2016 में पारित किया जा चुका है। उसमें विशेष प्रावधान था कि पांच वर्षों में सार्वजनिक स्थलों को दिव्यांग-मित्र बनाया जाए, लेकिन इसका क्रियान्वयन संतुष्टि से कोसों दूर है। केंद्र सरकार ने बजट भी कम कर दिया है। हैरत है कि निजी भवन और परिवहन प्रणाली, महानगरों और मेट्रो शहरों में भी, इस कानून को मानने को तैयार नहीं है। पैरा खिलाडियों ने इस व्यवस्था को भी सबक सिखाने का काम किया है। 2016 में हमने पैरालंपिक खेलों में शिरकत करना शुरू किया था। उससे पहले 2012 के लंदन और 2016 के रियो ओलंपिक खेलों में भारत को क्रमशः मात्र एक पदक और 3 पदक ही नसीब हुए थे। अत्यंत निराशापूर्ण और अपमानजनक दौर था। 2016 में पैरालंपिक में हमने 2 स्वर्ण समेत 4 पदक जीते थे, लिहाजा उम्मीद की किरण दिखाई दी, तो पहली बार प्रधानमंत्री मोदी ने पैरा खिलाडियों को अपने आवास पर आमंत्रित किया और मुलाकात कर बहुत कुछ समझने की कोशिश की। देश में विश्व स्तरीय पैरा खिलाडियों की चैम्पियनशिप शुरू कराई गई। नई प्रतिभाएं सामने आईं। नए प्रशिक्षक भी ट्रेंड किए गए। पैरा खिलाडियों के मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण पर भी खासा ध्यान दिया जाने लगा। कई तरह के सहयोग दिए जाने लगे। बुनियादी ढांचा भी काफी बेहतर हुआ है।

भारतीय पैरा खिलाडियों ने कीर्तिमानों, उपलब्धियों और पदकों के 'अभूतपूर्व अध्याय' रच दिए। 2020 के टोक्यो पैरालंपिक में भारत ने 5 स्वर्ण पदक समेत कुल 19 पदक हासिल किए थे, लेकिन इस बार 10 अधिक पदक जीते हैं। ये खिलाड़ी सामान्य प्राणी नहीं हैं। वे दिव्यांग हैं, आधे-अधूरे और असहाय हैं, लेकिन उनके भीतर करिश्मों वाला कोई फरिश्ता मौजूद है। विकलांग होने के बावजूद उन्होंने दिव्यता के साथ सफलताएं अर्जित की हैं, नतीजतन भारत पहली बार 20 शीर्ष देशों की जमात में शामिल हुआ है। पेरिस पैरालंपिक में भारत 7 स्वर्ण, 9 रजत, 13 कांस्य पदक, यानी कुल 29 पदक जीत कर 18वें स्थान पर रहा है। चुनौतियां और मुकाबले पैरा खिलाडियों के लिए भी उतने ही कांटेदार थे, जितने सामान्य अंगी, सशक्त, मजबूत ओलंपिक खिलाडियों के लिए थे, लेकिन ओलंपिक में झोली 'स्वर्णहीन' रही, एक रजत और 5 कांस्य, यानी कुल 6 पदक ही हम जीत सके और 71वें स्थान पर रहे।

अमेरिकी प्रेस ने विवेकानंद को उस धर्म संसद की महानतम विभूति बताया था

स्वामी विवेकानंद जिनमें सब कुछ सकारात्मक है नेगेटिव कुछ भी नहीं

डॉ. पवन सिंह

नरेंद्र नाथ दत्त, जिन्हें पूरा विश्व विवेकानंद के नाम से याद करता है। 11/9 क्यों याद किया जाना चाहिए, क्योंकि उस दिन भारत के एक युवा सन्यासी ने पश्चिम के सूट-बूट वालों को बौना साबित किया था। क्योंकि उस दिन सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर स्थापित किया गया था। सितंबर 11 को न्यूयार्क के लिए नहीं, शिकागो के लिए याद किया जाना चाहिए। विध्वंस के लिए नहीं विश्व शांति के लिए याद किया जाना चाहिए। आतंकवाद के लिए नहीं, सनातन संवाद के लिए याद किया जाना चाहिए।लादेन के लिए नहीं, नरेंद्र के लिए याद किया जाना चाहिए। शब्दों के जादूगर : विवेकानंद के संवाद का ये जादू शब्दों के पीछे छिपी चिर –पुरातन भारतीय संस्कृति, सभ्यता, अध्यातम व उस युवा के त्यागमय जीवन का था। जो शिकागो से निकला व पूरे विश्व में छा गया।

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ व्याख्यानों में से एक, स्वामी विवेकानंद जी के भाषण की तारीख 11 सितंबर। क्या था वो भाषण जिसने अमेरिका को नहीं पूरे पश्चिम को भारत का मुरीद बना दिया। नरेंद्र नाथ दत्त, जिन्हें पूरा विश्व विवेकानंद के नाम से याद करता है। 11/9 क्यों याद किया जाना चाहिए, क्योंकि उस दिन भारत के एक युवा सन्यासी ने पश्चिम के सूट-बूट वालों को बौना साबित किया था। क्योंकि उस दिन सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर स्थापित किया गया था। सितंबर 11 को न्यूयार्क के लिए नहीं, शिकागो के लिए याद किया जाना चाहिए। विध्वंस के लिए नहीं विश्व शांति के लिए याद किया जाना चाहिए। आतंकवाद के लिए नहीं, सनातन संवाद के लिए याद किया जाना चाहिए।लादेन के लिए नहीं, नरेंद्र के लिए याद किया जाना चाहिए। शब्दों के जादूगरः विवेकानंद के संवाद का ये जादू शब्दों के पीछे छिपी चिर –पुरातन भारतीय संस्कृति, सभ्यता, अध्यातम व उस युवा के त्यागमय जीवन का था। जो शिकागो से निकला व पूरे विश्व में छा गया। उस भाषण को आज भी दुनिया भुला नहीं पाती। इस भाषण से दुनिया के तमाम पंथ आज भी सबक ले सकते हैं। इस अकेली घटना ने पश्चिम में भारत की एक ऐसी छवि बना दी, जो आजादी से पहले और इसके बाद सैकड़ों राजदूत मिलकर भी नहीं बना सके। स्वामी विवेकाननंद के इस भाषण के बाद भारत को एक अनोखी संस्कृति के देश के रूप में देखा जाने लगा। अमेरिकी प्रेस ने विवेकानंद को उस धर्म संसद की महानतम विभूति बताया था। और स्वामी विवेकानंद के बारे में लिखा था, उन्हें सुनने के बाद हमें महसूस हो रहा है कि भारत जैसे एक प्रबुद्ध राष्ट्र में मिशनरियों को भेजकर हम कितनी बड़ी मूर्खता कर रहे थे। यह ऐसे समय हुआ, जब ब्रिटिश शासकों और ईसाई मिशनरियों का एक वर्ग भारत की अवमानना और पाश्चात्य संस्कृति की श्रेष्ठता साबित करने में लगा हुआ था।

चिर पुरातन नित्य नूतन के वाहकः अतीत को पढ़ो, वर्तमान को गढ़ो और आगे बढ़ो यही विवेकानंद जी का मूल संदेश रहा। जो समाज अपने इतिहास एवं वांग्मय की मूल्यवान चीजों को नष्ट कर देता है, वह निष्प्राण हो जाते हैं और यह भी सत्य है कि जो समाज इतिहास में ही डूबे रहते हैं, वह भी निष्प्राण हो जाते हैं। वर्तमान समय में तर्क और तथ्य के बिना किसी भी बात को सिर्फ आस्था के नाम पर आज की पीढ़ी के गले नहीं उतारा जा सकता।

भारतीय ज्ञान को तर्क के साथ प्रस्तुत करने पर पूरी दुनिया आज उसे स्वीकार करती हुई प्रतीत भी हो रही है। विवेकानंद ने 11 सितंबर 1893 शिकागो भाषण में इस बात को चरितार्थ भी करके दिखाया था। जहां मंच पर संसार की सभी जातियों के बड़े – बड़े विद्वान उपस्थित थे। डॉ. बरोज के आह्वान पर 30 वर्ष के तेजस्वी युवा का मंच पर पहुंचना। भाषण के प्रथम चार शब्द 'अमेरिकावासी भाइयों तथा बहनों' इन शब्दों को सुनते ही जैसे सभा में उत्साह का तूफान आ गया और 2 मिनट तक 7 हजार लोग उनके लिए खड़े होकर तालियाँ बजाते रहे। पूरा सभागार करतल ध्वनि से गुंजायमान हो गया।

युवा दिलों की धड़कनः- उम्र महज 39 वर्ष, अपनी मेधा से विश्व को जीतने वाले, युवाओं को अंदर तक झकझोर कर रख देने वाले, अपनी संस्कृति व गौरव का अभिमान विश्व पटल पर स्थापित करने वाले स्वामी विवेकानंद जिनमें सब कुछ सकारात्मक है नेगेटिव कुछ भी नहीं। कल्पना कीजिए विवेकानंद के रुप में उस एक नौजवान की। गुलामी की छाया न जिसके विचार में थी, न व्यवहार में थी और न वाणी में थी। भारत माँ की जागृत अवस्था को जिसने अपने भीतर पाया था। ऐसा एक महापुरुष जो पल- दो पल में विश्व को अपना बना लेता है। जो पूरे विश्व को अपने अंदर समाहित कर लेता है। जो विश्व को अपनत्व की पहचान दिलाता है और जीत लेता है। वेद से विवेकानंद तक, उपनिषद से उपग्रह तक हम इसी परंपरा में पले बढ़े हैं। उस परंपरा को बार-बार स्मरण करते हुए, सँजोते हुए भारत को एकता के सूत्र में बांधने के लिए सद्भावना के सेतु को जितना बल हम दे सकते हैं, उसे देते रहना होगा।

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनीः विवेकानंद के जीवन को पढ़ने से ही रोंगटे खड़े हो जाते है। कैसे एक बालक विवेकानंद, योद्धा सन्यासी विवेकानंद के रुप में पूरे विश्व की प्रेरणा बन गया। स्वामी विवेकानंद का सम्पूर्ण जीवन बहुआयामी व्यक्तित्व और कृतित्व का धनी रहा है। हमारे आज के जो सरोकार हैं, जैसे शिक्षा, भारतीय संस्कृति का सही रूप, व्यापक समाज सुधार, महिलाओं का उत्थान, दलित और पिछड़ों की उन्नति, विकास के लिए विज्ञान की आवश्यकता, सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों की आवश्यकता, युवकों के दायित्व, आत्मनिर्भरता, स्वदेशी का भाव, भारत का भविष्य आदि। भारत को अपने पूर्व गौरव को पुनः प्राप्त व स्थापित करने के लिए, समस्याओं के निदान के लिए स्वामी विवेकानंद के विचारों का अवगाहन करना होगा।

भारत बोध की प्रेरणाः दुनिया में लाखों-करोड़ों लोग उनके विचारों से प्रभावित हुए और आज भी उनसे प्रेरणा प्राप्त कर रहे हैं। सी राजगोपालाचारी के अनुसार "स्वामी विवेकानंद ने हिन्दू धर्म और भारत की रक्षा की"। सुभाष चन्द्र बोस के कहा "विवेकानंद आधुनिक भारत के निर्माता हैं"। महात्मा गाँधी मानते थे कि 'विवेकानंद ने उनके देशप्रेम को हजार गुना कर दिया । स्वामी विवेकानंद ने खुद को एक भारत के लिए कीमती और चमकता हीरा साबित किया है। उनके योगदान के लिए उन्हें युगों और पीढ़ियों तक याद किया जायेगा'। जवाहर लाल नेहरु ने 'डिस्कवरी ऑफ़ इंडिया' में लिखा है- "विवेकानंद दबे हुए और उत्साहहीन हिन्दू मानस में एक टॉनिक बनकर आये और उसके भूतकाल में से उसे आत्मसम्मान व अपनी जड़ों का बोध कराया"। कुल मिलाकर यदि यह कहा जाए कि स्वामी विवेकानंद आधुनिक भारत के निर्माता थे, तो उसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। यह इसलिए कि स्वामीजी ने भारतीय स्वतंत्रता हेतु भारतवासियों के मनों में एक स्वाभिमान का माहौल निर्माण किया। आज के समय में विवेकानंद के मानवतावाद के रास्ते पर चलकर ही भारत एवं विश्व का कल्याण हो सकता है। वे बराबर युवाओं से कहा करते थे कि हमें ऐसे युवकों और युवतियों की जरूरत है जिनके अंदर ब्राह्मणों का तेज तथा क्षत्रियों का वीर्य हो।

दृष्टि कोण

यौन शोषण-अपराध की गिरफ्त में मौलिवुड

मलयालम फिल्म उद्योग में यौन उत्पीडऩ के मामले अब भी थम नहीं रहे हैं। शोषण, अत्याचार के अनेक सनसनीखेज मामलों के सार्वजनिक होने से केरल की फिल्म इंडस्ट्री में भूचाल सा आ गया है। मौलिवुड में मलयाली के एक और अभिनेता जयसूर्या के विरुद्ध एक अभिनेत्री ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। इससे पूर्व मशहूर एक्टर सिद्दीकी को हाल में एक हीरोइन के साथ दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पहला मामला फिल्म निर्देशक रंजीत का आया जिसमें बंगाल की एक्ट्रेस ने उन पर दुष्कर्म का आरोप लगाया। उपरोक्त सभी मामलों में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला इतना गंभीर है कि सिद्दीकी को एसोसिएसन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स के महासचिव पद से हाथ धोना पड़ गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए ऐसे सभी मामलों की जांच अब एसआईटी को सौंप दी गई है। जस्टिस के. हेमा कमेटी रिपोर्ट को केरल की एलडीएफ सरकार ने जारी किया जिसमें महिला अभिनेत्रियों के साथ हो रहे अत्याचार का ब्योरेवार वर्णन है। रिपोर्ट में साफ शब्दों में जिक्र है कि केरल फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं का काम करने का उचित माहौल नहीं है। वर्ष 2017 में गठित कमेटी ने 2019 को राज्य सरकार को रिपोर्ट सौंपी, किन्तु अगस्त 2024 में राज्य सरकार ने इसे सार्वजनिक किया। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि विजयन सरकार फिल्म इंडस्ट्री और सेक्स रैकेट माफिया के चंगुल में है। एफआईआर तो शोर को कम करने के लिए है। दागियों को जिस तरह सरकार बचा रही है, यह शर्मनाक है। रिपोर्ट में साफ-साफ उल्लेख है कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ यौन शोषण के अतिरिक्त शारीरिक उत्पीडऩ भी किया जाता है। उसी को एक्ट्रेस के रूप में मौका दिया जाता है जो शारीरिक सम्बन्ध बनाने को तैयार हो। उसे बहुत कम धन राशि दी जाती है। इनकार करने पर स्थापित एक्ट्रेस को जान से मारने की धमकी के साथ ब्लेकमेलिंग भी की जाती है। इसके उलट जो 'सहयोग' करने से इनकार करती है, उसे कभी अवसर नहीं दिया जाता। अश्लीलता को फिल्मों में खूब परोसा जा रहा है और उस आड़ में सेक्स रैकेट के साथ ड्रग्स का हजारों करोड़ का धंधा फल-फूल रहा है। अभिनेत्रियों से कम कपड़े और अश्लील हरकतों को शूटिंग में करने को कहा जाता है। सफल तारिका की अब यही पहचान बन गई है। आयोग की आंतरिक शिकायत समिति ने साफ शब्दों में कहा है कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं को कार्य नहीं करना चाहिए। आयोग ने चिंता जाहिर की है कि ऐसे अपराधों की थानों में प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा रही है और बहुत दबाव में शिकायत दर्ज कर ली गई तो गिरफ्तारी कभी होती नहीं है। फिल्म इंडस्ट्री की आड़ में सरकार की शह पर घिनौने धंधे चल रहे हैं। बढ़ती किरकिरी के कारण एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट के अध्यक्ष और मशहूर अभिनेता मोहन लाल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हालांकि उनका कार्यकाल 2027 तक था। जगदीश और आर. जयन सहित कई पदाधिकारियों को लोक लाज के कारण इस्तीफा देना पड़ा। विशेष जांच टीम के राडार पर कई नामचीन फिल्मी हस्तियों के अतिरिक्त सत्तारूढ़ दल के पदाधिकारी भी शामिल हैं। ऐसे में 'मैनेज' के चक्कर में गिरफ्तारी की हरी झंडी न मिलना लोकतंत्र को शर्मसार कर रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अफसर ने कहा कि किसी का कुछ नहीं बिगड़ेगा। यह जांच दल रिपोर्ट केवल भरमाने का तरीका है। जनरोष को मद्देनजर रखते हुए भाजपा और कांग्रेस ने माकपा विधायक सह अभिनेता एम. मुकेश के इस्तीफे की मांग की है। विदित है कि 17 फरवरी 2017 को कोच्चि में एक सुप्रसिद्ध नायिका का पहले अपहरण हुआ, फिर चलती कार में सामूहिक दुष्कर्म हुआ। पीड़िता की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद मुख्यमंत्री पिनार्याई विजयन ने केरल हाईकोर्ट की सेवानिवृत जज के. हेमा की अध्यक्षता में कमेटी का गठन कर दिया। रिपोर्ट तो आ गई, किन्तु दोषी कौन? सजा किस-किस को मिलेगी, इत्यादि प्रश्न तो अनुत्तरित हैं। सात वर्षों बाद आई रिपोर्ट भी लगता है मामले को शांत करने और लीपापोती के लिए है। तभी तो फिल्म इंडस्ट्री पोर्न इंडस्ट्री के रूप में तब्दील हो गया। सरकार के कई मंत्री-विधायक इस काले धंधे में संलिप्त हैं, इसलिए यह रिपोर्ट शोपीस बन कर रह गई। आश्चर्यजनक तथ्य है कि 31 दिसंबर 2019 को कमेटी ने सरकार को रिपोर्ट सौंपी, किन्तु इसे लगभग पांच वर्षों तक जानबूझ कर रोके रखा। इसे जारी कराने के लिए जब सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी गई तो संस्कृति विभाग ने गोपनीयता का हनन होना बताकर देने से इनकार कार दिया। हाईकोर्ट में भी याचिकाओं के जरिये रोकने का प्रयास किया गया। अंततः राज्य सूचना आयोग के हस्तक्षेप और कोर्ट के आदेश के बाद रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जा सका। कास्टिंग काउच साफ-साफ दिखता है।

कुछ अलग

ऑडिट पैरा

अक्सर मंत्रालयों का काम होता है कि अपनी समस्याओं की फुटबॉल को सेफ किक के ज़रिए क्षेत्रीय कार्यालयों के आंगन में डाल देना। बेचारे क्षेत्रीय कार्यालयों के पास गले पड़े इन ढोलों को बजाने के अलावा कोई चारा नहीं होता। अक्सर मंत्रालय इतने ढीठ होते हैं कि जिन कार्यों को उन्होंने स्वयं निपटाया होता है, उनका ऑडिट पैरा उठने पर भी वे उनके निपटान के लिए फुटबॉल फील्ड या क्षेत्रीय कार्यालयों के किचन में उछाल देते हैं। वित्तीय वर्ष 2010-11 के दौरान दिल्ली में एक मंत्रालय ने चैम्बर ऑव इण्डियन इंडस्ट्री के सहयोग से प्रवासी भारतीय दिवस मनाया। ज़ाहिर हैं जब प्रवासी भारतीय देश आए हों तो उनके स्वागत में कोई कमी कैसे रह सकती थी। मंत्रालय ने उनका स्वागत पान पराग से किया या नहीं, इसका तो पता नहीं, पर विज्ञापन और प्रसार शीर्ष के तहत उनके लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा लंच और डिनर का आयोजन किया गया। आयोजन के प्रस्तावित व्यय में 1500 आदमियों के भाग लेने की संभावना थी। पर मंत्रालय को जो फाइनल बिल आया था, उसमें केवल 1025 लोगों के भाग लेने की पुष्टि थी। प्रतिभागियों की संख्या में भारी अन्तर होने के बावजूद प्रस्तावित व्यय और अन्तिम बिल में कोई अन्तर न था। ऐसे में इस पैरे को ऑडिट में उठने से कौन रोक सकता था। इसे केवल मंत्रालय द्वारा ऑडिट के दौरान ऑडिट कर्मियों के सही सत्कार से ही रोका जा सकता था, जिसमें कोताही होने पर एक दशक बीत जाने के बाद भी यह ऑडिट पैरा अमर बेल की तरह भारतीय नौकरशाही के जंगल में सिर उठाए खड़ा था। समय बीतने के साथ मंत्रालय को लगा कि विज्ञापन और प्रसार शीर्ष को देश के एक कोने में स्थापित क्षेत्रीय कार्यालय स्थानातंरित कर देना चाहिए। लिहाज़ा साल 2018-19 के दौरान विज्ञापन और प्रसार शीर्ष को क्षेत्रीय कार्यालय में फैंक दिया गया। लेकिन आज भी मंत्रालय को जब किसी आयोजन के लिए इस शीर्ष के तहत धन की आवश्यक्ता होती है, तो वह प्रस्ताव को क्षेत्रीय कार्यालय में भेज देता है। ख़र्चा मंत्रालय करता है, लेकिन क्षेत्रीय कार्यालय न केवल फंड जारी करता है, बल्कि उसका हिसाब-किताब भी रखता है। मंत्रालय अपने इस क़दम की सफलता से प्रोत्साहित होकर इसी तरह की कई अन्य योजनाएं क्षेत्रीय कार्यालय में स्थानातंरित कर चुका है। कुल मिलाकर मंत्रालय के पास अब मंत्री की सेवा के अलावा क्षेत्रीय कार्यालय को हडक़ाने का काम बाक़ी रह गया है। तेरह साल तक लटकने के बाद भी जब यह ऑडिट पैरा सैटल नहीं हुआ और एक दोपहर जब ऑडिट विभाग से पुनः इस आशय का पत्र प्राप्त हुआ तो मंत्रालय में इस गंभीर समस्या पर कान्फ्रेंस हॉल में सेक्रेटरी की अध्यक्षता में आयोजित मीटिंग में गंभीर चर्चा हुई। चर्चा के दौरान हाई टी का मज़ा लेते हुए किसी ने सुझाया कि अब तो विज्ञापन और प्रसार शीर्ष मंत्रालय के पास नहीं, क्षेत्रीय कार्यालय के पास है। क्यों न इस ऑडिट पैरा को भी वहीं खिसका देना चाहिए। वही जवाब दे। इस पैरा को क्षेत्रीय कार्यालय में खिसकाने की इतनी जल्दी थी कि किसी ने भी नहीं सोचा कि जो आयोजन 2011 में दिल्ली में मंत्रालय ने करवाया था, उसका जवाब क्षेत्रीय कार्यालय क्यों दे। आनन-फानन में कवरिंग लैटर बना कर क्षेत्रीय कार्यालय को ई-मेल टिका दी गई। मंत्रालय से चि_ी आने पर क्षेत्रीय कार्यालय के कान खड़े होना स्वाभाविक था। मंत्रालय के सडियल कुत्ते को भी फील्ड या क्षेत्रीय कार्यालयों में बब्बर शेर की इज़्ज़त दी जाती है। क्षेत्रीय सचिव से लेकर नीचे तक सभी अधिकारी अलर्ट हो गए। सम्बन्धित सैक्टर हैड को ताक़ीद हुई कि तुरन्त इसका जवाब बनाया जाए। सैक्टर हैड पहले तो सकपकाया। भले मैदान अलग थे, लेकिन वह भी मंत्रालय के अधिकारियों की तरह मंझा हुआ कलाकार था।

देश दुनिया से

बेटियां देने में अब घबरा रहा भगवान

महिलाओं के साथ बढ़ती हुई यौन उत्पीडऩ की घटनाओं पर भारतवर्ष के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने दु:ख एवं चिंता प्रकट की है। इस गंभीर समस्या के हल के लिए राजनीतिज्ञों, कानूनविदों, धार्मिक गुरुओं, शिक्षाविदों और महिला संगठनों को इक_ बैठ कर रणनीति तैयार करने की आवश्यकता है ताकि महिलाओं के प्रति बढ़ते यौन उत्पीडऩ पर चारों तरफ से प्रहार किया जा सके। इसके लिए राजनीतिक इच्छा शक्ति बहुत ही आवश्यक है। हाल ही में महिलाओं पर हुए यौन उत्पीडऩ के मामलों से पता चलता है कि महिलाओं के प्रति पुरुषों की क्रूर भावना है, जिसने उनका जीवन दूभर कर दिया है।

भारत में हर दिन 90 बलात्कार की घटनाएं होती हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्षों के मुकाबले रेप के मामलों में 13.23 प्रतिशत वृद्धि हुई है। हाल ही में महिलाओं और बच्चियों के यौन उत्पीडऩ से निपटने के लिए कड़े कानून बनाए गए हैं, परंतु इसके बावजूद रेप और हत्याओं की रफ्तार तेजी पकड़ रही है। यह चिंता का विषय है। महिलाओं के साथ बढ़ती हुई यौन उत्पीडऩ की घटनाओं पर भारतवर्ष के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने दुःख एवं चिंता प्रकट की है। इस गंभीर समस्या के हल के लिए राजनीतिज्ञों, कानूनविदों, धार्मिक गुरुओं, शिक्षाविदों और महिला संगठनों को इक_ बैठ कर रणनीति तैयार करने की आवश्यकता है ताकि महिलाओं के प्रति बढ़ते यौन उत्पीडऩ पर चारों तरफ से प्रहार किया जा सके। इसके लिए राजनीतिक इच्छा शक्ति बहुत ही आवश्यक है। हाल ही में महिलाओं पर हुए यौन उत्पीडऩ के मामलों से पता चलता है कि महिलाओं के प्रति पुरुषों की क्रूर भावना है, जिसने उनका जीवन दूभर कर दिया है। 29 अप्रैल 2024 को कर्नाटक के जनता दल (एस) सुप्रीमो एवं पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के विधायक बेटे एचडी रेवन्ना व सांसद पौत्र प्रज्वल रेवन्ना के विरुद्ध उनकी घरेलू सहायिका ने यौन शोषण और ब्लैकमेल करने की शिकायत पुलिस में दर्ज करवाई। 22 मई 2024 को केरल पुलिस की अपराध शाखा ने पेरूंवेबूर के विधायक एवं कांग्रेस नेता एल्धोस कुन्नापल्ली तथा उनके 2 साथियों के विरुद्ध एक महिला के साथ कई बार बलात्कार और हत्या की कोशिश के आरोप में आरोपपत्र दाखिल किया। 09-08-2024 को कोलकाता में महिला डाक्टर की रेप के बाद हत्या कर दी गई जिसमें कोर्ट ने पुलिस की कारगुजारी पर अप्रसन्नता जताई। 17 अगस्त 2024 को मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) के एक अस्पताल के डाक्टर शाहनवाज ने एक नर्स को बंधक बनाकर उसके साथ बलात्कार कर डाला। 18 अगस्त 2024 को किश्तवाड़ में 15 वर्षीय नाबालिग से बलात्कार के विरुद्ध क्षेत्र में आक्रोश भडक़ उठा। 18 अगस्त 2024 को कृष्णगिरि (तमिलनाडू) जिले के एक प्राइवेट स्कूल में 13 छात्राओं के यौन शोषण का मामला सामने आने पर प्रिंसिपल समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया। 18 अगस्त 2024 को जोधपुर (राजस्थान) के एक मंदिर के बाहर बैठी 3 वर्षीय बच्ची को अज्ञात युवक ने अपनी हवस का शिकार बनाया। 16 अगस्त 2024 को जिला हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) के एक स्कूल में छात्रा ने एक शिक्षक पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए। 24 अगस्त 2024 को कोयंबटूर के एक स्कूल में सातवीं, आठवीं तथा नौवीं कक्षा की 9 छात्राओं के यौन शोषण के आरोप में नटराजन नामक एक अध्यापक को तथा स्कूल के हैडमास्टर और क्लास टीचर को गिरफ्तार किया गया। 22-8-24 को असम में 14 वर्षीय नाबालिग लडक़ी के साथ गैंगरेप हुआ। इस लडक़ी के साथ तीन लोगों ने रेप किया। 28-08-2024 को मलयालम फिल्मों के अभिनेता सिद्दीकी पर एक अभिनेत्री द्वारा यौन उत्पीडऩ के आरोप लगाए जाने के बाद उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। 31-08-2024 को दिल्ली में 14 वर्षीय लडक़े ने 5 वर्षीय बच्ची का यौन उत्पीडऩ किया। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में 30 दिसंबर 2023 को सुनने और बोलने में अक्षम 17 वर्षीय लडक़ी के साथ 45 वर्षीय पड़ोसी ने दुष्कर्म किया। हाल ही में हिमाचल प्रदेश से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर जारी हुए आंकड़ों से भी कुछ हैरान कर देने वाले तथ्य सामने आए हैं जिसमें खुलासा हुआ कि दुराचारियों को न तो उम्र का ख्याल है, न रिश्तों का। दुराचारी खून के रिश्तों की लाज भी नहीं रख रहे हैं। इन आंकड़ों के अनुसार 2022 में प्रदेश में 359 मामलों में 99 प्रतिशत जान-पहचान के थे। 31 मामलों में दुराचारी खून के रिश्ते के थे। 103 मामलों में पारिवारिक मित्र, पड़ोसी और साथी कर्मचारियों ने महिलाओं की इज्जत पर हाथ डाला। 221 मामले ऑनलाइन दोस्ती और दोस्तों के थे। हिमाचल में 2022 में 6 साल से कम की 10 बच्चियों, 6 से 12 साल की 22, 12 से 16 साल की 95, 16 से 18 साल उम्र की 96, कुल 359 में से 223 नाबालिग थी। 18 साल से ऊपर 136 महिलाएं रेप की शिकार हुईं। एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफॉम्र्स के अनुसार देश में 151 वर्तमान सांसदों और विधायकों ने अपने चुनावी हल्फनामों में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों से संबंधित मामलों की जानकारी दी है। 25 सांसदों और विधायकों के साथ पश्चिम बंगाल शीर्ष पर है। भाजपा के सर्वाधिक 54 सांसदों और विधायकों पर महिलाओं से जुड़े मामले हैं। जब कोई राजनीतिक पार्टी किसी रेप के केस में सजा भुगत रहे अपराधी को पार्टी के लिए वोट या पार्टी की सहायता करने के लिए पैरोल पर बार-बार जेल से बाहर भेजती है या सजा को कम कर जेल से रिहा कर दिया जाता है तो यह राजनेता-अपराधी-पुलिस गठबंधन जनता में गलत संदेश देता है। इसी तरह गुजरात में भी बहुत से लोगों को जेलों से छोड़ दिया जो 2002 में रेप और मर्डर के केसों में संलिप्त थे।

आप का नजरिया

पर्यटन की दुकान

पर्यटन तेरे नाम अनेक, लेकिन तेरे आसरे एक बड़ी दुकान चल सकती है। पर्यटन हमेशा हिमाचल की नीतियों, बजट की रीतियों तथा व्यापार की खूबियों में रहा है। एक समय ऐसा था जब सारा दारोमदार हिमाचल पर्यटन विकास निगम के कंधों पर था और तब डाक बंगलों के निखार में कुछ सरकारी होटल आ गए अवतार में। इसी दौर में पड़ोसी हरियाणा की टूरिज्म डिवेलपमेंट कार्पोरेशन ने हाईवे टूरिज्म की सौगात से सारी सडक़ों को चिन्हित कर दिया। राजस्थान ने सांस्कृतिक व धरोहर पर्यटन को अपना नाम दे दिया। गुजरात अपनी ऋतुओं से आगे निकल कर इवेंट हो गया और इसी तरह केरल के बैक वाटर और कहीं उत्तराखंड व गुजरात के जंगलों में शेर-चीते सैलानियों को रिझाने लगे, लेकिन हम केवल पर्यटन को चारा डालते रहे। अगर कश्मीर अपनी दृश्यावलियों के भीतर अशांति से भयभीत न होता, तो शायद ही किसी पर्यटन के काबिल अपना प्रदेश होता। हम पर्यटन को चारा समझते रहे, सिर्फ एक परियोजना या बिना किसी प्राथमिकता और विमर्श के इसे सियासत में जोतते गए, नतीजतन सरकारी होटलों की इमारतों के भीतर घाटे का प्रबंध होने लगा। खैर निजी क्षेत्र समझा तो निवेश ऐसा सिर चढ़ बोला कि डलहौजी चप्पे-चप्पे पर कांप गया, मकलोडगंज का सूरज होटलों में छुप गया तथा मनाली पर्यटन को भीड़ बनाकर खुद को कोसने लगी। कमाया होगा रोहतांग की बर्फ ने या कुफरी की ढलानों ने, मगर वहां प्रकृति ने जो खोया, वह पर्यटन था ही नहीं। भले ही हम सैलानियों की गिनती में दो करोड़ का आंकड़ा छूने वाले हैं, लेकिन पर्यटन की मिलकीयत में पहाड़ सा अजूबा है कहां। आज भी हम सोच रहे हैं कि प्रदेश की प्राकृतिक या मानव निर्मित झीलों को सैरगाह बनाएंगे, वहां पर्यटन का शिकारा चलाएंगे, मगर पौंग में बाथू की लड़ी और बिलासपुर में डूबे मंदिर आज भी रुलाएंगे। क्या हमने उत्तराखंड जैसी कोई फूलों की घाटी खोज ली, क्या हमने सैलानियों को बुलाने के बहाने बढ़ा लिए। पर्यटन को सीजन बनाकर हमने अपनी संभावनाओं को चार महीनों की मनमाफिक कैद दे दी, लेकिन साल के शेष आठ महीने जाया कर दिए। अगर पर्यटक के दिन और महीने बढ़ाने हैं, तो सबसे पहले पहले पर्यटन डेस्टिनेशन को सीमांत जिलों मसलन ऊना, बिलासपुर, सिरमौर, सोलन व प्रमुख धार्मिक स्थलों पर स्थापित करना होगा। हमने अटल टनल को हाल ही में पर्यटक डेस्टिनेशन तो बना दिया, लेकिन सुरंग को छूकर सैलानी अगर मनाली को ही भर रहे, तो हमारी पर्यटन योजना का ट्राइब कब लाहौल-स्पीति में बसेगा। हमने मंदिरों को श्रद्धालु माना, लेकिन गिनती में पर्यटक गिना। हम मंदिर आय को संपत्ति नहीं मानते, इसलिए आठ सौ करोड़ के सोने को जमा रखते हैं। अगर इतने ही सोने से गोल्ड लोन लेकर आठ-दस धार्मिक नगरियां बना दें, तो तीर्थाटन के रास्ते पर पर्यटन आर्थिकी का सिंह द्वार बना सकते हैं। इसी तरह प्रदेश के मेलों, सांस्कृतिक समारोहों तथा विभिन्न आयोजनों से इवेंट्स पर्यटन को आमंत्रित कर सकते हैं। विडंबना यह है कि कानवेंशन टूरिज्म के नाम पर हम एक भी केंद्र विकसित नहीं कर पाए।

रूस के कजान में ब्रिक्स साहित्य सम्मेलन में साहित्य अकादमी के अध्यक्ष-सचिव कर रहे भारत का प्रतिनिधित्व

कजान, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

रूस के कज़ान शहर में बुधवार को ब्रिक्स साहित्य समारोह-2024 का शुभारंभ हुआ। सम्मेलन का आधिकारिक उद्घाटन कज़ान के मेयर इल्सूर मेटशिन ने किया। 14 सितंबर तक चलने वाले इस आयोजन में भारत का प्रतिनिधित्व साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक और सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव कर रहे हैं।

डॉ. श्रीनिवासराव ने मीडियाकर्मियों को बताया कि ब्रिक्स साहित्य समारोह-2024 का विषय है- 'नई वास्तविकता में विश्व साहित्य: परंपराओं, राष्ट्रीय मूल्यों और संस्कृतियों का संवाद।' यह सम्मेलन ब्रिक्स देशों के लेखकों, कवियों, दार्शनिकों, कलाकारों और विद्वानों का संगम है। समारोह में माधव कौशिक ने आज की दुनिया में साहित्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साहित्य किस तरह दुनिया भर के विभिन्न समाजों के बीच एकता और सहयोग को बढ़ावा देता है।

समारोह में 'भारत के लेखकों से मिलें' शीर्षक से एक अन्य कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। इसका विषय था- वोल्गा से गंगा तक- परंपरा और बहुसंस्कृतिवाद का उत्सव। इसके संचालक एवगेनी अब्दुल्लाव थे। इस सत्र में डॉ. श्रीनिवासराव ने कहा कि कैसे दुनिया भर में नदी आधारित संस्कृतियों ने बहुसंस्कृतिवाद को बढ़ावा दिया तथा किस प्रकार बहुसंस्कृतिवाद सामाजिक प्रगति और एकता स्थापित करने में सहायक होती है। माधव कौशिक ने भारत और रूस के पारंपरिक साहित्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे उनमें कई सांस्कृतिक मूल्य समाहित हैं।

न्यूज ब्रीफ

शक्तिशाली चक्रवात 'यागी' ने बरपाया कहर, 141 लोगों की मौत, कई हुए बेघर

हनोई। वियतनाम में शक्तिशाली चक्रवात 'यागी' जमकर कहर बरपा रहा है। चक्रवात 'यागी' के कारण इतनी बारिश हुई कि वियतनाम के उत्तरी क्षेत्र में बाढ़ आ गई। यागी चक्रवात के बाद आई बाढ़ में अब तक 16 लोगों की मौत की खबर है जबकि कई लापता हैं। बाढ़ के हालातों के कारण हजारों लोग अपने घरों की छतों पर फंसे नजर आए। वहीं बाढ़ में 16 लोगों की मौत के साथ मरने वालों की संख्या बुधवार को बढ़कर 141 हो गई है, जबकि बड़ी संख्या में लोग अभी लापता हैं। लोगों के मुताबिक चक्रवात 'यागी' के कारण इतनी भारी बारिश हुई है कि दशकों में पहली बार ऐसी बाढ़ आई है। इससे रेड नदी पूरे उफान पर है। नदी के किनारे पूरी तरह से जलमग्न हो गए हैं, इससे वहां रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि लाओ काई प्रांत में पहाड़ से बहते बाढ़ के पानी से यहां लैंग नू गांव तबाह हो गया। इस गांव में 35 परिवार रहते थे। बाढ़ के बाद बचावकर्मियों ने यहां 16 लोगों के शव बरामद किए हैं जबकि करीब 40 लोगों की तलाश जारी है। उत्तरी वियतनाम में इस तूफान के कारण रेड नदी पर बना एक पुल भी ढह गया जिससे कई बाइक और कार नदी में गिर गए। पुल के गिरने का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस घटना के बाद 13 लोग लापता बताए जा रहे हैं जबकि बचाव कर्मी बचाव अभियान में लगे हुए हैं। तूफान 'यागी' दशकों में वियतनाम में आने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान है।

दो जानवरों से कोविड-19 से भी खतरनाक वायरस आने का संदेह

बीजिंग। एक हालिया स्टडी में चीन को लेकर खाने और पारंपरिक चिकित्सा के लिए पाले जाने वाले दो जानवरों से कोविड-19 से भी खतरनाक वायरस आने का संदेह जताया गया है। दावा किया गया कि आमतौर पर फर के लिए पाले जाने वाले रैकून कुत्ते और मिंक में कई वायरस पाए गए हैं, जिनमें से कुछ मानव लोगों की हैल्थ के लिए काफी ज्यादा डेंजर पैदा कर सकते हैं। साल 2021 से 2024 के बीच चीन में यह रिसर्च की गई। जिसके बाद यह निष्कर्ष निकाला गया कि ये जानवर उभरते रोगजनकों के भंडार के रूप में काम कर सकते हैं। इसकी वजह से संभावित रूप से नई महामारी फैल सकती है। बताया गया कि चीन में फर फ़ार्म पर बीमारी के कारण मृत पाए गए 461 अलग-अलग जानवरों के नमूने एकत्र किए। इन जानवरों में मिंक, रैकून कुत्ते, लोमड़ी, गिनी पिग और खरगोश शामिल थे। इन जानवरों के फेफड़ों, आंतों और अन्य अंगों के टिशूज की जांच की, जिसमें 125 अलग-अलग तरह के वायरस सामने आए। दावा किया गया कि इन 125 वायरस में से 36 नए दम नए थे। वैज्ञानिकों की चिंता का कारण यह है कि चीन में इस स्टडी के दौरान कुल 39 ऐसे वायरस पाए गए, जिन्हें हाई-रिस्क की कैटेगिरी में रखा गया है। कहा गया कि इन वायरसों के लोगों के अलावा अन्य प्रजातियों में संक्रमित होने का भी खतरा है। जिन वायरस का पता चला है उनमें गिनी पिग, मिंक और मस्करैट्स में इन्फ्लूएंजा ए वायरस के कई प्रकार पाए गए।

सीमा विवाद सुलझाने में नाकाम रहे पीएम मोदी : राहुल गांधी

वाशिंगटन। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका में हैं। यहां अलग अलग मुद्दों पर अपनी बात रख रहे हैं। उनके बयानों पर भारत में सियासी घमासान भी मच रहा है। बीते रोज राहुल ने कहा कि चीन ने लद्दाख में दिल्ली के बराबर जमीन पर कब्जा कर लिया है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुछ और ही बात करते हैं। वाशिंगटन डीसी में नेशनल प्रेस क्लब में मंगलवार को बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा चीनी सैनिकों ने लद्दाख में दिल्ली के बराबर जमीन पर कब्जा कर लिया है और मुझे लगता है कि यह एक आपदा है। मीडिया इसके बारे में लिखना पसंद नहीं करता। यदि किसी पड़ोसी ने उसके 4,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया तो अमेरिका की क्या प्रतिक्रिया होगी। क्या कोई राष्ट्रपति यह कहकर बच पाएगा कि उसने इसे अच्छे से संभाला है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि नरेंद्र मोदी ने चीन को बिल्कुल भी अच्छे से संभाला है। मुझे कोई कारण नहीं दिखता कि चीनी सैनिक हमारे क्षेत्र में क्यों बैठे रहें। यह आपदा है। इसके अलावा पाकिस्तान और बांग्लादेश पर भी राहुल गांधी ने अपनी बात रखी।

अमेरिका की प्रेसिडेंशियल डिबेट में रूस-यूक्रेन, इजराइल-हमास की गूंज

दोनों उम्मीदवारों में हुई तीखी तकरार कभी कमला तो कभी ट्रंप पड़े भारी

वाशिंगटन, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप ने बहुप्रतीक्षित प्रेसिडेंशियल डिबेट (बहस) में मंगलवार रात एक-दूसरे पर आरोपों के तीखे वार चलाए। दोनों का पहली बार आमना-सामना हुआ।

दोनों ने देश के सामने विदेश नीति, अर्थव्यवस्था, सीमा सुरक्षा और गर्भपात जैसे गंभीर विषयों पर अपनी बात रखी। घरेलू मद्दों से गुजरती हुई यह बहस रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल-हमास संघर्ष पर जा टिकी। दोनों में तीखी तकरार हुई। ट्रंप ने कमला के सवाल पर बाइडेन प्रशासन की विफलता पर बोलना शुरू कर दिया। इस पर कमला हैरिस ने टोका, आप बाइडेन के खिलाफ चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। इस बहस में कभी कमला भारी पड़ती दिखीं तो कभी ट्रंप। मंच पर आते ही उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप से हाथ मिलाया। और फिर अगले 90 मिनट तक आपराधिक दोषसिद्धि और कोविड से निपटने के तरीके को लेकर उनकी आलोचना की। दिलचस्प यह है कि अमेरिका के इतिहास में पिछले आठ साल से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों की तरफ से हाथ नहीं मिलाया गया। सुश्री हैरिस ने कहा, यह पन्ना पलटने का समय है।

बोलीं-अगर आप राष्ट्रपति होते तो-मतदान से ठीक आठ सप्ताह पहले हुई इस बहस में कमला हैरिस ने प्रतिद्वंद्वी ट्रंप की तरफ इशारा करते हुए कहा कि अगर आप राष्ट्रपति होते तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अब तक कीव में होते। आपको यह समझना होगा कि पुतिन

किसी के सगे नहीं। मौका मिलने पर वह आपको धोखा देने से नहीं चूकेंगे। उन्होंने कहा कि आप यह बताएं कि रूस युद्ध जीत जाए? इस अप्रत्याशित सवाल पर ट्रंप कुछ सकपका गए। संभलते हुए बोले- युद्ध रुकना चाहिए। यह जंग रुकना अमेरिका के हित में सबसे ज्यादा जरूरी है।

आप क्या हो, मुझे परवाह नहीं-कमला ने ट्रंप से सवाल किया कि आपने उनकी नस्लीय पहचान पर सवाल क्यों उठाया? पूर्व राष्ट्रपति ने जवाब दिया कि मुझे परवाह नहीं है कि आप क्या हैं। ट्रंप ने कहा कि मैंने कहीं पढ़ा था कि आप अश्वेत नहीं हैं। हैरिस ने कहा यह उनका अपमान है। आप नस्लीय मुद्दों के जरिए अमेरिकियों को विभाजित कर रहे हैं। मैं न बाइडेन हूं और न ही ट्रंप। मैं नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती हूं। इस पर ट्रंप बोले- वर्तमान सरकार विभाजनकारी है।

चुभते तीर, वाणी गंभीर-बहस की शुरुआत के बाद दोनों प्रतिद्वंद्वी ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप शुरू कर दिए। डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस ने ट्रंप पर आरोप लगाया कि वह हमारे लिए सबसे खराब अर्थव्यवस्था छोड़कर गए थे। कमला ने कहा कि वह मध्यम वर्ग परिवार से हैं। सिर्फ उनके पास ही अमेरिका के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की योजना है।

लोकतंत्र की दुहाई-बहस में ट्रंप ने मौजूदा बाइडेन सरकार पर आरोप लगाया कि देश में महंगाई का सबसे खराब दौर है। उन्होंने कई बार बाइडेन की चीन पॉलिसी पर कमला हैरिस पर निशाना साधा। कमला हैरिस ने भी ट्रंप पर चीन को लेकर तीखा तंज कसा। ट्रंप ने अपराध नियंत्रण पर बाइडेन प्रशासन के रिकॉर्ड पर हमला किया। इसका हैरिस ने जवाब दिया। बोलीं-यह टिप्पणी ऐसा व्यक्ति कर रहा है, जिस पर कई बार आपराधिक आरोप लगे। ट्रंप ने लगे हाथ 13 जुलाई की अपनी हत्या के प्रयास का जिक्र कर दिया। बोले-शायद मैंने उन बातों के कारण सिर पर गोली खाई। आप लोग मुझे लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हैं। असल में तो आप लोग ही लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।

कोई किसी से कम नहीं-इस बहस में दोनों किसी से कम नहीं रहे। कमला हैरिस ने कहा कि मैंने संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति के रूप में दुनिया की यात्रा की है। विश्व के नेता कहते हैं आप कलंक हैं। कमला ने गाजा में इजराइल-हमास युद्ध पर दो राज्य समाधान की वकालत की। ट्रंप ने कहा कि अगर वह राष्ट्रपति होते तो स्थिति ऐसी नहीं होती। उन्होंने कहा कि आप तो अरब आबादी से भी नफरत करती हैं। कमला हैरिस ने जवाब दिया कि आप यह गलत दावा कर रहे हैं। ट्रंप ने आव्रजन के मसले पर बाइडेन प्रशासन के रिकॉर्ड पर सवाल दागे। हैरिस ने जवाब दिया कि अब आप वही पुराना झूठ दोहरा रहे हैं। दोनों के बीच बहस के केंद्र में गर्भपात का मुद्दा भी उछला।

डिबेट के खत्म होने के फौरन बाद प्रसिद्ध गायिका टेलर स्विफ्ट ने इंस्टाग्राम पोस्ट में कमला हैरिस के समर्थन की घोषणा की। उनकी इस घोषणा से ट्रंप के प्रशंसक स्पेसएक्स के संस्थापक और टेस्ला कंपनी के सह संस्थापक एलन मस्क का पारा सातवें आसमान पर चढ़ गया। हुआ यह कि टेलर ने उपराष्ट्रपति हैरिस को समर्थन देते हुए खुद को 'चाइल्डलैस कैट लेडी' बताया। इस पर एलन मस्क ने तंज कसा। उन्होंने कहा, 'ठीक है टेलर। तुम जीती। मैं तुम्हें बच्चा भी दूंगा और जिंदगी भर तुम्हारी बिल्लियों की रक्षा भी करूंगा।' स्विफ्ट ने कहा, 'मैं राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस को वोट दूंगी। वह अधिकारों के लिए लड़ती हैं। उन्हें आगे बढ़ाने के लिए योद्धा की जरूरत है। वह स्थिर और प्रतिभाशाली नेता हैं।

मुइज्जू की भारत यात्रा से पहले दो मंत्रियों ने सौंपे अपने इस्तीफे

माले, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू बहुत जल्द भारत की आधिकारिक यात्रा करेंगे। इस ऐलान के बाद मुइज्जू सरकार में दो जूनियर मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया। इससे पहले जनवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों के लिए 3 मंत्रियों को निलंबित किया गया था। इनमें से मरियम शिउना और मालशा शरीफ ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय की मुख्य प्रवक्ता हीना वलीद ने बताया कि मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात होगी।

खबरों के मुताबिक, मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय की मुख्य प्रवक्ता हीना वलीद ने कहा कि मुइज्जू की भारत यात्रा की सटीक तारीख अभी तय नहीं हुई है। दोनों पक्ष ऐसी तारीख पर चर्चा कर रहे हैं, जो दोनों देशों के नेताओं के लिए सुविधाजनक हो। प्रवक्ता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''राष्ट्रपति का जल्द ही भारत जाने का कार्यक्रम है। जैसा कि आप जानते हैं, ऐसी यात्राएं ऐसे समय निर्धारित की जाती हैं, जो दोनों देशों के नेताओं के लिए अधिकतम सुविधाजनक हो। इस संबंध में चर्चा जारी है। चीन समर्थक रुख के लिए जाने जाने वाले मुइज्जू ने प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए 9 जून को नई दिल्ली की यात्रा की थी। पद संभालने के बाद सबसे पहले नई दिल्ली की यात्रा करने वाले अपने पूर्ववर्तियों के विपरीत मुइज्जू ने सबसे पहले तुर्किये की यात्रा की। जनवरी में अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर चीन पहुंचे थे। मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भारत के पड़ोसी और हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के प्रमुख शामिल हुए थे मुइज्जू ने तब कहा था कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी का निमंत्रण पाकर और उनके शपथग्रहण में शामिल होकर खुशी हुई। मुइज्जू ने स्वदेश लौटने के बाद अपनी पहली भारत यात्रा को मालदीव और क्षेत्र के लिए ''सफलता बताया था। उन्होंने कहा था कि दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों से मालदीव के लोगों के लिए समृद्धि बढ़ेगी।

नेपाल में डिप्टी स्पीकर के खिलाफ महाभियोग लाने का रास्ता साफ

काठमांडू। सत्तारूढ़ गठबंधन को प्रतिनिधि सभा के डिप्टी स्पीकर इन्दिरा राना मगर के खिलाफ महाभियोग लाने का रास्ता साफ हो गया।गठबंधन ने इसके लिए दो तिहाई सांसदों के हस्ताक्षर जुटा लिए हैं। विपक्ष भी एकजुट होकर इसका सामना करने की तैयारी कर रहा है। एक दिन पहले मंगलवार को सत्तारूढ़ गठबंधन की बैठक में डिप्टी स्पीकर को हटाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्णय के साथ संसद में नेपाली कांग्रेस और एमाले पार्टी के सांसदों ने डिप्टी स्पीकर से इस्तीफे की मांग की। इस पर न सिर्फ इंदिरा राना मगर की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने विरोध किया बल्कि उनके बचाव में माओवादी और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने भी सत्तारूढ़ दल पर सवाल खड़े किए। सत्तारूढ़ दल ने इस्तीफा न देने पर महाभियोग की चेतावनी दी थी।

ब्रिटेन की प्रिंसेस अब सार्वजनिक कार्यक्रमों में लेंगी हिस्सा

कैंसर से मुक्त रहना मेरी पहली प्राथमिकता : केट मिडलटन

लंदन, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

ब्रिटेन की राजकुमारी, प्रिंसेस ऑफ वेल्स केट मिडलटन की कीमोथेरेपी पूरी हो गई है इस साल के बाकी दिनों में सार्वजनिक कार्यक्रमों में प्रिंसेस का हल्का शेड्यूल बनाए रखने की योजना है। प्रिंसेस केट मिडलटन ने कहा कि कैंसर से मुक्त रहना अब मेरी पहली प्राथमिकता है, उन्होंने एक वीडियो मैसेज शेयर कर कहा कि करीब छह महीने बाद जब उन्हें कैंसर का पता चला है, जिसके बाद उनकी सेहत को लेकर कई प्रकार की अटकलें लगाई जा रही थीं।

उन्होंने कहा कि पिछले नौ महीने हमारे परिवार के लिए बहुत कठिन गुजरे। कैंसर की यात्रा जटिल, डरावनी और अप्रत्याशित होती है, विशेषकर उनके लिए जो आपके सबसे करीब होते हैं। विनम्रता के साथ, यह आपको आपके अपने कमजोरियों से उस प्रकार रूबरू कराती है जैसा आपने पहले कभी सोचा भी नहीं था, और इसके साथ जीवन के हर पहलू पर एक नई दृष्टि मिलती है।

प्रिंसेस केट आखिरी बार जुलाई में लंदन के ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस और क्रोकेट क्लब में विम्बलडन के पुरुष फाइनल में नजर आई थीं। इस वीडियो में केट ने उन सभी लोगों का आभार माना है जिन्होंने उन्हें और उनके परिवार को समर्थन दिया और कहा कि हालांकि मैंने कीमोथेरेपी पूरी कर ली है, मैं पूरी तरह स्वस्थ होने की यात्रा लंबी की है।

मैं काम पर लौटने और आने वाले महीनों में कुछ और सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेने की उम्मीद कर रही हूं जब भी संभव हो। प्रिंस विलियम की पत्नी और सिंहासन के उत्तराधिकारी, केट ने यह भी कहा कि उन्होंने नए आशा और जीवन के प्रति सराहना के साथ अपनी रिकवरी के एक नए स्टेप में प्रवेश किया है।

नेपाल के हाइड्रो पावर निर्माण के लिए जीएमआर ने दो सरकारी कंपनियों से किया समझौता

काठमांडू, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

नेपाल के 900 मेगावाट क्षमता वाली अपर कर्णाली जलविद्युत परियोजना के लिए वित्तीय संसाधन नहीं जुटा पाने के बाद भारत की निजी कंपनी जीएमआर ने भारत में ही दो अन्य कंपनियों के साथ एक समझौता किया है। इस हाइड्रो पावर परियोजना विकास के लिए निजी कंपनी जीएमआर ने भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (आईआरईडीए) और सतलज जलविद्युत निगम (एसजेवीएन) के साथ एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं।

आईआरईडीए के महाप्रबंधक एसके शर्मा, एसजेवीएन के महाप्रबंधक जीतेंद्र यादव और जीएमआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एसएन बर्डे ने सोमवार को नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। इरेडा निदेशक मंडल ने 16 जुलाई को नेपाल के अपर कर्णाली में निवेश को सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। हालांकि, अब तक इस परियोजना में जीएमआर, एसजेवीएन और आईआरईडीए की हिस्सेदारी का खुलासा नहीं किया गया है।

नेपाल सरकार ने जीएमआर को वित्तीय संसाधन जुटाने के लिए सिर्फ 186 दिन का समय दिया था। 25 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर होने के बाद जारी अंतरिम आदेश में जीएमआर को इसके बाद कोई भी समय नहीं दिए जाने की बात कही थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में कहा है कि यदि 6 महीने के भीतर वित्तीय संसाधन नहीं जुटाए जाते हैं तो जीएमआर को और अधिक समय नहीं दिया जा सकता है। आखिरी बार सरकार ने 15 जुलाई, 2022 को प्रोजेक्ट के वित्तीय प्रबंधन के लिए 2 साल की समय सीमा बढ़ाई थी। इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 3 नवंबर, 2022 को रिट पर सुनवाई करते हुए आखिरी बार 6 महीने से अधिक समय न बढ़ाने का आदेश दिया था।

जीएमआर को अपर कर्णाली से जुड़े हुए 16 साल हो गए हैं। परियोजना के निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई बातचीत में जीएमआर के प्रस्ताव को सबसे अच्छा माना गया था और 2008 में तत्कालीन सरकार और जीएमआर के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए थे। तब से लेकर अब तक इस परियोजना का काम शुरू नही हो पाया है। इस परियोजना पर चीन की भी नजर है और भारतीय कंपनी का ठेका रद्द कर खुद लेने के लिए लगातार सरकार पर दवाब बना रहा था। अक्टूबर, 2008 में निवेश बोर्ड और जीएमआर के बीच एक परियोजना विकास समझौते (पीडीए) पर हस्ताक्षर हुए थे। इसके मुताबिक नेपाल को 12 प्रतिशत बिजली मुफ्त में देने की बात उल्लेख किया गया था।

जो खुद जंग का सामान भेज रहे वो हमें ज्ञान न दें, ईरान की अमेरिका को दो टूक

तेहरान, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

ईरान के रूस को मिसाइल देने की रिपोर्ट्स पर ईरान ने दो टूक कहा है कि हम पर मिसाइल सप्लाई का आरोप वे लोग लगा रहे हैं जो युद्ध में एक पक्ष विशेष को सबसे अधिक हथियार देते रहे हैं। ईरान ने कहा है कि ईरान के रूस को मिसाइलें भेजने की रिपोर्ट 'मनोवैज्ञानिक युद्ध' है और ईरान किसी भी एक पक्ष का सपोर्ट नहीं करता है। जबकि, खुद अमेरिका की ओर से यूक्रेन को रूस-यूक्रेन युद्द में फाइटर जेट और मिसाइल दिए जाते रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्री ने कहा है हम पर आरोप लगाने वाले वे लोग हैं जो युद्ध के एक पक्ष के सबसे बड़े हथियार निर्यातकों में से हैं। ईरान ने फिर कहा कि तेहरान रूस यूक्रेन युद्ध का हिस्सा नहीं है। वहीं रूस ने कहा कि 'हमने यह रिपोर्ट देखी है, हर बार ऐसा नहीं होता कि इस तरह की जानकारी सच हो।

बता दें कि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान ने रूस को 200 फेथ-360 बैलिस्टिक मिसाइलें दी हैं। यूक्रेन और अमेरिका दोनों की ओर से भी इन रिपोर्ट्स को लेकर चिंता जता चुके है। सीनियर रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कमांडर फजलुल्लाह नोजारी का कहना है कि ईरान के रूस को मिसाइलें भेजे जाने की रिपोर्ट 'साइकलॉजिकल वॉर' है। नोजारी ने कहा, ईरान यूक्रेन-रूस संघर्ष में किसी भी पक्ष का समर्थन नहीं करता है।

लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में खुद रूस ने रिपोर्ट पर कुछ नहीं कहा है कि ईरान की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलें भेजी गई हैं या नहीं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा, हमने यह रिपोर्ट देखी है, हर बार ऐसी जानकारी सच नहीं होती। वहीं अमेरिकी मीडिया में छापा था कि मिसाइलों की आपूर्ति की जा रही है। यूरोपीय संघ ने भी दावे का समर्थन किया।

रूस पर यूक्रेन का अब तक का सबसे बड़ा हमला, 144 ड्रोन दागे

मॉस्को। यूक्रेन ने रूस पर अब तक का सबसे घातक ड्रोन हमला किया है। यूक्रेन ने मॉस्को सहित 8 प्रांतों को 144 ड्रोन से निशाना बनाया है। हमले में कई रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट के मुताबिक मॉस्को के आस-पास करीब 20 ड्रोन मार गिराए गए। हमले में दर्जनों घर नष्ट हो गए हैं। इस हमले के चलते मॉस्को और उसके आसपास के एयरपोर्ट्स से 50 से ज्यादा उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा है। रूसी अधिकारियों के मुताबिक मॉस्को के 4 में से 3 एयरपोर्ट्स को 6 घंटे से ज्यादा समय तक बंद रहना पड़ा। हमले में एक 46 वर्षीय महिला की मौत भी हो गई है। रूस ने अन्य 8 प्रांतों में 124 ड्रोन भी मार गिराए हैं।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी : मलेशिया को 8–1 हराकर भारत सेमीफाइनल में पहुंचा

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां) ।

युवा स्ट्राइकर राज कुमार पाल की हैट्रिक की मदद से गत चैंपियन भारत ने बुधवार को हीरो एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में मलेशिया को 8–1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। यह टूर्नामेंट में भारत की लगातार तीसरी जीत थी।

राज कुमार (तीसरे, 25वें और 33वें मिनट) के अलावा, अरिजीत सिंह हुंदल (छठे और 39वें मिनट), जुगराज सिंह (सातवें मिनट), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (22वें मिनट) और उत्तम सिंह (40वें मिनट) ने भारत के लिए गोल दागे। मलेशिया के लिए अखिमुल्लाह अनवार (34वें मिनट) ने एकमात्र गोल किया। भारत फिलहाल तीन जीत से नौ अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर है।

छह टीमों का यह टूर्नामेंट राउंड–रॉबिन प्रारूप में खेला जा रहा है और शीर्ष चार टीमें 16 सितंबर को सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जिसके बाद 17 सितंबर को फाइनल होगा। भारत ने टूर्नामेंट के पहले मैच में मेजबान चीन को 3–0 से हराया था, उसके बाद उसने जापान को 5–1 से हराया था। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत गुरुवार को कोरिया से भिड़ेगा, उसके बाद शनिवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ लीग मैच खेलेगा। इन दोनों टीमों के बीच आखिरी मैच 2023 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल था, जहां हाफ–टाइम तक भारत 1–3 से पीछे था। उस मैच में भारतीय टीम ने जोरदार वापसी की और 4–3 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया।

आज खेले गए मैच में भारतीय स्ट्राइकरों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और पांच फील्ड गोल और तीन पेनल्टी कॉर्नर बनाए, जिन्हें जुगराज, हरमनप्रीत और उत्तम ने गोल में बदला।

मलेशिया के खिलाफ, भारतीयों ने पहले क्वार्टर में लगातार हमलों के साथ आगे बढ़ना शुरू किया। और राज कुमार ने भारत को बढ़त दिलाने में देर नहीं लगाई, उन्होंने एक गोल किया, अविश्वसनीय स्टिकवर्क दिखाया और इस तरह मलेशियाई बैक–लाइन का मजाक उड़ाया।

तीन मिनट बाद, अरिजीत ने मलेशियाई पोस्ट के कोने को ढूंढकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। एक मिनट बाद, जुगराज ने एक शक्तिशाली ड्रैग–फ्लिक के साथ पेनल्टी कॉर्नर पर बेहतरीन गोल करके बढ़त को और मजबूत कर दिया। टीम पहले क्वार्टर में 3–0 की बढ़त के साथ आगे बढ़ी।

तीन गोल से पिछड़ने के बाद मलेशिया ने दूसरे क्वार्टर में आक्रामक शुरुआत की और जल्द ही एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति मज़बूत रही। भारत ने 22वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्रैग–फ्लिकर में से एक हरमनप्रीत ने शानदार फ्लिक के साथ मलेशियाई गोल में गेंद को डाला और बढ़त को और आगे बढ़ाया। कुछ मिनट बाद, राज कुमार ने अपना दूसरा गोल किया, जिसे अरिजीत और उत्तम ने सेट किया था और भारत ने हाफ–टाइम में 5–0 की बढ़त हासिल की। अंत में बदलाव के तीन मिनट बाद, राज कुमार ने सीनियर स्तर पर अपनी पहली हैट्रिक बनाई और भारत को 6–0 से आगे कर दिया। मैच के 34वें मिनट में अखिमुल्लाह ने गोल कर मलेशिया का खाता खोला और स्कोर 6–1 हो गया। 39वें मिनट में अरिजीत ने नीलकांत शर्मा के पास पर फील्ड गोल किया और फिर एक मिनट बाद, उत्तम ने पेनल्टी कॉर्नर से रिबाउंड पर गोल कर भारत को 8–1 से जीत दिला दी।

न्यूज ब्रीफ

क्रिकेट में हाथ आजमाने के बाद, विराट और धोनी के बराबर आए सैमसन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर संजू सैमसन मैदान से बाहर भी अपने पांव पसार रहे हैं। भारत के विकेटकीपर–बल्लेबाज अब केरल के फुटबॉल क्लब मलप्पुरम एफसी के को–ऑनर बन गए हैं। इस तरह वह विराट कोहली और एमएस धोनी की सूची में शामिल होकर उनके बराबर आ गए हैं। क्लब और संजू सैमसन ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी साझा की है। केरल फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित सुपर लीग केरल का उद्घाटन सत्र सात सितंबर को हुआ था, जिसमें संजू की टीम मलप्पुरम एफसी ने शुरुआती मैच में फोरा कोच्चि को 2–0 से हराया। टूर्नामेंट में कुल छह टीमें भाग ले रही हैं जिनमें मलप्पुरम एफसी, फोर्का कोच्चि, कन्नूर वारियर्स, कालीकट एफसी, तिरुवनंतपुरम कोम्बन्स और त्रिशूर मैजिक शामिल हैं। लीग सात सितंबर से दस नवंबर तक चलेगी और मैच केरल के चार अलग अलग जगहों पर खेले जाएंगे। विराट कोहली और एमएस धोनी के बाद फुटबॉल क्लब में हिस्सेदारी खरीदने वाले संजू सबसे कम उम्र के भारतीय क्रिकेटर हैं। कोहली इंडियन सुपर लीग क्लब एफसी गोवा के को–ऑनर हैं। वहीं धोनी चेन्नईयिन एफसी के सह–मालिक हैं। सैमसन के साथ बिस्मी ग्रुप के एमडी वी.ए. अजमल बिस्मी, डॉ. अनवर अमीन चेलट और बेबी नीलाम्बरा मलप्पुरम एफसी के सह–मालिक हैं। सैमसन मौजूदा समय में दलीप ट्रॉफी में खेल रहे हैं। बता दें सैमसन को आखिरी बार भारत के श्रीलंका दौरे पर देखा गया था, जहां उन्होंने तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली थी। वहां उनका प्रदर्शन खराब रहा था। वह लगातार दो बार जीरो पर आउट हो गए थे। अब देखना ये होगा कि बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए संजू सैसमन को चुना जाता है या नहीं। फिलहाल संजू फुटबॉल लीग में बिजी हैं।

रॉडिक पर हमेशा भारी पड़े फेडरर

लास एंजिल्स। स्विटजरलैंड के टेनिस स्टार रोजर फेडरर विश्व के एक महान खिलाड़ी हैं। फेडरर के नाम कई ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। आप से कई साल पहले अमेरिकी ओपन के फाइनल में एंडी रॉडिक के साथ उनका मुकाबला बेहद अहम रहा है। इसी के साथ ही फेडरर ने 9वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। यह मुकाबला फेडरर ने 6–2, 4–6, 7–5, 6–1 से जीत कर इतिहास रचा था। वहीं रॉडिक एक बार फिर खिताब के करीब आकर भी उसे हासिल नहीं कर पाये। इस मैच में फेडरर और रॉडिक ने पूरी ताकत लगा दी पर फेडरर के सामने अब वह नहीं टिक पाये। फेडरर और रॉडिक के बीच स्वाभाविक अंतर था। रॉडिक इस हार से एक बार फिर फेडरर के बराबर आने से रह गये। मैच के दौरान रॉडिक खुद को प्रेरित करते दिखे पर उनके प्रयास जीत नहीं दिला पाये। तीन साल बाद, 2009 में, इन दोनों के बीच विंबलडन का फाइनल भी रोमांचक इसमें चार घंटे से भी ज्यादा समय तक खेल हुआ। इसमें भी रॉडिक ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया पर अंत में जीत फेडरर को मिली। यह मैच भी रॉडिक के लिए खास रहा पर एक बार फिर फेडरर को मात देने में विफल रहे।

चहल का काउंटी में शानदार प्रदर्शन, फर्स्ट क्लास में 100 विकेट पूरे

नॉर्थम्पटन। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल ने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में शानदार गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचा है। चहल ने इंग्लिश काउंटी चैम्पियनशिप के डिवीजन दो मैच में नॉर्थम्पटनशर की ओर से खेलते हुए डर्बीशर के खिलाफ 45 रन देकर पांच विकेट लिए। ये तीसरी बार है जब चहल ने तीसरी बार फर्स्ट क्लास में पांच विकेट लिए हैं। इसी के साथ ही चहल ने फर्स्टक्लास क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे किए। चहल के लिए काउंटी क्रिकेट का यह सत्र काफी अच्छा रहा है। इस लेग स्पिनर ने पिछले महीने ही वन डे कप में केंट के खिलाफ 14 रन देकर पांच खिलाड़ियों को आउट किया था। नॉर्थम्पटनशर की जीत में चहल और रॉब केओघ की अहम भूमिका रही। केओघ ने 65 रन पर तीन विकेट लिए थे। इससे डर्बीशर की टीम 61.3 ओवर में 165 रन पर ही सिमट गयी। चहल की गेंदों का सामना करने में डर्बीशर के बल्लेबाजी असफल रहे। वेन मैडसेन को जिस तरह से चहल ने क्लीन बोल्ड किया।

पेरिस में इतिहास रच कर लौटे पीसीआई के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने कहा

पेरिस पैरालंपिक के बाद दुनिया ने मान लिया कि भारत स्पोर्टिंग कंट्री बन गया

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने कहा कि पेरिस पैरालिंपिक के बाद दुनिया ने ये मान लिया कि है कि भारत एक स्पोर्टिंग कंट्री बन गया है। भारतीय दल ने पेरिस में अपने पैरालिंपिक अभियान का समापन सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य सहित 29 पदकों के साथ किया। पैरालिंपिक के इतिहास में भारत द्वारा जीते गए 29 पदक सबसे अधिक हैं।

इस ऐतिहासिक अभियान के समापन के बाद, भारत ने टोक्यो 2020 पैरालिंपिक में हासिल किए गए 19 पदकों के अपने रिकॉर्ड को भी पार कर लिया। भारत ने इस मार्की इवेंट का समापन 18वें स्थान पर किया। इससे पहले मंगलवार को पेरिस पैरालिंपिक में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय दल भारत वापस लौट आया।

झाझरिया ने कहा कि पेरिस पैरालिंपिक के बाद दुनिया ने ये मान लिया कि है कि भारत एक स्पोर्टिंग कंट्री बन गया है। उन्होंने कहा, पेरिस में हमारे खिलाड़ियों ने इतिहास बनाया है सबसे बड़ा मैसैज ये है कि पेरिस पैरालिंपिक के बाद दुनिया ने ये मान लिया कि है कि भारत एक स्पोर्टिंग कंट्री बन गया है, क्यों कि हम पदक तालिका में शीर्ष 20 में शामिल हो गए हैं, जो बड़ी बात है।

झाझरिया ने कहा, जब हम भारत से रवाना हुए थे, तो हमने सोचा था कि हम 25 से ज़्यादा पदक जीतेंगे और शीर्ष 17–18 देशों में शामिल होंगे। भारत अब एक खेल राष्ट्र बन गया है। हमने इतिहास रच दिया है। दूसरे देशों को भी अब एहसास हो गया है कि भारत ने कितना अच्छा प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की योजनाओं की वजह से ही भारत ने बहु–खेल आयोजन में इतिहास रच दिया है। उन्होंने कहा, पिछले 10 सालों में खेलों में काफ़ी काम हुआ है, चाहे वह टॉप्स हो, खेलो इंडिया हो, प्रशिक्षण केंद्र हो आदि। प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र की योजनाओं की वजह से ही हमने इतिहास रच दिया है।

झाझरिया ने आगे कहा, हमने तीरंदाज़ी में पहला स्वर्ण पदक जीता। हमने ब्लाइंड जूडो में भी पहला पदक जीता। यह शानदार प्रदर्शन था। हमने 12 महीने पहले से ही पेरिस पैरालिंपिक की तैयारी शुरु कर दी थी, हमने

पेरिस में पहले ही देख लिया था कि इंडियन फूड रेस्टोरेंट कौन से अच्छे हैं। तो ये एकदिन का परिणाम नहीं है, मैं उन लोगों का भी आभार जताता हूं, जिन्होंने हमारे एथलिटों के लिए हरसंभव मेहनत की, पूरे पैरालिंपिक कमेटी ऑफ इंडिया परिवार को भी बधाई देता हूं क्योंकि ये किसी एक का नहीं, बल्कि सबका योगदान है मसाजर से लेकर प्रधानमंत्री तक सभी इस सफलता के भागीदार हैं।

झाझरिया ने प्रधानमंत्री मोदी का भी आभार जताया, उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने पिछले 10 साल में पैरा स्पोर्टस के लिए जो काम किया है वो असाधारण रहा है, उन्होंने हौसला भी बढ़ाया है और सुविधाएं भी दी हैं, उन्होंने दोनों काम किया है, समय से खिलाड़ियों से बात करना उनका हौसला अफजाई करना वो करते आ रहे हैं, जब हम पेरिस जा रहे थे तो उन्होंने सभी से मुलाकात की और हौसला बढ़ाया, सभी खिलाड़ियों के प्रति उनका उत्साह रहता है, उनके एक–एक शब्दों से खिलाड़ी हौसला लेते हैं। बता दें कि भारत ने पैरालिंपिक खेलों में कई रिकॉर्ड फिर से बनाए और पहली बार कुछ उपलब्धियां हासिल कीं। पैरा–शूटर अवनी लेखरा दो पैरालिंपिक स्वर्ण पदक हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं, क्योंकि उन्होंने 249.7 अंकों के विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 शूटिंग खिताब को बरकरार रखने में कामयाबी हासिल की।

भारत ने पहली बार पैरा–एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पहला और दूसरा स्थान हासिल किया, जिसमें धरमबीर और परनव सूरमा ने पुरुषों की क्लब थ्रो एफ51 स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत जीता। यह इस खेल में भारत के पहले पदकों में से एक था। धरमबीर ने 34.92 मीटर का एशियाई रिकॉर्ड भी बनाया। टी64 हाई जंप स्पर्धा में प्रवीण कुमार 2.08 मीटर की एशियाई रिकॉर्ड–तोड़ छलांग के साथ पोडियम के शीर्ष पर रहे, जिससे भारत को छठा स्वर्ण पदक मिला। भारत ने सात स्वर्ण पदकों के साथ प्रतियोगिता समाप्त की। भारत को ओलंपिक और पैरालिंपिक में अपना पहला तीरंदाजी चैंपियन भी मिला, जिसमें हरविंदर सिंह ने पोलैंड के लुकाज़ सिसजेक के खिलाफ व्यक्तिगत रिकर्व पैरा–तीरंदाजी में स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल पैरालिंपिक खिताब का बचाव करने वाले पहले भारतीय पुरुष बन गए, उन्होंने 70.59 मीटर के शानदार पैरालिंपिक रिकॉर्ड–ब्रेकिंग थ्रो के साथ एफ64 इवेंट में लगातार दो स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने टोक्यो 2020 के दौरान बनाए गए अपने पिछले रिकॉर्ड को एक बार नहीं, बल्कि तीन बार तोड़ा।

पूर्व मुख्य कोच इगोर स्टिमक के अनुबंध नवीनीकरण प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच कराएगा एआईएफएफ

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां) ।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पूर्व मुख्य कोच इगोर स्टिमक के अनुबंध नवीनीकरण में अपनाई गई आंतरिक प्रक्रियाओं और इसमें शामिल कर्मियों की स्वतंत्र जांच की मांग की है।

स्टिमक का अनुबंध 17 जून को समाप्त कर दिया गया था, जब एआईएफएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने क्रोएशियाई प्रबंधक के साथ एक आभासी बैठक की थी। अपने अनुबंध की समाप्ति के बाद स्टिमक ने फीफा फुटबॉल ट्रिब्यूनल के समक्ष 920,000 डॉलर का दावा दायर किया था। स्टिमक और एआईएफएफ ने हाल ही में क्रोएशियाई को मुख्य कोच के पद से हटाने के लिए मुआवजे के समझौते पर सहमति व्यक्त की। एआईएफएफ की कार्यकारी समिति ने हैदराबाद में एक बैठक की। बैठक के दौरान, सदस्यों ने महासंघ के अनुबंध के तहत दावों के नवीनीकरण, समाप्ति और अंतिम निपटान पर चर्चा की। एआईएफएफ ने मंगलवार को एक बयान में कहा, यह देखते हुए कि पूर्व मुख्य कोच ने अंततः एआईएफएफ के साथ पूर्ण और अंतिम समझौता करने से पहले फीफा फुटबॉल ट्रिब्यूनल के समक्ष 920,000 डॉलर का दावा दायर किया था, सदस्यों ने 2023 में हेड कोच के अनुबंध को अस्वीकृत और प्रतिकूल शर्तों पर नवीनीकृत करने के दौरान शामिल कर्मियों के, जिसने अंततः एआईएफएफ को समझौता करने की स्थिति में छोड़ दिया, जिससे दावे के निपटान में महासंघ को महत्वपूर्ण वित्तीय नुकसान हुआ, आंतरिक प्रक्रियाओं की स्वतंत्र जांच की मांग की।

एआईएफएफ ने कहा, सदस्यों ने यह भी आशंका व्यक्त की कि कैसे एक पूर्व कर्मचारी, जो अब भारतीय फुटबॉल में किसी भी पद पर नहीं है, दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ और एशियाई फुटबॉल परिसंघ की विभिन्न समितियों में एआईएफएफ का प्रतिनिधित्व करना जारी रखता है और एआईएफएफ एक्ससीओ से इन निकायों को लिखने और इस तरह की प्रथाओं को रोकने के लिए कार्रवाई करने का अनुरोध किया। बैठक के दौरान, भारत की अंडर 20 पुरुष राष्ट्रीय टीम को आई–लीग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भी चर्चा की गई और प्रस्ताव रखा गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले पत्र से सम्मानित अनुभव कर रहा : श्रीजेश

स्टार गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा-हॉकी की सेवा करता रहूंगा

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां) ।

पेरिस ओलंपिक के बाद हॉकी से संन्यास लेने वाले स्टार गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हॉकी करियर में अहम योगदान के लिए उन्हें एक खास पत्र भेजा है जिससे वह सम्मानित अनुभव कर रहे हैं।

इस पत्र में प्रधानमंत्री ने उम्मीद जतायी है कि जिस प्रकार उन्होंने खिलाड़ी के तौर पर देश की सैवा की है वैसी ही वह कोच के तौर पर भी करेंगें। श्रीजेश को भारतीय हॉकी की दीवार कहा जाता है। उन्होंने कहा, मुझे प्रधानमंत्री से जो पत्र मिला है उससे मुझे बेहद खुशी हुई है। संन्यास पर यह विशेष पत्र मिला। हॉकी मेरी जिंदगी है और मैं इस खेल की सेवा करना हमेशा ही जारी रखूंगा। इसके साथ ही भारत को हॉकी में एक ताकत बनाने की दिशा में भी अपने प्रयास जारी रखूंगा। टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारत को मिले पदकों में श्रीजेश ने अहम भूमिका निभाई थी। श्रीजेश ने साल 2006 में श्रीलंका में हुए दक्षिण एशियाई खेलों से अंतर्राष्ट्रीय करियर में कदम रखने के बाद से ही एक दिवार की तरह से गोलकीपर की जिम्मेदारी निभाई है। उन्होंने 328 मैचों में भारत की ओर से खेला है। प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीजेश को अपने पत्र में लिखा, पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के लिए बधाई। यह आपके करियर का आखिरी मैच था, और यह आपके लिए बेहद भावनात्मक क्षण रहा होगा। मुझे भरोसा है कि यह जीवन के अगले चरण की शुरुआत का संकेत है, जहां आप जूनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे। मुझे विश्वास है कि आप इस नई भूमिका में भी उतने ही सफल रहेंगे।

पेरिस ओलंपिक में कोकीन खरीदने के प्रयास के कारण ऑस्ट्रेलियाई हॉकी खिलाड़ी निलंबित

नई दिल्ली। फील्ड हॉकी खिलाड़ी टॉम क्रेग को पेरिस ओलंपिक में कोकीन खरीदने का प्रयास करने के कारण खेल की ऑस्ट्रेलियाई शासी संस्था द्वारा 12 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है।

क्रेग को 7 अगस्त को पेरिस में ओलंपिक अभियान समाप्त होने के बाद रात में बाहर घूमने के दौरान ड्रग खरीदने की कोशिश करने के बाद गिरफ़्तार किया गया था, लेकिन बिना किसी आरोप के रिहा कर दिया गया था। फ्रांसीसी अभियोजकों ने एक बयान जारी करके पुष्टि की कि अब 29 वर्षीय ओलंपियन (तीन साल पहले टोक्यो में रजत पदक विजेता) को आपराधिक चेतावनी दी गई थी और एक रात हिरासत में बिताने के बाद रिहा कर दिया गया था। हॉकी ऑस्ट्रेलिया के बयान में बुधवार को कहा गया, पेरिस में 2024 ओलंपिक खेलों में राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम के एथलीट टॉम क्रेग की गिरफ़्तारी की जांच के बाद, हॉकी ऑस्ट्रेलिया की इंटीग्रिटी यूनिट ने 12 महीने का निलंबन लगाया है।

ब्रुसेल्स डायमंड लीग फाइनल में भाग लेंगे नीरज चोपड़ा व अविनाश साबले

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां) ।

पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा 13 और 14 सितंबर को बेल्जियम के ब्रुसेल्स में डायमंड लीग सीज़न के फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

उन्होंने स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर रहने के बाद सीज़न के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने लुसाने और दोहा में शानदार प्रदर्शन किया और दोनों ही मुकाबलों में दूसरे स्थान पर रहे।

लुसाने डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा ने 89.49 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि दोहा में, यह 88.36 मीटर था। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अविनाश साबले पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में भाग लेंगे। हाल ही में, वे पोलैंड में सिलेसिया डायमंड लीग 2024 में 14वें स्थान पर रहे।

भाला फेंक स्पर्धा की अंतिम प्रविष्टि सूची - नीरज चोपड़ा (भारत), जेनकी रॉड्रिक डीन (जापान), आर्टट फेल्नर (यूक्रेन), टिमोथी हरमन (बेल्जियम), एंड्रियन मार्डेरे (मोल्दोवन), एंडरसन पीटर्स (ग्रेनेडा), जैकब वडलेज (चेक रिपब्लिक), जूलियन वेबर (जर्मनी)।

पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ की अंतिम प्रविष्टि सूची- डैनियल आर्से (स्पेन), एबडेराफिया बौसेल (मोरक्को), सौफ़ियान बक्काली (मोरक्को), सैमुअल फ़िरेवु (इथियोपिया), मोहम्मद अमीन झिनौई (ट्यूनीशिया), अब्राहम किबिवोट (सेंट किट्स और नेविस), विलबरफ़ोर्स केमियाट कोन्स (सेंट किट्स और नेविस), अविनाश मुकुंद सेबल (भारत), अमोस सेरेम (सेंट किट्स और नेविस),अब्राहम सिमे (इथियोपिया), मोहम्मद टिंडौफ़्ट (मोरक्को), गेटनेट वेले (इथियोपिया)।

यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग : फ्रेंचाइजियों ने तीसरे सत्र के लिए प्लेयर्स घोषित किए

फ्लोरिडा, 11 सितंबर (एजेंसियां) ।

यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग के तीसरे सत्र की शुरुआत के उत्साह की बढ़ोतरी के साथ–साथ टीमों ने अपनी खिलाड़ी रिटेंशन रणनीतियों को अंतिम रूप दे दिया है। नवंबर में फ्लोरिडा के ब्रावर्ड काउंटी स्टेडियम में लीग के शुरू होने से पहले टीमों ने प्रमुख खिलाड़ियों को रिटेन कर लिया है। अमेरिका और वैश्विक क्रिकेट के कुछ बड़े नामों की वापसी के साथ इस सत्र में रोमांचक क्रिकेट और शीर्ष स्तर के प्रदर्शन की उम्मीद है।

स्टार खिलाड़ियों का रिटेंशन इस बात को दर्शाता है कि टीमें अपने वर्तमान खिलाड़ियों में कितना भरोसा करती हैं। वे प्रतिष्ठित यूएसपीएल खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने की तैयारी कर रही हैं। पांचों फ्रेंचाइजी—एनजे टाइटंस, न्यूयार्क काउबायज, मैरीलैंड मैवरिक्स, कैरोलिना ईगल्स और कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स ने अपनी कोर टीम को बनाए रखने के लिए रणनीतिक फैसले लिए हैं, जिससे आगामी सत्र के लिए निरंतरता और स्थिरता सुनिश्चित हो सके।

एनजे टाइटंस ने छह खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इनमें आलराउंडर हरमीत सिंह, विस्फोटक बल्लेबाज एंड्रीस गौस और अमेरिका के पूर्व कप्तान सौरभ नेत्रावल्कर भी शामिल हैं। ये खिलाड़ी पिछले सत्र में टीम के मजबूत प्रदर्शन के प्रमुख स्तंभ थे, और उनके रिटेंशन से यह स्पष्ट होता है कि टाइटंस अपनी इस लय को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

आक्रामक खेल के लिए प्रसिद्ध न्यूयार्क काउबायज ने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इनमें शीर्ष क्रम के

बल्लेबाज जलाध दुआ, मुख्तार अहमद और तजिंदर सिंह ढिल्लों शामिल हैं। ये खिलाड़ी उस बल्लेबाजी क्रम की रीढ़ हैं जिसने पिछले सत्र में शानदार प्रदर्शन किया था।

वहीं, मैरीलैंड मैवरिक्स ने अनुभवी आलराउंडर ड्वेन स्मिथ, अमेरिकी खिलाड़ी नास्थुश केनजिगे, उभरते सितारे साईतेजा मुक्कामल्ला और नील ब्रूम को रिटेन किया है। इससे वे अपने अनुभव और कौशल का लाभ उठाते हुए एक और मजबूत अभियान की उम्मीद कर रहे हैं।

कैरोलिना ईगल्स ने गजनंद सिंह, केसरिक विलियम्स और शयान जहांगीर सहित छह प्रमुख खिलाड़ियों को रिटेन किया है। उनका यह निर्णय एक संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है। इसमें बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में उत्कृष्ट खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है। इससे इस सत्र में एक शक्तिशाली प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है।

कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स ने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इनमें उन्मुक्त चंद, चैतन्य बिश्नोई और जुनैद सिद्दीकी शामिल हैं। ये खिलाड़ी अपने निरंतर प्रदर्शन और मैदान पर नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं।

यूएसपीएल के संस्थापक जयदीप सिंह ने कहा, 'हम इस सत्र में टीमों की ओर से रिटेन किए गए खिलाड़ियों के लेकर बेहद उत्साहित हैं। प्रमुख खिलाड़ियों को रिटेन करने का निर्णय इस बात को दर्शाता है कि फ्रेंचाइजी मजबूत और प्रतिस्पर्धी स्क्वाड बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस ठोस आधार के साथ तीसरा सत्र रोमांचक होने वाला है, जहां हमारे प्रशंसक मैदान पर और अपने मोबाइल और टीवी सेट पर हमारे साझेदार प्रसारकों और स्ट्रीमर्स के साथ उच्च गुणवत्ता का क्रिकेट देखेंगे।'

रिटेन किए गए खिलाड़ियों के साथ, प्रत्येक फ्रेंचाइजी आने वाली नीलामी में अपनी टीम को और मजबूत करने की उम्मीद कर रही है। इसमें विश्वभर के बड़े नाम भी शामिल होंगे और लीग में कई नई प्रतिभाओं को अवसर मिलेगा। प्रशंसक यूएसपीएल के तीसरे सत्र में फ्लोरिडा, मियामी के शानदार मैदानों पर प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का शानदार सीजन देखने की उम्मीद कर सकते हैं।

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ

आरबीआई ने नियामक निर्देशों का पालन नहीं करने वाले दो निजी बैंकों पर लगाया करोड़ों का जुर्माना

नई दिल्ली,11 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को ऐलान किया है कि उसने दो निजी बैंकों, एक्सिस बैंक लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक लिमिटेड पर कई नियामक निर्देशों का पालन न करने पर जुर्माना ठोका है। आरबीआई ने इसी साल तीन सितंबर को एक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ और एचडीएफसी बैंक पर एक करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई बैंकों द्वारा नियामक नियमों का पालन न करने की वजह से की गई है।ऐक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ का जुर्माना आरबीआई की जांच के बाद लगाया। यह जांच 31 मार्च 2023 तक की बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर की गई थी।

इस दौरान बैंक द्वारा बैंकिंग नियमों के कई उल्लंघन पाए गए, जिसके चलते यह जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई के मुताबिक बैंक ने ऐसे खाताधारकों के लिए बचत खाते खोले जो इसके योग्य नहीं थे। साथ ही बैंक ग्राहकों को यूनिक कस्टमर आईडी देने में भी नाकाम रहा। बैंक ने 1.60 लाख तक के कृषि ऋण के लिए गिरवी रखी संपत्ति को सुरक्षित नहीं किया। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि एक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ रुपए का जुर्माना 'जमा पर ब्याज दर'' अपने ग्राहक को जानें (केवॉयसी) और कृषि ऋण प्रवाह बिना गिरवी के कृषि ऋण जैसे नियमों का पालन नहीं करने की वजह से लगाया गया है।

इसी तरह एचडीएफसी बैंक पर भी आरबीआई ने एक करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना बैंक द्वारा जमा पर ब्याज दर, रिकवरी एजेंटों की नियुक्ति और बैंकों में ग्राहक सेवा से जुड़े आरबीआई के दिशा-निर्देशों का पालन न करने के कारण लगाया गया है। आरबीआई ने बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर 31 मार्च 2022 की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आईएसई 2022 (निगरानी मूल्यांकन के लिए वैधानिक निरीक्षण) किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोहब्बत की...

भारत में सिखों को पगड़ी पहनने की इजाजत नहीं है। उन्हें गुरुद्वारा नहीं जाने दिया जा रहा है। इन बयानों के बाद राहुल गांधी की इल्हान उमर और डोनाल्ड लू के साथ मुलाकात भी विवादों में आ गई है। यदि इल्हान उमर और डोनाल्ड लू के अतीत पर गौर करें तो स्पष्ट है कि यह मुलाकात भारतीय हितों के अनुकूल नहीं है। इल्हान उमर के साथ मुलाकात से स्पष्ट है कि राहुल गांधी भारत विरोधी लोगों के साथ हैं। कांग्रेस नेता ऐसे लोगों के साथ खड़े होकर उनका मनोबल बढ़ाते हैं।

जैसे भारत में संसद के उच्च सदन को राज्यसभा और निचले सदन को लोकसभा कहते हैं, उसी तरह अमेरिका में उच्च सदन को सीनेट और निचले सदन को प्रतिनिधि सभा या हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव कहते हैं। इल्हान उमर, अमेरिकी संसद के निचले सदन की सदस्य है। डेमोक्रेटिक पार्टी से नाता रखती है। अफ्रीकी मूल की इस अमेरिकी महिला सांसद के बयानों में भारत के प्रति घृणा और पाकिस्तानपरस्ती साफ दिखती है। वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) का दौरा कर चुकी है। तब आंतकियों को संरक्षण देने वाले हमारे पड़ोसी मुल्क ने उनका जोरदार स्वागत किया था। हालांकि, भारत की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का उल्लंघन करने वाली अमेरिकी सांसद के इस दौरे का न केवल भारत, बल्कि अमेरिका ने भी विरोध किया था। भारत ने उनकी इस यात्रा को निंदनीय बताया था, जबकि अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन ने उनके पीओके दौरे को व्यक्तिगत गतिविधि बताकर खुद को अलग कर लिया था।

इल्हान उमर की पैदाइश सोमालिया की है। वह कट्टरपंथी इस्लामी विचार रखती है। पाकिस्तान दौरे में इल्हान इमरान खान से मिली थी। उनकी जमकर तरीफ की थी। इमरान ने भी उमर की इस्लामोफोबिया के मुद्दों पर साहसी और सैद्धांतिक रुख की सराहना की थी। इल्हान ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति सुल्तान महमूद चौधरी और पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से भी मुलाकात की थी और जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन पर चर्चा की थी। इसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने इल्हान उमर को एजेंडावादी बताते हुई जबर्दस्त फटकार लगाई थी। उन्हें संकीर्ण सोच वाली नेता बताते हुए कहा था कि भारत क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं करेगा।

इल्हान उमर को मुस्लिम देशों में सेलिब्रिटी का दर्जा हासिल है। उमर पर इस्लामी एजेंडा इस कदर हावी है कि वह अमेरिका के राष्ट्रीय हितों की भी परवाह नहीं करती। दुनियाभर में कट्टरपंथी इस्लाम को आगे बढ़ाना ही उसका एकमात्र उद्देश्य है। मुस्लिम देशों से उसकी मोहब्बत और भारत के प्रति उनकी घृणा किसी से भी छिपी नहीं है। इसीलिए भारत में मोहब्बत की दुकान चलाने वाले राहुल गांधी को इल्हान जैसे लोगों से बहुत मोहब्बत है।

कश्मीर, भारतीय मुस्लिमों, भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर इल्हान उमर कई विवादित बयान दे चुकी है। खासतौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति उसकी नफरत सोशल मीडिया पर जगजाहिर है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी संसद में यहां तक कह दिया था कि आखिर मोदी सरकार मुस्लिमों के खिलाफ और कितने जुल्म करेगी। इल्हान उमर के बारे में बताया जाता है कि वह पहली अफ्रीकी शरणार्थी है, जो चुनाव जीतकर अमेरिकी संसद में पहुंची है। उमर 2019 में मिनिसोटा से सांसद चुनी गई थॉ। इस संसदीय सीट से चुनाव जीतने वाली वह पहली अश्वेत महिला है। साथ ही, अमेरिकी संसद पहुंचने वाली पहली दो मुस्लिम-अमेरिकी महिलाओं में भी शामिल हैं।

सोमालिया में ही पैदा हुईं मानवाधिकार कार्यकर्ता अयान हिरसी अली ने 12 जुलाई 2019 को वॉल स्ट्रीट जर्नल में लिखे अपने लेख में कहा था कि इल्हान उमर के मन में हिंदुओं और यहूदियों के प्रति नफरत है। वह उन मुस्लिमों में शामिल है, जो दुनिया में जो भी गलत हो रहा है, उसके लिए एकमात्र यहूदियों और हिंदुओं को दोषी मानती है। उसमें गैर-मुसलमानों के प्रति नफरत कूट-कूटकर भरी है, क्योंकि उसे बचपन से यही सिखाया गया है। चर्चित पाकिस्तानी मूल के लेखक और पत्रकार तारेक फतेह भी इल्हान उमर को भारत विरोधी कट्टर इस्लामवादी करार दे चुके हैं। इल्हान उमर के बारे में यह भी कहा जाता है कि वह बातें स्वतंत्रता-समानता की करती है, लेकिन कट्टर इस्लाम के प्रति उसका झुकाव है। वह बुर्का और हिजाब की जबर्दस्त पैरोकार हैं। उसने ही अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में वैश्विक स्तर पर इस्लामोफोबिया से लड़ने के लिए विशेष प्रतिनिधि का पद सृजित करने का प्रस्ताव पेश किया, जिसे सदन की मंजूरी भी मिल गई।

लेकिन, उसके इस कदम की रिपब्लिकन पार्टी के टिकट पर अमेरिकी कांग्रेस का चुनाव लड़ चुकीं एक और मुस्लिम नेता डालिया अल-अकिदी ने जबर्दस्त विरोध किया था। उन्होंने अरब न्यूज में एक लेख लिखकर पूछा है कि क्या इस्लाम के नाम पर आतंकी वारदातों को अंजाम देने वालों को मुस्लिम आतंकी कहना भी इस्लामोफोबिया के दायरे में आएगा?

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चुनावी रैली में इल्हान उमर पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था, इल्हान उमर को अमेरिका, यहां के शासन-प्रशासन और यहां के लोगों से नफरत है। वह हमारे देश से घृणा करती हैं। वह ऐसी जगह से आई है जहां सरकार है ही नहीं और यहां आकर हमें ही ज्ञान दे रही है कि अपना देश कैसे चलाना चाहिए? यही नहीं ट्रंप ने कई बार कहा था कि इल्हान का दूसरा पति अहमद इल्मी और कोई नहीं उसका सगा भाई ही है। ट्रंप ने 2020 में राष्ट्रपति चुनाव के दौरान एक प्रचार अभियान में जस्टिस डिपार्टमेंट से इसकी जांच करने की मांग भी की थी। इसकी पुष्टि तब हुई जब ट्रंप की पार्टी के एक रणनीतिकार ने पिछले वर्ष अगस्त में डीएनए टेस्ट रिपोर्ट वेबसाइट पर प्रकाशित कर दी। डीएनए के कई टेस्ट में उमर इल्हान और अहमद इल्मी के सगे बहन-भाई होने का सौ फीसदी मिलान हुआ था। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमाली समुदाय के नेता ने भी खुलासा किया था कि इल्हान उमर ने अपने भाई से ही निकाह किया है।

बहरहाल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका में तमाम समुदायों के भारत विरोधी नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। जिसमें भारत विरोधी इल्हान उमर प्रमुख हैं। इल्हान उमर पाकिस्तान प्रायोजित भारत विरोधी आवाज है और वह एक कट्टरपंथी इस्लामवादी और स्वतंत्र कश्मीर की पैरोकार है। भाजपा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने इल्हान उमर के साथ राहुल गांधी की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा है, लाल घेरे में यह महिला अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता इलहान उमर है, खालिस्तान तथा कश्मीर अलग देश बनाने का लगातार समर्थन करती है, अभी अमेरिका में राहुल गांधी जी इसी एजेंडे के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। भाजपा नेता संजू वर्मा ने राहुल गांधी की भारत विरोधी हरकतों पर निशाना साधते हुए लिखा, राहुल गांधी सत्ता में आने के लिए उतावले हो रहे हैं, इसी उतावलेपन की वजह से ही कोई कट्टरपंथी इस्लामिक इल्हान उमर से मुलाकात कर सकता है।

वहीं राहुल गांधी के इस बयान पर निशाना साधते हुए भाजपा सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी भारत के इतिहास के पहले नेता प्रतिपक्ष बने हैं, जिन्होंने किसी घोषित भारत विरोधी सांसद के साथ मुलाकात की है। अमेरिकी सांसद इल्हान उमर भारत विरोधी वक्तव्यों के लिए कुख्यात हैं। राहुल गांधी का नाम पाकिस्तान ने भी संयुक्त राष्ट्र संघ में इस्तेमाल किया था। वहीं उनके एक और भारत विरोधी मित्रों में उपलब्धता मिली है, जब गुरपतवंत सिंह पन्नू जैसे आतंकी ने भी राहुल गांधी की तारीफ की है।

खालिस्तान की मांग करने वाले आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा कि भारत में सिखों की स्थिति पर राहुल गांधी ने जो बयान दिया है वो न केवल साहसिक है बल्कि 1947 के बाद से भारत में सिखों पर हो रहे अत्याचार को दिखाता है। यह पंजाब की आजादी के लिहाज से सिख फॉर जस्टिस के रुख की भी पुष्टि करता है। उल्लेखनीय है कि भारतीय अमेरिकी समुदायों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कुछ धर्मों, भाषाओं और समुदायों को अन्य की तुलना में कमतर मानता है। उन्होंने कहा कि भारत में राजनीति के लिए नहीं, बल्कि इसी बात की लड़ाई लड़ी जा रही है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले आपको यह समझना होगा कि लड़ाई किस बारे में है। लड़ाई राजनीति के बारे में नहीं है। राहुल ने दर्शकों के बीच बैठे एक सिख व्यक्ति से पूछा कि मेरे पगड़ीधारी भाई आपका क्या नाम है। कांग्रेस नेता ने कहा कि लड़ाई इस बात की है कि क्या एक सिख को भारत में पगड़ी या कड़ा पहनने का अधिकार है या नहीं। या एक सिख के रूप में वह गुरुद्वारा जा सकते हैं या नहीं। लड़ाई इसी बात के लिए है और यह सिर्फ उनके लिए ही नहीं, बल्कि सभी धर्मों के लिए है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, देश विरोधी बातें करना और देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़े होना राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की आदत बन गई है। शाह ने कहा कि चाहे जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के देश विरोधी और आरक्षण विरोधी एजेंडे का समर्थन करना हो, या फिर विदेशी मंचों पर भारत विरोधी बातें करनी हो, राहुल गांधी ने देश की सुरक्षा और भावना को हमेशा आहत किया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी इस मुलाकात को लेकर निशाना साधा है। गोयल ने कहा, राहुल गांधी अपने अंतरराष्ट्रीय दौरों में बार-बार भारत को बदनाम किया है। वह इल्हान उमर से मिलते हैं जो भारत विरोधी प्रचारक और पाकिस्तान समर्थक है। वह कश्मीर के भारत का हिस्सा होने की आलोचना करने के लिए जानी जाती हैं। ऐसी भारत विरोधी ताकतें कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी की दोस्त बन गई हैं।

हमारा सपना...

भारत वो सब करने वाला है। भारत का सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम सिर्फ भारत के नहीं बल्कि ग्लोबल चैलेंजेस को भी सॉल्यूशंस प्रोवाइड करेगा। इससे पूर्व पीएम मोदी ने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस दौरान उन्हें विभिन्न सेमीकंडक्टर आधारित उपकरणों एवं इनोवेशंस के विषय में जानकारी दी गई।

अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया का 8वां देश है जहां ग्लोबल सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री से जुड़ा यह भव्य आयोजन हो रहा है। कह सकता हूं कि आप सही समय पर सही जगह पर हैं। 21वीं सेंचुरी के भारत में द चिप्स आर नेवर डाउन और सिर्फ इतना ही नहीं, आज का भारत दुनिया को भरोसा देता है, व्हेन द चिप्स आर डाउन, यू कैन बेट ऑन इंडिया। पीएम मोदी ने कहा कि सेमीकंडक्टर की दुनिया से जुड़े आप लोगों का नाता डायोड्स से जरूर पड़ता है। डायोड में एनर्जी सिर्फ एक डायरेक्शन में जाती है, लेकिन भारत की सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में स्पेशल डायोड लगे हुए हैं। यहां हमारी एनर्जी दोनों डायरेक्शन में जाती है। यह भी बहुत रोचक है। आप इनवेस्ट करते हैं और वैल्यू क्रिएट करते हैं, वहीं सरकार आपको स्टेबल पॉलिसी और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस देती है। सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री इंटीग्रेटेड सर्किट से जुड़ी हुई है। भारत भी आपको एक इंटीग्रेटेड इकोसिस्टम देता है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत के डिजाइनर्स और उनके जबर्दस्त टैलेंट को तो आप भलीभांति जानते हैं। डिजाइनिंग की दुनिया में 20 प्रतिशत टैलेंट का योगदान भारत करता है और इसका निरंतर विस्तार हो रहा है। हम 85 हजार टेक्नीशियंस, इंजीनियर्स और आरएंडडी एक्सपर्ट्स की सेमीकंडक्टर वर्कफोर्स तैयार कर रहे हैं। भारत का फोकस अपने स्टूडेंट्स और प्रोफेशनल्स को सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री रेडी बनाने पर है। हाल ही में नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की पहली बैठक हुई है। इस फाउंडेशन से भारत के रिसर्च इकोसिस्टम को एक नई दिशा भी मिलेगी, नई ऊर्जा भी मिलेगी। इसके अलावा भारत में वन ट्रिलियन रुपए का स्पेशल रिसर्च फंड भी बनाया गया है। ऐसे इनीशिएटिव से सेमीकंडक्टर और साइंस सेक्टर में इनोवेशन का दायरा बहुत ज्यादा बढ़ने वाला है।

सेमीकंडक्टर को लेकर भारत सरकार की नीतियों और निवेशकों की सहूलियत पर पीएम मोदी ने कहा कि आपके पास एक थ्री डायमेंशनल पावर भी है। पहली, भारत की आज की रिफॉर्मिस्ट गवर्नमेंट। दूसरा, भारत में ग्रोइंग मैन्युफैक्चरिंग बेस और तीसरा, भारत का एस्पिरेशनल मार्केट। एक ऐसा मार्केट, जो टेक्नोलॉजी का टेस्ट जानता है। उन्होंने कहा कि भारत की एस्पिरेशनल और टेक ओरिएंटेड सोसायटी बहुत ही यूनिक है। भारत के लिए चिप का मतलब सिर्फ टेक्नोलॉजी भर नहीं है, हमारे लिए यह करोड़ों एस्पिरेशंस को पूरा करने का माध्यम है। आज भारत चिप का बहुत बड़ा कंज्यूमर है। इसी चिप पर हमने दुनिया का सबसे बेहतरीन डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर बिल्ड किया है। भारत में लास्ट माइल डिलीवरी सुनिश्चित करने में आज यह छोटी सी चिप बड़े काम आ रही है। कोरोना जैसे महासंकट में जब दुनिया के मजबूत से मजबूत बैंकिंग सिस्टम भी चरमरा गए तब भारत में बैंक बिना रुके चल रहे थे। भारत का यूपीआई हो, रूपे कार्ड हो, डिजिलॉकर से लेकर डिजीयात्रा तक अलग-अलग तरह के डिजिटल प्लेटफॉर्म भारत के लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गए हैं। आज भारत आत्मनिर्भर होने के लिए हर सेक्टर में मैन्युफैक्चरिंग बढ़ा रहा है। आज भारत बड़े पैमाने पर ग्रीन ट्रांजिशन कर रहा है। आज भारत में डेटा सेंटर की डिमांड लगातार बढ़ रही है, यानि ग्लोबल सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को ड्राइव करने में भारत बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि एक पुरानी प्रचलित कहावत रही है, जो चल रहा है उसे वैसे ही चलने दिया जाए। आज का यंग और एस्पिरेशनल भारत इस भावना पर नहीं चलता। आज के भारत का मंत्र है इंक्रीजिंग द नंबर्स ऑफ चिप्स प्रोड्यूस इन इंडिया और इसलिए हमने सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को आगे बढ़ाने के लिए बहुत सारे कदम उठाए हैं। भारत में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी लगाने के लिए 50 परसेंट सपोर्ट भारत सरकार दे रही है। हमारी राज्य सरकारें भी अपने स्तर पर और मदद कर रही हैं। भारत की नीतियों के कारण ही बहुत कम समय में 1.5 ट्रिलियन रुपए से ज्यादा के इन्वेस्टमेंट इस क्षेत्र में भारत में हो चुके हैं। आज कई प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में हैं। सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम भी एक अद्भुत योजना है। इसके तहत फ्रंट एंड फैब्स, डिस्प्ले फैब्स, सेमीकंडक्टर पैकेजिंग, कंपाउंड सेमीकंडक्टर्स, सेंसर्स और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग के लिए फाइनेंशियल सपोर्ट दिया जा रहा है। यानी भारत में 360 डिग्री एप्रोच के साथ काम हो रहा है। हमारी सरकार भारत में पूरे सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन इकोसिस्टम को आगे बढ़ा रही है। इस साल हमने लाल किले से कहा था कि हमारा सपना है कि दुनिया की हर डिवाइस में इंडियन मेड चिप हो। सेमीकंडक्टर पावर हाउस बनने के लिए जो भी जरूरी होगा भारत वो सब करने वाला है।

क्रिटिकल मिनरल्स को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि क्रिटिकल मिनरल्स के डॉमेस्टिक प्रोडक्शन और इसके ओवरसीज एक्विजिशन के लिए हमने कुछ दिन पहले क्रिटिकल मिनरल मिशन की घोषणा की है। क्रिटिकल मिनरल्स को कस्टम ड्यूटी से छूट देना हो, ब्लॉक्स की, माइनिंग की ऑक्शन हो, इन सब पर तेजी से काम हो रहा है। इतना ही नहीं, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस में एक सेमीकंडक्टर रिसर्च सेंटर बनाने में भी काम कर रहे हैं। हम आईआईटी के साथ पार्टनरशिप कर रहे हैं, ताकि हमारे इंजीनियर्स न सिर्फ अभी के लिए हाईटेक चिप बनाएं, बल्कि नेक्स्ट जेन चिप पर भी रिसर्च करें। हम इंटरनेशनल कोलाब्रेशन को भी आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप लोगों ने ऑयल डिप्लोमेसी का नाम सुना है, आज का युग सिलिकॉन डिप्लोमेसी का युग है। इसी साल भारत इंडो पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क की सप्लाई चेन काउंसिल का वाइस चेयर चुना गया है। हम क्वॉड सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन इनीशिएटिव के भी बड़े पार्टनर हैं। हाल ही में हमने जापान और सिंगापुर समेत कई देशों के साथ एग्रीमेंट भी साइन किए हैं। इस सेक्टर में अमेरिका के साथ भी भारत अपना सहयोग लगातार बढ़ा रहा है।पीएम मोदी ने कहा कि डिजिटल इंडिया मिशन का लक्ष्य देश को एक ट्रांसपेरेंट, इफेक्टिव और लीकेज फ्री गवर्नेंस देना था और आज हम इसके मल्टीप्लायर इफेक्ट को महसूस कर रहे हैं। एक दशक पहले हम मोबाइल फोन्स के बड़े इंपोर्टर्स में एक थे और आज हम दुनिया के नंबर 2 प्रोड्यूसर और एक्सपोर्टर हैं। अभी एक ताजा रिपोर्ट आई है कि आज भारत 5जी हैंडसेट्स का दूसरा सबसे बड़ा मार्केट बन चुका है। दो साल पहले ही हमने 5जी रोलआउट शुरू किया था और आज देखिए हम कहां से कहां पहुंच चुके हैं। आज भारत का इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर 150 बिलियन डॉलर से भी ज्यादा का हो चुका है और अब तो हमारा लक्ष्य और भी बड़ा है। इस दशक के अंत तक हम अपने इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर को 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना चाहते हैं। इससे भारत के युवाओं के लिए करीब 6 मिलियन यानी 60 लाख जॉब्स क्रिएट होंगी। भारत के सेमीकंडक्टर सेक्टर को भी इसका बहुत अधिक फायदा होगा। हमारा लक्ष्य है कि इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग का 100 प्रतिशत काम भारत में ही हो यानी भारत सेमीकंडक्टर चिप भी बनाएगा और उनके फिनिश गुड्स भी बनाएगा। मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग हो, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग हो या सेमीकंडक्टर हो, हमारा फोकस एकदम क्लियर है। हम एक ऐसी दुनिया बनाना चाहते हैं जो संकट के समय भी रुके नहीं, ठहरे नहीं, निरंतर चलती रहे।

सेमीकंडक्टर में ...

सीएम योगी ने कहा कि सैमसंग इंडिया अपने डिस्प्ले यूनिट के प्लांट की स्थापना उत्तर प्रदेश में कर रहा है। साथ ही उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर का बड़ा हब बन रहा है। सेमीकंडक्टर को अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश सेमीकंडक्टर नीति-2024 लागू की गई है। इस नीति में पूंजीगत सहायता, ब्याज उपादान, भूमि मूल्य, स्टांप, विद्युत शुल्क में छूट के आकर्षक प्रावधान किए गए हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा यह तीन दिवसीय कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को धरातल पर उतारने वाला साबित होगा। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2020 में वैश्विक महामारी कोरोना और भू-राजनीतिक वैश्विक तनाव से ग्लोबल सप्लाई चेन पर बुरा असर पड़ा था। इससे सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री भी प्रभावित हुई थी। उन्होंने कहा कि दुनिया जब कोरोना से पस्त थी, उस समय प्रधानमंत्री मोदी के विजनरी नेतृत्व में भारत ने कोरोना प्रबंधन के साथ ही सेमी कंडक्टर और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग ईको सिस्टम के विकास के लिए अपनी नोटिफिकेशन जारी किया था। यह आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में बढ़ाया गया महत्वपूर्ण कदम था।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने आईटी सेक्टर, डाटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग और सेमीकंडक्टर पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन के इंजीनियर्स के हब के रूप में स्थापित हो रहा है। मीडिया टेक, ईआरएम, क्वॉलकॉम, एनएचपी, सिनॉप्सिस कैंडेंस जैसी प्रमुख कंपनियां यहां स्थापित हैं, जो उत्तर प्रदेश में स्थानीय प्रतिभा को लाभ उठाने और सेमीकंडक्टर की डिजाइन में नवाचार को बढ़ावा देने में सहायक साबित हो रही हैं। इसी को देखते हुए उत्तर प्रदेश में आईटी इंडस्ट्री को उद्योग का दर्जा दिया गया है, जिससे प्राधिकरणों के अधीन उद्योग भूमि को सस्ते दरों पर आईटी कंपनियों को दिया जा सके।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में निवेश के अनुकूल वातावरण बनाने की दिशा में अनेक कदम उठाए गए हैं। इसी का परिणाम है कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश ने अचीवर स्टेट का दर्जा हासिल किया है। वर्तमान में प्रदेश में अलग-अलग सेक्टर की 27 सेक्टोरियल पॉलिसी लागू की गई है। उत्तर प्रदेश एफडीआई फार्चून ग्लोबल-500 और फार्चून इंडिया-500 कंपनियों के लिए भी हमारी समर्पित नीति है। उद्यमियों की सुविधा के लिए टेक्नोलॉजी का अधिक से अधिक उपयोग करते हुए सिंगल विंडो पोर्टल निवेश मित्र के माध्यम से 450 से अधिक ऑनलाइन सेवाएं संचालित की जा रही हैं। एमओयू मॉनिटरिंग हेतु निवेश सारथी पोर्टल विकसित किया गया है। इंसेंटिव वितरण भी आज प्रदेश में ऑनलाइन किया जा रहा है। निवेशकों की सहायता के लिए 100 उद्यमी मित्र तैनात किए गए हैं।

सीएम योगी ने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, इंफ्रास्ट्रक्चर कनेक्टिविटी और सुदृढ़ कानून व्यवस्था आज उत्तर प्रदेश की यूएसपी है। उत्तर प्रदेश में रेल और रोड का बड़ा नेटवर्क है। ईस्टर्न और वेस्टर्न फ्रेट डेडीकेटेड कॉरिडोर प्रदेश से होकर गुजरता है। वाराणसी से हल्दिया के मध्य देश का पहला इनलैंड वाटर-वे संचालित है। वाराणसी में मल्टी मॉडल टर्मिनल के साथ ही दादरी में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब और उड़ाकी में लॉजिस्टिक ट्रांसपोर्ट हब विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे राज्य का पहला मेडिकल डिवाइस पार्क, फिल्म सिटी, टॉय सिटी, अपैरल पार्क और हैंडीक्राफ्ट पार्क विकसित किया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा में इंटीग्रेटेड टाउनशिप, बरेली में मेगा फूड पार्क और उन्नाव में ट्रांस गंगा सिटी आदि योजनाएं तेजी के साथ आगे बढ़ रही हैं।

कार्यक्रम में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद, गौतमबुद्ध नगर के सांसद महेश शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी समेत सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में कार्य कर रहे देश-दुनिया के ग्लोबल लीडर शामिल रहे।

भारत आ रहा...

इस बातचीत में लू के साथ भारतीय विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय से लोग शामिल होंगे। इस मुलाक़ात में भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने पर बातचीत होगी। इसके बाद डोनाल्ड लू बांग्लादेश की यात्रा करेंगे। वहां वह शेख हसीना के तख्तापलट के बाद लाई गई अंतरिम सरकार से मिलेंगे। प्रेस रिलीज में बताया गया है कि यहां डोनाल्ड लू अमेरिका और बांग्लादेश के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर बात करेंगे। डोनाल्ड लू की यात्रा से विदेश मामलों में रुचि रखने वाला एक बड़ा तबका सशंकित है। यह डोनाल्ड लू के ट्रैक रिकॉर्ड के चलते है। लू को ऐसे व्यक्ति के तौर पर देखा जाता है जो उन देशों में सत्ता बदलने का मास्टर है जो अमेरिकी दबाव में नहीं आते। उनकी बांग्लादेश और श्रीलंका समेत कई देशों में गतिविधियां संदिग्ध रही हैं।

डोनाल्ड लू अमेरिका के दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों में असिस्टेंट सेक्रेटरी हैं। इससे पहले वह अल्बानिया और किर्गिस्तान में अमेरिका का राजदूत रहे हैं। पुणे स्थित ग्लोबल स्ट्रैटेजी फाउंडेशन के संस्थापक डॉ अनंत भागवत ने मई 2024 में कहा था कि भारत में डोनाल्ड लू घृणा की विषयवस्तु बनते हैं, क्योंकि वो भारतीय लोकतंत्र में हस्तक्षेप करने का प्रयास करते हैं। जनवरी 2023 में खबर आई थी कि भारत के विपक्षी नेता राहुल गांधी ने अमेरिका स्थित व्हाइट हाउस में एक गुप्त बैठक की थी। बताया जाता है कि डोनाल्ड लू भी वहां मौजूद थे। हालांकि, भारत के विदेश मंत्रालय के पास इससे संबंधित कोई जानकारी नहीं थी। अमेरिका पूरी दुनिया के मानवाधिकार का ठेका लेकर भी बैठा रहता है। डोनाल्ड लू ने भी भारत में मोदी सरकार के कार्यकाल में मानवाधिकार को लेकर चिंता जताई थी।

भारत में कई लोगों के कान तब खड़े हो गए थे, जब लोकसभा चुनाव 2024 के बीच में डोनाल्ड लू यहां के दौरे पर पहुंचे। उस दौरान वो बांग्लादेश और श्रीलंका भी गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बायडेन का प्रशासन भारत में एक स्थिर सरकार नहीं चाहता है, क्योंकि मोदी सरकार के एक दशक में भारत की विदेश नीति मजबूत रही है, अपनी शर्तों पर चलती रही है, स्थिर रही है। चुनाव के दरम्यान डोनाल्ड लू राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के साथ-साथ तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई भी गए। तमिलनाडु सरकार भारत विरोधी एजेंडे में राहुल गांधी के साथ कड़ी है। तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी डीएमके देश को खंडित करके एक अलग देश द्रविड़नाडु की मांग करती रही है। अमेरिका की तरफ से एक बयान में कहा गया कि दक्षिण भारत से द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए वो चेन्नई गए थे।

डोनाल्ड लू बांग्लादेश भी गए थे, जहां शेख हसीना चौथी बार जीत कर लौटी थीं। बांग्लादेश में अमेरिकी राजदूत पीटर हास पर वहां की विपक्षी पार्टी बीएनपी के समर्थन के आरोप लग चुके हैं, जिसने चुनाव का बहिष्कार किया था। शेख हसीना के करीबियों का तब मानना था कि अमेरिका लगातार ढाका को चीन के खिलाफ लॉबिंग में शामिल करना चाहता है। इंडो-पैसिफिक में अमेरिका लगातार बांग्लादेश को पूरी तरह अपनी तरफ करने में लगा हुआ था। बांग्लादेश में भी मानवाधिकार को लेकर अमेरिका ने चिंताएं जताई थीं, चुनाव से पहले। मार्च 2023 में जब अमेरिका की सीनेट फॉरेन अफेयर्स कमिटी के समक्ष डोनाल्ड लू पेश हुए थे, तब भी उन्होंने भारत में मानवाधिकार को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव का ना होना और जारी मानवाधिकार हनन पर चिंता जाहिर की थी।

जबसे जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 व 35-ए को निरस्त कर उसे केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा दिया गया। इसके बाद वहां पत्थरबाजी की घटनाएं कम हुई हैं, एक साल में 2 करोड़ से अधिक लोग पर्यटन के लिए पहुंचे हैं। अब यहां चुनाव भी करवाए जा रहे हैं। डोनाल्ड लू ने कहा था, हम पूरे देश में मुस्लिमों और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ भेदभाव के साथ-साथ एनजीओ को प्रतिबंधित किए जाने की खबरों पर बारीकी से नजर बनाए हुए हैं। ये महत्वपूर्ण है कि एक साझेदार के रूप में हम भारत में परेशान करने वाली घटनाओं को लेकर आवाज उठाएं। साथ ही ताइवान-भारत के संबंधों को लेकर भी डोनाल्ड लू ने बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि ताइवान के नियंत्रण वाले समुद्री क्षेत्र में भारत के जहाज देखे गए हैं और ये ताइवान की सुरक्षा को लेकर उसे आश्वासन देने के बीच प्रतीकात्मक रूप से काफी महत्वपूर्ण है। साफ़ है, अमेरिका एक तरह से भारत को चीन के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल करना चाहता है। उन्होंने जम्मू कश्मीर में बड़े पत्रकारों को गिरफ्तार किए जाने का दावा किया था। साथ ही कहा था कि अमेरिका इस मामले में भारत पर दबाव बनाएगा कि वो कश्मीरियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करे।अमेरिका का डीप स्टेट भारत में एक मजबूत मोदी सरकार की जगह गठबंधन वाली भाजपा विरोधी सरकार को प्राथमिकता दे रहा है। इसके लिए माहौल बनाया जाना शुरू हो गया है। अग्निवीर को लेकर भ्रम फैलाया गया, संसद में खुलेआम झूठ बोला गया। जाति जनगणना को लेकर हिंदुओं को बांटने का प्रयास किया गया। संसद में राहुल गांधी ने कहा कि वो जाति जन-गणना करा के रहेंगे। किसान आंदोलन के दौरान लाल किले पर खालिस्तानी झंडा फहराने की कोशिश हुई। शाहीनबाग षडयंत्र के तहत एक साल तक दिल्ली की सीमाओं को घेर कर रखा गया। आज भी कई किसान पंजाब-हरियाणा के शम्भू बॉर्डर पर बैठे हुए हैं। ये सभी ऐसे मुद्दे हैं, जिनका इस्तेमाल कर के देश की जनता के एक बड़े वर्ग को भड़काया जा सकता है।

राहुल के बयान का...

के साथ अमेरिका में कई खालिस्तान समर्थन मौजूद थे।

एसएफजे ने राहुल गांधी के बयान का समर्थन करने वाला अपना एक पत्र जारी किया है। गुरवतपंत सिंह पन्नू द्वारा जारी किए गए इस पत्र में एसएफजे ने कहा, वाशिंगटन डीसी में एक सभा को संबोधित करते हुए, जहां कई खालिस्तान समर्थक सिख भी मौजूद थे, राहुल गांधी ने एसएफजे के खालिस्तान के लिए जनमत संग्रह अभियान को उचित ठहराया है। उनका यह कहना भारत में लड़ाई इस बात की है क्या एक सिख को पगड़ी और कड़ा पहनने की अनुमति होगी, और क्या वह गुरुद्वारा जा सकेगा हमारी बात का समर्थन है।

एसएफजे ने कहा, भारत में सिखों के अस्तित्व पर खतरे वाला राहुल का बयान साहसी और बोल्ड है बल्कि 1947 से सिखों पर भारत में हुए अत्याचार की बात को मजबूत करता है। यह बयान तथ्यात्मक इतिहास पर आधारित है और सिखों के देश खालिस्तान बनाने के लिए पंजाब में स्वतंत्रता जनमत संग्रह पर एसएफजे के रवैये को सही ठहराता है। हमेशा भारत तोड़ने की बात करने वाले खालिस्तानी आतंकी गुरवतपंत सिंह पन्नू का राहुल गांधी के लिए यह प्रेम उनके हालिया बयान के बाद उमड़ा है। राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे में वर्जीनिया में कहा था, भारत में लड़ाई इस बात को लेकर है कि क्या एक सिख को भारत में पगड़ी पहनने की इजाजत दी जाएगी? क्या एक सिख को भारत में कड़ा पहनने की इजाजत दी जाएगी या वह गुरुद्वारा जा सकेगा? लड़ाई इसी बात को लेकर है और यह सिर्फ सिखों के लिए नहीं है, यह सभी धर्मों के लिए है।

देश को तोड़ने और भारत में सिखों को प्रताड़ित बताने वाले खालिस्तानी आतंकियों के लिए यह सुनहरा मौक़ा बन गया है। भारत के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और विपक्षी पार्टी के डी फैक्टो मुखिया का उनके भारत विरोधी एजेंडे को मजबूत करने में यह बयान एक संजीवनी की तरह काम आएगा। एसएफजे का राहुल को साहसी बताना इसी कड़ी का एक हिस्सा है। एसएफजे ने यह दावा भी किया है कि राहुल गांधी के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में खालिस्तानी शामिल थे। इससे राहुल के कार्यक्रमों की मंशा पर संशय पैदा होता है।

राहुल गांधी के तथ्यों से परे इस बयान पर भारत में कड़ी प्रतिक्रिया हुई थी। इस मामले को लेकर राहुल गांधी को कोर्ट में घसीटने की चुनौती भी दी गई है। कई लोगों ने उन्हें याद दिलाया है कि भारत में सिखों के लिए सबसे अधिक खतरा तब पैदा हुआ था जब उनके पिता राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री थे और इस दौरान सिखों का खुलेआम नरसंहार हुआ था। राहुल गांधी के इस बयान पर लोगों ने यह भी याद दिलाया कि राजीव गांधी ने कहा था, जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो आसपास की धरती हिलती है। उनका यह बयान हिंसा के समर्थन के रूप में देखा जाता है। कांग्रेस के ही कई नेताओं कमलनाथ, जगदीश टाइटलर और सज्जन सिंह पर सिख विरोधी दंगे भड़काने का आरोप है।

अजान से पांच...

वो मुस्लिमों की अजान से 5 मिनट पहले अपने पूजा-पाठ बंद कर दें। प्रतिबंधित किए जा रहे हिंदू धार्मिक क्रियाकलापों में भजन और आरती भी शामिल हैं। बांग्लादेशी अधिकारी ने यह भी चेतावनी दी है कि फरमान न मानने वालों को जेल में डाल दिया जाएगा।बांग्लादेश के मजहबी मामलों के सलाहकार एएफएम खालिद हुसैन ने अपने ही देश के राष्ट्रगान पर सवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश का वर्तमान राष्ट्रगान भारत द्वारा साल 1971 में थोपा गया। खालिद हुसैन से पहले बांग्लादेश के अब्दुल्लाही अमान आज़मी ने भी राष्ट्रगान बदलने की मांग उठाई थी। तब उन्होंने नई सरकार से मांग की थी कि मुल्क का राष्ट्रगान बदला जाए।

उधमपुर-कठुआ के...

सुरक्षा बलों ने मारे गए आतंकियों के पास से एक एम 4 राइफल, एके राइफल और पिस्टल समेत विभिन्न हथियार बरामद किए हैं। उधमपुर और कठुआ जिलों के इन संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने गहन तलाशी अभियान शुरू किया है।

इलाके में भारी बारिश और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद सुरक्षाबल आतंकवादियों को ढूंढने में सफल रहे हैं। इलाके में अतिरिक्त बलों की तैनाती की गई है और नागरिकों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने की अपील की गई है।

जब तक भाजपा...

अभी कुछ ऊंची जातियों के लोग भी कहते हैं कि हमने आखिर क्या गलत किया है, हमें क्या सजा मिल रही है।

गृह मंत्री अमित शाह से पहले बसपा सुप्रीमो मायावती और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने राहुल गांधी पर हमला बोला था। मायावती ने कांग्रेस को आरक्षण विरोधी बताते हुए पिछड़े वर्ग को इनसे सावधान रहने की सलाह दी थी। मायवती ने अंदेशा जताया था कि अगर केंद्र में कांग्रेस की सरकार आ गई तो वह आरक्षण खत्म कर देगी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा था कि राहुल गांधी के बयान से कांग्रेस की मानसिकता का पर्दाफाश हुआ है। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी इस बयान के बाद से बैकफुट पर है। कांग्रेस पार्टी अब लगातार आरक्षण पर राहुल गांधी का बचाव कर रही है। हालांकि, दलित नेता लगातार कांग्रेस पर लगातार हमलावर हैं। कांग्रेस की सफाई भी काम नहीं आ रही है।

आरक्षण खत्म करने की वकालत को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी घिर गए हैं। राहुल गांधी के आरक्षण खत्म करने वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और बसपा सुप्रीमो मायावती ने हमला बोला है। जहां मायावती ने राहुल गांधी के नाटक से सतर्क रहने की सलाह दी है तो वहीं चिराग पासवान ने आरक्षण खत्म करने की बात को भी अपराध बताया है।

मायावती ने राहुल गांधी के बयान को लेकर कहा, केंद्र में काफी लम्बे समय तक सत्ता में रहते हुए कांग्रेस पार्टी की सरकार ने ओबीसी आरक्षण लागू नहीं किया और देश में जातीय जनगणना कराने के नारा लगाने वाली यह पार्टी इसकी आड़ में सत्ता में आने के सपने देख रही है। अब कांग्रेस पार्टी के सर्वेसर्वा राहुल गांधी के इस नाटक से देश के लोग सर्तक रहें। उन्होंने विदेश में कहा है कि भारत जब बेहतर स्थिति में होगा तो हम एससी, एसटी, ओबीसी का आरक्षण खत्म कर देंगे। मायावती ने कहा, इन वर्गों के लोग कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के दिए गए इस घातक बयान से सावधान रहें, क्योंकि यह पार्टी केंद्र की सत्ता में आते ही, अपने इस बयान की आड़ में इनका आरक्षण जरूर खत्म कर देगी। ये लोग संविधान व आरक्षण बचाने का नाटक करने वाली इस पार्टी से जरूर सजग रहें। मायावती ने कहा कि कांग्रेस की सोच हमेशा शुरू से ही आरक्षण विरोधी रही है। उन्होंने कहा कि जब तक देश से जातिवाद जड़ से खत्म नहीं हो जाता तब तक आरक्षण का जारी रहना जरूरी है।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी राहुल गांधी पर हमला बोला। उन्होंने कहा, राहुल गांधी के बयान से कांग्रेस की मानसिकता का पर्दाफाश हुआ है। कांग्रेस चाहती है, और उनकी प्राथमिकताओं में यह रहा है कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी द्वारा दिए गए आरक्षण को समाप्त कर दिया जाए। चिराग ने कहा, आरक्षण को समाप्त करना तो दूर, कोई उस प्रावधान से छेड़छाड़ करने की भी नहीं सोच सकता। कांग्रेसी मानसिकता वाले लोग जनता को गुमराह करने के लिए ऐसे बयानों का इस्तेमाल करते आए हैं। आरक्षण का मुद्दा कांग्रेस का चुनावी जुमला है, जिससे हम सबको सावधान रहने की जरूरत है।

भाजपा सांसद और उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी बृजलाल ने भी कहा कि राहुल गांधी के मन की बात मुंह पर आ गई। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू ने 1961 में एससी आरक्षण का विरोध किया था और इन्होंने हमेशा ओबीसी को तिरस्कृत किया है। राहुल गांधी के बयान के बाद अब कांग्रेस बैकफुट पर आ गई है। राहुल गांधी ने हाल ही में अमेरिका के जॉर्ज टाउन विश्वविद्यालय में आरक्षण खत्म करने को लेकर बात कही। राहुल गांधी से जब यह सवाल पूछा गया कि भारत में जातिगत आधार पर आरक्षण कब खत्म होगा तो उन्होंने कहा, हम आरक्षण खत्म करने की तब सोचेंगे जब भारत में निष्पक्षता होगी। अभी भारत में निष्पक्षता नहीं है। अभी कुछ ऊंची जातियों के लोग भी कहते हैं कि हमने आखिर क्या गलत किया है, हमें क्यों सजा मिल रही है।

आंदोलनकारी डॉक्टरों...

ऐसे डॉक्टरों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए। वे देशद्रोही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को 10 सितंबर की शाम पांच बजे से अपनी ड्यूटी पर लौटने का निर्देश दिया था। लेकिन प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों ने लगातार 33वें दिन भी अपनी हड़ताल जारी रखी।प्रदर्शनकारी पिछले महीने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्ष महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या मामले में न्याय की मांग कर रहे हैं। जूनियर डॉक्टरों की स्वास्थ्य भवन के बाहर अपनी हड़ताल जारी है। वे कोलकाता पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों को उनके पदों से हटाने की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस सरकार ने...

में मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि अगर मस्जिद अवैध पाई गई तो उस पर उचित कार्रवाई होगी। कानून के दायरे में रहकर एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह मामला अभी कोर्ट में है। अगर कुछ भी अवैध पाया गया तो कानून सम्मत कार्रवाई होगी।उल्लेखनीय है कि शिमला में बनी संजौली मस्जिद पहले दर्जी की दुकान थी। फिर यहां मस्जिद का निर्माण हो गया। शिमला का नियम है कि ढाई मंजिल से ज्यादा बड़ी कोई भी इमारत खड़ी नहीं हो सकती। लेकिन संजौली मस्जिद बाकायदा पांच मंजिल की बनी खड़ी है। दस्तावेज बताते हैं कि जिस जमीन पर मस्जिद बनी है, वह हिमाचल सरकार की नजूल भूमि है। संजौली मस्जिद पहले कच्ची थी और मात्र दो मंजिल की थी।

लेकिन 2010 के बाद इसमें तेजी से पक्का निर्माण किया जाने लगा। देखते देखते यह मस्जिद पांच मंजिल तक पहुंच गई। अवैध निर्माण के खिलाफ शिमला नगर निगम ने नोटिस भी भेजे लेकिन निर्माण नहीं रुका। मस्जिद के निर्माण रोकने को लेकर 30-35 नोटिस भेजे जा चुके हैं। इसके आसपास एक अवैध निर्माण को शिमला नगर निगम ने तोड़ा भी था। फिर भी यह पांच मंजिल मस्जिद शहर के बीचों-बीच खड़ी कर दी गई।

तब से इस अवैध मस्जिद को लेकर स्थानीय लोग आंदोलन कर रहे हैं। मस्जिद के अवैध होने की बात हिमाचल सरकार में मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने भी कही थी। स्थानीय लोगों को हिंदू संगठनों की मांग है कि इस अवैध निर्माण को जमींदोज किया जाए और सरकार इसमें ढिलाई न बरते। जबकि सुक्खू सरकार बता रही है कि यह मामला अभी कोर्ट में है।

आखिर बप्पा को जल में क्यों किया जाता है विसर्जित?

सनातन धर्म में भगवान गणेश को प्रथम पूजनीय और विघ्नहर्ता के रूप में पूजा जाता है। माना जाता है कि गणेश जी की नियमित पूजा से सभी दुख-संकट दूर हो जाते हैं और किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत गणेश जी की पूजा से की जाए, तो वह कार्य निर्विघ्न संपन्न होता है। इसलिए, गणेश जी को बुद्धि और विवेक के दाता के रूप में भी जाना जाता है। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को गणेश चतुर्थी के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन गणेश जी का जन्म हुआ था। इस दिन से गणेश उत्सव की शुरुआत होती है, जो अनंत चतुर्दशी तक चलता है।

गणेश उत्सव पूरे देश में धूमधाम से मनाया जा रहा है। लोग अपने घरों में भगवान गणेश की मूर्ति की स्थापना कर, दस दिनों तक विधिवत पूजा-अर्चना करते हैं। यह माना जाता है कि भगवान गणेश इन दस दिनों में अपने भक्तों के घर में रहकर उनके सभी दुख-दर्द दूर कर उन्हें सुख और समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। भक्तों द्वारा गणेश जी की प्रिय वस्तुओं का भोग लगाकर उन्हें प्रसन्न किया जाता है। दस दिनों की पूजा के बाद, अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान गणेश की मूर्ति का जल में विसर्जन किया जाता है।

जानें पौराणिक कथा

गणेश विसर्जन का कारण और पौराणिक कथा

गणेश विसर्जन के पीछे एक महत्वपूर्ण पौराणिक कथा है। कथा के अनुसार, महर्षि वेद व्यास जी ने महाभारत ग्रंथ की रचना के लिए भगवान गणेश को लेखक के रूप में चुना। वेद व्यास जी कथा सुनाते थे और गणेश जी उसे लिखते थे।

वेद व्यास जी लगातार दस दिनों तक आंखें बंद करके कथा सुनाते रहे और गणेश जी उसे लगातार लिखते रहे। इस दौरान गणेश जी के शरीर का तापमान अत्यधिक बढ़ गया। तब वेद व्यास जी ने गणेश जी को ठंडा करने के लिए तालाब में स्नान कराया। तभी से गणेश विसर्जन की परंपरा की शुरुआत हुई।

इस प्रकार, गणेश विसर्जन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह भगवान गणेश के आशीर्वाद प्राप्त करने और उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का महत्वपूर्ण पर्व है। विसर्जन की इस परंपरा से यह संदेश मिलता है कि भगवान गणेश के आशीर्वाद से जीवन में आने वाली सभी बाधाओं और कठिनाइयों को दूर किया जा सकता है।

खेतों के बीच शिशु हाथी की याद में बनाया गया गणेश जी का मंदिर

ग्रामीणों का आस्था का है केंद्र

जांजगीर जिले के बम्हनीडीह ब्लॉक अंतर्गत रोहदा ग्राम है, जहां ग्रामीणों ने एक शिशु हाथी की मौत के बाद उसकी याद में गणेश भगवान का विशाल मंदिर बनवाया है। यह मंदिर गणेश चतुर्थी के बाद लगातार दस दिनों तक आस्था का केंद्र बना रहता है। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर मंदिर में श्रद्धालु बड़ी संख्या में यहां पहुंचते हैं और बड़ी धूमधाम से पूजा पाठ करते हैं।

इस मंदिर के बारे में ग्रामीण मंदिर निर्माता धरमू लाल बरेठ ने बताया कि 61 साल पहले बम्हनीडीह से लगे रोहदा रोड पर, खेतों में महुआ के पेड़ के नीचे तीन हाथी पहुंचे थे। इनमें से एक शिशु हाथी की किसी कारणवश मृत्यु हो गई, जिससे आसपास के गांव वाले बेहद दुखी हुए। गांववालों ने हाथी के शोक में पूरी श्रद्धा और रस्मों के साथ पूजा-पाठ किया और शिशु हाथी का वहीं पर अंतिम संस्कार किया। इसके बाद, उन्होंने उसकी स्मृति में एक छोटा सा मिट्टी का चबूतरा भी बनाया।

लेकिन मिट्टी का चबूतरा होने के कारण बारिश में खराब और टूट जाता था, जिसे गांव वाले ने सीमेंट का चबूतरा बनवाया और उसके लगभग 30 साल बाद सब ग्रामीणों की सहयोग और योगदान से गणेश जी की मंदिर बनवाकर मूर्ति स्थापित की गई।

यहां आस-पास के ग्रामीण अपने शुभ काम करने से पहले मंदिर पहुंच कर पूजा अर्चना करते हैं। वहीं यहां स्थानीय लोगों की हाथी और मनुष्यों का प्रेम आस पास के क्षेत्रों में काफी चर्चित है। लोग दूर-दूर से इस मंदिर का दर्शन करने से पहले गणेशोत्सव में आ रहे हैं, इसके साथ ही अन्य दिनों में भी आते हैं। मंदिर के सामने मेन रोड है, जहां पहले बहुत सड़क दुर्घटनाएं होती थी, लेकिन मंदिर बनने के बाद से अब तक एक भी दुर्घटना इस रोड पर नहीं हुई है। अपने भक्तों पर ये श्री गणेश जी का आशीर्वाद ही है, लोग इस रोड से गुजरते हैं तो इस गणेश जी के मंदिर का दर्शन अवश्य करते हैं।

पाली में विराजमान हैं भगवान बल्लाल गणेश

जानें मंदिर की रोचक कहानी

राजस्थान के पाली शहर में स्थित बल्लालेश्वर गणपति मंदिर एक प्राचीन सिद्ध पीठ है। यह मंदिर रेलवे स्टेशन मार्ग पर लोर्डिया तालाब के पास, नागा बाबा बगेची में स्थित है। यह स्थान भगवान गणेश के एक प्रसिद्ध भक्त बल्लाल के नाम से जाना जाता है। माना जाता है कि भगवान गणेश यहां स्वयं अपने भक्त की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर प्रकट हुए थे।

मंदिर के इतिहास के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है, लेकिन इसे सदियों पुराना माना जाता है। बल्लालेश्वर गणपति मंदिर का उल्लेख पुराणों में भी मिलता है। कहा जाता है कि यह मंदिर सिंध प्रांत जाने वाले मार्ग पर था, जो प्राचीन काल में पाली शहर से गुजरता था। इसी कारण से इस मंदिर को सिद्ध पीठ के रूप में मान्यता प्राप्त है।

मंदिर में विराजमान गणेश जी की मूर्ति पर सिंदूर का लेप है, और उनकी कमर में नाग लिपटा हुआ है। मूर्ति के मस्तक पर पांच नागों का मुकुट है, जो इसे अन्य गणेश प्रतिमाओं से अलग बनाता है। यह मूर्ति यहां पर सच्ची भक्ति के प्रतीक के रूप में स्थापित है। मंदिर के निर्माण के समय पुरानी प्रतिमा को बिना हटाए ही कार्य किया गया।

बल्लाल नामक गणेश भक्त ने कठोर तपस्या और भक्ति से भगवान गणेश को प्रसन्न किया था। बल्लाल की भक्ति के कारण भगवान गणेश यहां स्वयं प्रकट हुए और उन्हें बल्लालेश्वर नाम से पूजा जाने लगा। यह पौराणिक कथा आज भी श्रद्धालुओं को प्रेरित करती है, और मंदिर की विशेष मान्यता इसी से जुड़ी हुई है।

वर्ष 2017 में मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया था। पुराने मंदिर के पास ही नया मंदिर बनाया गया, जिसमें शिव परिवार और मां अंबे की मूर्तियां भी स्थापित की गईं। नए मंदिर में भी पुरानी मूर्ति जैसी ही प्रतिमा विराजमान है, और इसे धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है।

भगवान गणेश को भूलकर भी न चढ़ाएं, ये चार चीजें

गणेश चतुर्थी के मौके पर सभी भगवान गणेश की आराधना में लगे हुए हैं। भगवान गणेश को प्रथम देवता माना जाता है और लोग किसी भी शुभ कार्य से पहले भगवान गणेश की पूजा करते हैं। गणेशोत्सव 2024 के मौके पर भी लोग बप्पा की आराधना में लीन नजर आ रहे हैं। हर बार की तरह कई लोगों ने इस बार भी बप्पा की मूर्ती अपने घर में स्थापित की है। लोग मोदक समेत विभिन्न वस्तुएं भगवान को अर्पित कर रहे हैं। लेकिन आपको इस क्रम में कई चीजों का ध्यान रखने की भी जरूरत है। कुछ चीजें ऐसी भी हैं जिन्हें भगवान गणेश को भेंट नहीं चढ़ाना चाहिए नहीं तो गजानन क्रोधित हो सकते हैं। हिंदू धर्म में पूजा के कुछ नियम-कानून बताए गए हैं। अगर इंसान उस हिसाब से ही पूजा-अर्चना करे तो उससे लाभ तो मिलता ही है साथ ही भगवान भी भक्तों से प्रसन्न

रहते हैं। बता रहे हैं उन 4 चीजों के बारे में जिन्हें कभी भूलकर भी भगवान गणेश पर नहीं चढ़ाना चाहिए और इन 4 चीजों को हमेशा भगवान गणेश से दूर रखना चाहिए।

सफेद वस्तु :- भगवान गणेश पर सफेद वस्तु नहीं चढ़ानी चाहिए। इससे गणेश जी क्रोधित हो जाते हैं। मान्यता के अनुसार एक दफा भगवान गणेश पर चंद्र देव हंस दिए थे। जिसकी वजह से भगवान गणेश क्रोधित हो गए थे और उन्होंने चंद्र देव को श्राप दे दिया था। ऐसे में चंद्रमा से जुड़ी कोई भी चीजें गणेश जी को अर्पित नहीं करनी चाहिए। अगर आपने भगवान गणेश पर सफेद फूल या कोई सफेद वस्त्र चढ़ाया तो इससे पूजा सफल नहीं हो पाती है और भगवान गणेश भी बहुत नाराज होते हैं।

चावल :- चावल भी सफेद होता है। टूटा चावल या खंडित चावल कभी भी गणेश भगवान पर नहीं चढ़ाना चाहिए। ऐसा करने से गणेश जी खफा होते हैं और मनवांछित फल भी भक्तों को नहीं मिलता है।

केतकी का फूल :- अगर आपने गौर किया हो तो केतकी का फूल भी सफेद-पीले रंग का होता है। सफेद रंग की वजह से ये फूल भी गणेश भगवान के लिए अप्रिय माना जाता है और इस फूल को भी गणेश भगवान को नहीं चढ़ाना चाहिए।

तुलसी :- तुलसी यूं तो काफी शुभ माना जाता है और हिंदू धर्म में देवी-देवताओं को लोग तुलसी अर्पित करते हैं। खुद हमारी हिंदू मान्यताओं में तुलसी की पूजा की जाती है और इसके कई औषधिक फायदे भी हैं। लेकिन आपको ये मालूम होना चाहिए कि आपको कभी भी गणेश भगवान की पूजा के दौरान तुलसी अर्पण नहीं करनी चाहिए। इससे भगवान गणेश नाराज होते हैं और पूजा का फल भी नहीं मिलता है

1 लाख 25 हजार सुपारी से सजी भगवान गणेश की प्रतिमा

20 कारीगरों ने किया महाकाल वन के युवराज का निर्माण

बाबा महाकाल की नगरी मे हर जगह गणेश उत्सव की धूम देखने कों मिल रही है, दस दिवसीय उत्सव मे शहर मे हर्ष उल्लास देखने कों मिल रहा है। महाकाल मंदिर चौराहे पर हर साल विराजित होने वाली गणेश पंडाल मे भगवान की प्रतिमा अलग-अलग रूप मे नजर आ रही है, जिसे देखने लोग दूर- दूर से आ रहे है। भगवान कों देखने का अलग अलग नज़रिया होता है। भगवान गणेश उज्जैन के पंडाल मे अलग-अलग स्वरूप मे नजर आते हैं। इस बार महाकाल इंटरसेक्शन चौराहा पर प्रतिमा को 1 लाख 25 हज़ार सुपारी से सजाया गया। जो की बहुत खूबसूरत है। महाकाल वन के युवराज को देखने सुबह से ही लोगों की भीड़ लग रही है। मूर्तियों को सुंदर स्वरूप देने वाले बंगाली कारीगरो के ओर से तैयार कराया गया है। मूर्ति बनाने में 20 कारीगरो ने 2 महीने की मेहनत के बाद ये स्वरुप दिया है। मूर्ति 17 फिट की बताई जा रही है, इतनी बड़ी प्रतिमा ज्यादातर पीओपी की ही बनती है।

कुंडली में मौजूद ये राजयोग आपको बना देता है मुकद्दर का सिकंदर

जातक को पैसा-पावर, सफलता तक दिलाता!

जन्मकुंडली में कई प्रकार के राजयोग और दोष होते हैं, लेकिन नीचभंग राजयोग एक विशेष प्रकार का शक्तिशाली योग है। यह योग व्यक्ति को फर्श से अर्श तक ले जाने की क्षमता रखता है।

नीचभंग राजयोग तब बनता है जब आपकी कुंडली में कोई ग्रह अपनी नीच राशि में होता है और उस ग्रह पर किसी उच्च ग्रह की दृष्टि होती है या वह उच्च ग्रह के साथ बैठा होता है। आइए इस योग के बारे में हम आपको विस्तार से बताते हैं।

- जब एक नीच ग्रह उच्च ग्रह के साथ होता है, तो नीचभंग राजयोग बनता है।
- अगर कोई ग्रह अपनी नीच राशि में बैठा है और उसकी राशि का स्वामी लग्न भाव या चंद्रमा से केंद्र स्थान में है, तो नीचभंग राजयोग बनता है।
- जब नीच ग्रह की राशि के उच्च ग्रह चंद्रमा से केंद्र स्थान में होता है, तो भी नीचभंग राजयोग बनता है।
- अगर नीच ग्रह के स्वामी की दृष्टि नीच ग्रह पर होती है, तो नीचभंग राजयोग बनता है।
- अगर नीच ग्रह का स्वामी और उसकी उच्च राशि का स्वामी केंद्र स्थान में हो, तो नीचभंग राजयोग बनता है।
- यदि नीच ग्रह वक्री हो, तो भी नीचभंग राजयोग बनता है।
- अगर नीच ग्रह नौवे घर में उच्च स्थिति में हो, तो नीचभंग राजयोग बनता है।

नीचभंग राजयोग के लाभ

* यदि इस योग का निर्माण सूर्य के कारण होता है, तो जातक को सरकारी लाभ प्राप्त होता है।
* अगर यह योग बुध के कारण बनता है, तो जातक के भाग्य का विकास उसके मित्रों की मदद से होता है।
* अगर इस योग का निर्माण चंद्रमा के कारण होता है, तो जातक के भाग्य का उदय उसकी माँ या माता के परिवार से होता है।
* यदि मंगल के कारण नीचभंग राजयोग बनता है, तो जातक का भाग्य सेना या संपत्ति संबंधित कामों से जुड़ा होता है।

आर्थिक तंगी से हैं परेशान? तो विश्वकर्मा पूजा पर चुपचाप करें ये तीन अचूक उपाय

भगवान विश्वकर्मा का हिन्दू धर्म में एक खास स्थान है। माना जाता है कि जब ब्रह्मा जी ने इस सृष्टि की रचना की थी, तब इसे सजाने और संवारने का कार्य भगवान विश्वकर्मा को सौंपा गया था। इसलिए उन्हें सृष्टि का शिल्पकार भी कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भाद्रपद माह में जब सूर्य देव ने कन्या राशि में प्रवेश किया, उसी समय भगवान विश्वकर्मा का जन्म हुआ था। इसी वजह से हर साल सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश के दिन विश्वकर्मा जयंती का पर्व मनाया जाता है। इसके साथ ही ज्योतिष की मानें तो विश्वकर्मा पूजा के दिन अगर कुछ विशेष उपाय किया जाए तो इससे आपके जीवन में खुशियों का आगमन हो सकता है। तो चलिए, जानते हैं इन उपायों के बारे में। विश्वकर्मा पूजा पर करें ये खास उपाय-

1) धन लाभ के लिए

विश्वकर्मा जयंती के दिन सुबह के समय पूजा करना अत्यधिक लाभकारी होता है। यदि आपके जीवन में पैसों की कमी या

परिवार में शांति का अभाव है, तो इस दिन भगवान विश्वकर्मा की विशेष पूजा करें। इसके लिए प्रातः स्नान आदि से निवृत्त होकर घर के मंदिर में भगवान विश्वकर्मा की तस्वीर स्थापित करें। तस्वीर के सामने कलश रखें और उसमें जल भरें। इसके बाद भगवान को अक्षत, फल, फूलों की माला, चंदन, सुपारी और पीली सरसों अर्पित करें। यदि इस पूजा को सच्चे मन से किया जाए, तो जल्द ही सभी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है।

2) घर में सुख-शांति के लिए

भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से पहले भगवान विष्णु की आराधना करना आवश्यक होता है। इसके बाद, घर के चारों कोनों में पीली सरसों का छिड़काव करें। यह उपाय घर में नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करने में मदद करता है। इसके अलावा, पूजा के समय घर के प्रत्येक सदस्य के हाथ पर रक्षा सूत्र बांधें। धार्मिक मान्यता है कि इस उपाय से धन प्राप्ति की राह में आने वाली सभी बाधाएं दूर होती हैं और घर में सुख-शांति बनी रहती है।

3) घर में सकारात्मकता लाने के लिए

पूजा के बाद अपने हाथ में फूल और अक्षत लें और भगवान विश्वकर्मा के समर्पित मंत्रों का तीन से चार बार जाप करें। इसके बाद, हाथ में रखे अक्षत को घर की चारों दिशाओं में छिड़क दें। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य में सुधार होने लगता है।

मास एक्शन ड्रामा फिल्म देवरा पार्ट-1 का ट्रेलर रिलीज

जूनियर एनटीआर और सैफ अली खान के बीच छिड़ी समंदर पर बड़ी जंग

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर स्टारर मास एक्शन ड्रामा फिल्म देवरा पार्ट 1 के ट्रेलर का इंतजार खत्म हो चुका है। देवरा पार्ट 1 का ट्रेलर अपने तय समय और डेट पर रिलीज हो गया है । देवरा पार्ट 1 के ट्रेलर का इंतजार जूनियर एनटीआर के फैंस को बेसब्री से था, जो आज खत्म हो गया है । देवरा पार्ट 1 के पहले टीजर और पोस्टर ने फैंस में फिल्म के प्रति बढ़ाई थी, लेकिन ट्रेलर देखने के बाद फैंस को 27 सितंबर तक का इंतजार भारी पड़ सकता है।देवरा पार्ट 1 एक मास ड्रामा एक्शन फिल्म है। इसमें जूनियर एनटीआर का डबल रोल में हैं। ट्रेलर में भी जूनियर एनटीआर के दो अवतार दिख रहे हैं। पहले अवतार में वह बाप के रोल में निडर, बहादुर और हिम्मतवाले नजर आ रहे हैं, जो अपने समंदर में सैफ अली खान से जंग लड़ते दिख रहे हैं। वहीं, दूसरे अवतार में वह एक आम इंसान की तरह

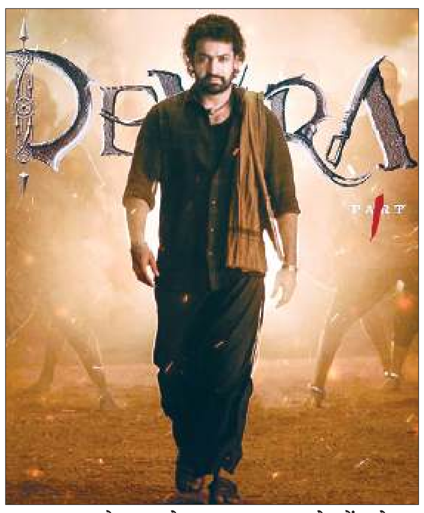

साधारण और डरपोक नजर आ रहे हैं। ट्रेलर बताता है कि देवरा (जूनियर एनटीआर) और भैरा (सैफ अली खान) समंदर पर कब्जा करने के लिए एक-दूसरे के खून के प्यासे बन हुए हैं।फिल्म देवरा पार्ट 1 में सैफ अली खान को विलेन भैरा बनाकर उतारा है और वह फिल्म में जूनियर एनटीआर से टक्कर लेते दिखेंगे। वहीं, जूनियर एनटीआर के अपोजिट बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर रोमांस करती दिखेंगी।देवरा पार्ट 1 को सिवा कोराताला ने बनाया है। युवासुधा आर्ट्स ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है। फिल्म में आगामी 27 सितंबर को रिलीज होने जा रही है। पहले फिल्म दशहरा के मौके पर रिलीज होनी थी। बता दें, जूनियर एनटीआर को साल 2022 में आई मेगा-ब्लॉकबस्टर फिल्म आरआरआर में देखा गया था। इस फिल्म के सॉन्ग नाटू-नाटू ने बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग कैटेगरी में ऑस्कर जीता था। वहीं, जूनियर एनटीआर के दो साल बाद पर्दे पर उतरने से उनके फैंस का एक्साइटमेंट लेवल हाई है।

रोशन कनकला के अगले शीर्षक से उठा पर्दा

फिल्म मोगली से फर्स्ट लुक पोस्टर भी आउट

पीपल मीडिया फैक्ट्री के दूरदर्शी निर्माता टीजी विश्व प्रसाद, जो कई तरह के अभिनेताओं और विशिष्ट स्क्रिप्ट वाली कई फिल्में बनाते रहे हैं, ने एक और दिलचस्प प्रोजेक्ट की घोषणा की। निर्देशक संदीप राज, जिन्होंने अपनी पहली फिल्म कलर फोटो के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता था, जंगल की पृष्ठभूमि पर आधारित एक समकालीन प्रेम कहानी के लिए उभरते हुए प्रतिभाशाली रोशन कनकला के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं।राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाले सबसे कम उम्र के निर्देशक संदीप राज ने कलर फोटो जैसी भावनात्मक गहराई से सजी एक और दिल को छू लेने वाली कहानी गढ़ी है। रोशन कनकला, जिन्होंने अपने सहज अभिनय और सुंदर नृत्य के लिए बहुत प्रशंसा प्राप्त की, नई फिल्म में एक अलग भूमिका में दिखाई देंगे, जिसका नाम दिलचस्प है मोगली।फर्स्ट लुक पोस्टर में रोशन कनकला एक बनियान पहने हुए अपनी मांसपेशियों को दिखाते हुए और एक आकर्षक मुस्कान बिखेरते हुए दिखाई दे रहे हैं। वह घने जंगल के बीच में एक घोड़े के साथ दिखाई दे रहे हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं, मोगली जंगल बुक का एक लोकप्रिय पात्र है, और इस नई कहानी में भी जंगल की पृष्ठभूमि है। यह देखने में आकर्षक फर्स्ट लुक पोस्टर बहुत ही सुखद लग रहा है, जबकि रोशन शांत दिखाई दे रहे हैं।फिल्म में नायक और खलनायक दोनों की भूमिकाएँ प्रमुखता से दिखाई जाएँगी,

हालाँकि खलनायक की कास्टिंग अभी गुप्त रखी गई है।मोगली में एक प्रतिभाशाली तकनीकी टीम है, जिसमें कलर फोटो के लिए अपने हिट एल्बम के लिए जाने जाने वाले काला भैरव शामिल हैं, जो संगीत की रचना करेंगे, और बाहुबली 1 और 2, और आरआरआर जैसी ब्लॉकबस्टर परियोजनाओं के मुख्य सहयोगी छायाकार राम मारुति एम, छायांकन का काम संभालेंगे।

आरजे महवश डिजिटल डेब्यू को तैयार

अमेजन मिनी टीवी सीरीज़ में लीड रोल में आएंगी नजर

वायरल सोशल मीडिया कंटेंट के लिए जानी जाने वाली महवश जल्द ही अपनी पहली वेब सीरीज़ में लीड एक्ट्रेस के रूप में नज़र आएंगी। वह मिहिर आहूजा के साथ यश पटनायक के एक नए प्रोजेक्ट में अभिनय करेंगी, जिसे अमेजन मिनी टीवी पर देखा जा सकेगा।इस्पायर फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस इस अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट से डिजिटल दुनिया में एक रोमांचक एडिशन की उम्मीद है। महवश, जिन्होंने अपने मज़ेदार और भरोसेमंद कंटेंट के ज़रिए अपने दर्शकों से अच्छी तरह से कनेक्शन बनाया है, अब वह एंटरटेनमेंट के एक नए क्षेत्र में कदम रख रही हैं। उनके फैंस इसे लेकर काफ़ी उत्साहित हैं।

महेश बाबू की आवाज में मुफासा का तेलुगू ट्रेलर रिलीज

मुफासा: द लायन किंग के मेकर्स ने फिल्म का तेलुगू ट्रेलर जारी कर दिया है। फिल्म के तेलुगू वर्जन में साउथ सुपरस्टार महेश बाबू ने मुफासा के लिए अपनी आवाज दी है। इससे पहले मेकर्स ने मुफासा: द लायन किंग का अंग्रेजी और हिंदी वर्जन में ट्रेलर लॉन्च किया था।महेश बाबू ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर मुफासा: द लायन किंग का तेलुगू वर्जन का ट्रेलर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, उस किरदार को एक नया आयाम जिसे हम जानते हैं और प्यार करते हैं। तेलुगु में मुफासा की आवाज बनने के लिए काफी एक्साइटेड हूं। क्लासिक का बहुत बड़ा फैन होने के नाते, यह मेरे लिए एक खास बात है। राजा की जय हो।मुफासा: द लायन किंग तेलुगू ट्रेलर में महेश बाबू की पत्नी-एक्ट्रेस नम्रता ने खुद को अपने पति की तारीफ करने से रोक नहीं पाई। नम्रता ने अपने इंस्टाग्राम पर मुफासा: द लायन किंग का तेलुगु ट्रेलर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, हमारे घर का राजा अब जंगल का राजा है। आपको तेलुगु में मुफासा के लाइफ को बयां करते हुए देखकर गर्व हो रहा है।फिल्म के ट्रेलर को सुपरस्टार की

बेटी सितारा का भी सपोर्ट मिला है। सितारा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर मुफासा: द लायन किंग का तेलुगु ट्रेलर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, तेलुगु में आपको मुफासा के रूप में सुनने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।फैंस को बड़ा करने के लिए फिल्म में कई टैलेंटेड स्टार कास्ट है। फिल्म में अवॉर्ड विनिंग सॉन्ग राइटर लिन-मैनुअल मिरांडा भी हैं, जो फिल्म के गाने लिखे हैं। इसका निर्माण मार्क मैनसिना और मिरांडा ने किया गया है। सितारों से सजी यह फिल्म अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म पुष्पा-द रूल को टक्कर देने के लिए 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में उतरेगी।

फ़िल्म हसीन दिलरुबा के बाद गांधारी बनेंगी तापसी पन्नू कनिका ढिल्लों संग किया एक्शन थ्रिलर फिल्म का ऐलान

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू और राइटर कनिका ढिल्लों की पिछली रिलीज फिर आई हसीन दिलरुबा थी। जिसे क्रिटिक्स और फैंस की खूब सराहना मिली। अब ये जोड़ी फिर से एक एक्शन थ्रिलर के साथ धमाल मचाने को तैयार है। हाल ही में कनिका ने स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स के साथ अपनी नई फिल्म का एलान किया है। जिसका टाइटल गांधारी है, जिसमें लीड रोल तापसी पन्नू निभाने जा रही है।स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने अनाउंस किया कि बॉलीवुड स्टार तापसी पन्नू और राइटर-फिल्म मेकर कनिका ढिल्लन ने फिल्म गांधारी का अनाउंसमेंट किया है। इसके पहले दोनों ने हसीन दिलरुबा (2021) और इसके सीक्वल फिर आई हसीन पर साथ काम किया है जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला और क्रिटिक्स ने भी इसकी सराहना की। फिर आई हसीन दिलरुबा 9 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। फिल्म की पहली झलक से पता चलता है कि गांधारी जो कि एक्शन थ्रिलर है में मां और बच्चे के बीच के गहरे प्यार को दर्शाया जाएगा।अनाउंसमेंट वीडियो में तापसी को कहते हुए सुना जा सकता है- कहते हैं मां कि दुआ हमेशा साथ चलती है लेकिन जब बात उसके बच्चे पर आती है तो काली भी वही बनती है। इससे पता चलता है कि फिल्म मां और बच्चे के गहरे प्यार और रिश्ते के बारे में हैं।

मंडे टेस्ट में पास हुई थलापति विजय की गोट, फिल्म ने 5वें दिन खूब छापे नोट, 150 करोड़ के हुई पार

वेंकट प्रभु द्वारा निर्देशित, साइंस-फाई एक्शन ड्रामा द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। थलापति विजय स्टारर इस फिल्म को देखने के लिए सिनेमाघरों में खूब दर्शकों की भीड़ पहुंच रही है। इसी के साथ बंपर शुरुआत करने वाली इस फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड पर भी जबरदस्त कलकेक्शन किया। चलिए यहां जानते हैं थलापति विजय की फिल्म के पहले मंडे टेस्ट का रिजल्ट क्या रहा है?द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम थलापति विजय की सेकंड लास्ट फिल्म बताई जा रही है। दअसल अब सुपरस्टार अपने राजनीतिक करियर पर पूरा ध्यान देंगे। ऐसे में विजय की इस फिल्म को लेकर फैंस में जबरदस्त एक्साइटमेंट देखी जा रही है। फिल्म का फीवर दर्शकों के सिर चढ़ गया है। खासतौर पर तमिल भाषा में ये फिल्म शानदार परफॉर्म कर रही है और खूब नोट छाप रही है।द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 44 करोड़ की कमाई की थी। दूसरे दिन फिल्म का कलेक्शन 25.15 करोड़ रुपये रहा। वहीं तीसरे दिन फिल्म ने 33.15 करोड़ का कारोबार किया और चौथे दिन द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का कलेक्शन 34 करोड़ रुपये रहा। वहीं अब फिल्म की रिलीज के 5वें दिन यानी पहले मंडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम ने रिलीज के पांचवें दिन यानी पहले मंडे को 14 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसी के साथ द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की 5 दिनों की कुल कमाई अब 151.00 करोड़ रुपये हो गई है।द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को दर्शकों से भरपूर प्यार मिल रहा है।फिल्म ने सोमवार को वीकडे होते हुए भी अच्छी कमाई की है और 150 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। वहीं अब ये फिल्म 200 करोड़ का आंकड़ा छूने की ओर बढ़ रही है। फिल्म की कमाई की रफ्तार देखते हुए लग रहा है कि गोट ये माइलस्टोन इस हफ्ते पार कर लेगी।

श्वेता तिवारी ने लेटेस्ट तस्वीरों में शेयर किया बॉसी लुक, हॉट अदाएं देखकर दीवाने हुए फैंस

भोजपुरी से टीवी तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी सोशल मीडिया पर जब भी कोई पोस्ट शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका बॉसी लुक देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से छा जाता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस बॉसी लुक देखकर फैंस होश खो बैठे हैं।श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान येलो कलर का ब्लेजर पहना हुआ है और साथ ही व्हाइट कलर की पेंट कैरी की है। इन तस्वीरों में श्वेता तिवारी कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।खुले बाल, चेहरे पर प्यारी सी स्माइल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। श्वेता तिवारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

स्त्री 2 बनी दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म, तोड़ डाला एनिमल का रिकॉर्ड

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 रिलीज होने के बाद से ही चर्चा में बनी हुई है। इस फिल्म ने इतना ज्यादा कलेक्शन कर लिया है कि हर कोई हैरान रह गया है। दिलचस्प बात ये है कि स्त्री 2 को रिलीज हुए एक महीना होने वाला है लेकिन दर्शकों के सिर से इसका फीवर उतरने का नाम नहीं ले रही है। ऐसे में फिल्म की बमफाड़ कमाई हो रही है और ये हर दिन तमाम फिल्मों के रिकॉर्ड भी तोड़ती जा रही है। चलिए यहां जानते हैं स्त्री 2 ने रिलीज के 26वें दिन कितना कलेक्शन किया है?स्त्री 2 ने वो कमाल कर दिखाया है जो बड़े स्टार कास्ट की बड़े बजट वाली फिल्में नहीं कर पाई। ये फिल्म साल 2024 की सबसे बड़ी फिल्म तो काफी पहले ही बन गई थी वहीं अब ये फिल्म सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तीसरी हिंदी फिल्म भी बन गई। स्त्री 2 रिलीज के चौथे हफ्ते में है और अब भी इसकी पकड़ बॉक्स ऑफिस पर ढीली नहीं पड़ी। दरअसल

अपनी दमदार कहानी और स्टार कास्ट की जबरदस्त परफॉर्मेंस के साथ ही शानदार निर्देशन की बदौलत ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एकछत्र राज कर रही है और हर दिन करोड़ों में कमाई कर रही है।फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो तरण आदर्श द्वारा शेयर किए दए आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने पहले हफ्ते में 307.80 करोड़ की कमाई की थी। दूसरे हफ्ते में फिल्म का कलेक्शन 145.80 करोड़ रहा। वहीं तीसरे हफ्ते में फिल्म ने 72.83 करोड़ का कलेक्शन किया और चौथे वीकेंड पर स्त्री 2 की कमाई 25.01 करोड़ रुपये रही। इसी के साथ स्त्री 2 की 26 दिनों की कुल कमाई अब 551.44 करोड़ रुपये हो गई है।

सोहम शाह अभिनीत फिल्म तुम्बाड की री-रिलीज का ट्रेलर जारी, कल सिनेमाघरों में फिर से होगी रिलीज

तुम्बाड अपनी री-रिलीज के लिए तैयार है। ऐसे में सोहम शाह ने फिल्म का एक नया ट्रेलर जारी किया है। 2018 में आई इस फिल्म ने जबरदस्त असर छोड़ा था, और यह नया ट्रेलर दिखाता है कि क्यों यह आज भी खास है। बीते कई दिनों से फिल्म तुम्बाड चर्चा में बनी हुई है, जो अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा में है।ट्रेलर फिल्म की भयानक और कल्पनाशील दुनिया में ले जाता है, जहां हॉरर और फैंटेसी का अनोखा मेल देखने को मिलता है। फिल्म का सुंदर डिजाइन और साउंड को ट्रेलर में बेहतरीन तरीके से दिखाया गया है, जो दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ाता है।इस री-रिलीज के साथ, पुरानी फैंस और नए दर्शकों को तुम्बाड का अनुभव करने का एक नया मौका मिलेगा। फिल्म ने 64वें फिल्मफेयर अवाड्र्स में कई पुरस्कार जीते थे, और यह 75वें वेनिस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहली बार प्रदर्शित हुई थी।राही अनिल बारवे द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण सोहम शाह, आनंद एल. राय, मुकेश शाह और अमिता शाह ने किया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोलें। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज आप बिना किसी वजह के कुछ लोगों के साथ उलझ सकते हैं। ऐसा करना आपके मूड को तो खराब करेगा ही साथ ही इससे आपका कीमती समय भी बर्बाद होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत पर ग़ौर करने की ज़रूरत है। आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है । एक अहम प्रोजेक्ट– जिसपर आप काफ़ी अरसे से काम कर रहे थे– टल हो सकता है। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफ़ी धन भी खर्च हो सकता है। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। खेलकूद जीवन का जरूरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। पारिवारिक विवादों के कारण आज आपका वैवाहिक जीवन प्रभावित रह सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस–पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। सेमिनार आदि में भागीदारी आपके व्यावसायिक सम्पर्कों में सुधार लाएगी। शादिशुदा ज़िन्दगी के तमाम मुश्किल दिनों के बाद आप और आपका हमदम फिर प्यार को महसूस कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

यात्रा आपको थकान और तनाव देगी– लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएं। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक़्क़तों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप अपने सकारात्मक रवैये और आत्मविश्वास की वजह से आस–पास के लोगों को प्रभावित करेंगे। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। कार्यक्षेत्र में आप ख़ुद को ख़ास महसूस करेंगे। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। वैवाहिक जीवन में स्नेह को दिखलाने का अपना महत्व है और इस चीज़ का अनुभव आज आप करेंगे।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप ख़ुशनसीब हैं कि आपके ऐसे सगे–संबंधी हैं। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं–न–कहीं से शुरुआत करनी होगी– इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम–काज और रुपये–पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। एक बार आप अपने हमक़दम को हासिल कर लें, तो ज़िन्दगी में किसी और की ज़रूरत नहीं होती। इस बात को आज आप गहराई से महसूस करेंगे। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंग इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस–पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपनी भावनाओं पर, ख़ास तौर पर गुस्से पर, क़ाबू रखें। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज आप फुर्सत के क्षणों में कोई नया काम करने का सोचेंगे लेकिन इस काम में आप इतना उलझ सकते हैं कि आपके जरुरी काम भी छूट जाएंगे

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर क़ाबू रखिए। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। अगर थोड़ी–सी कोशिश करेंगे तो जीवनसाथी के मतभेद दूर होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वयं को शांत बनाए रखें , ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपकी सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी, क्योंकि आप अपनी कोशिशों में कामयाबी पा सकते हैं। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। घर पर मेहमानों का आना दिन को बढ़िया और ख़ुशगवार बना देगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 12 सितंबर 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 11:34 तक
नक्षत्र : मूल रात्रि 09:53 तक
योग : आयुष्मान रात्रि 10:40 तक
करण : बालव प्रात: 11:47 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:20 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:22 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:15 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:11 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी , अदु:ख नवमी , महालक्ष्मी व्रत पूर्ण , भागवत सप्ताह आरंभ , गण्डमूल रात्रि 09:53 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जापान के साथ स्थाई और दीर्घकालिक साझेदारी की उम्मीद : भजनलाल

टोक्यो, 11 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने जापान के साथ निवेश के साथ स्थाई और दीर्घकालिक साझेदारी की उम्मीद करते हुए भरोसा जताया हैं कि जापान के उद्यमियों के साथ अंतरराष्ट्रीय इन्वेस्टर मीट के जरिए हमारी ऐतिहासिक साझेदारी का नया अध्याय लिखा जाएगा।

श्री शर्मा बुधवार को टोक्यो में इन्वेस्टर मीट के दौरान अपने संबोधन में यह बात कही। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ निवेश की ही अपेक्षा नहीं कर रहे हैं बल्कि जापान के साथ स्थाई और दीर्घकालिक साझेदारी की उम्मीद कर रहे हैं और इनकी तकनीकी विशेषज्ञता और हमारी विकास और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता के साथ हम एक समृद्ध भविष्य की रचना कर सकते हैं। उन्होंने कहा जापान भारत में निवेश करने में अग्रणी रहा है और मुझे खुशी है मैं आज उस टोक्यो शहर में खड़ा हूं, जो तकनीकी नवाचार, कॉरपोरेट लीडरशिप, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए दुनिया भर में अपनी अलग पहचान रखता है। टोक्यो नवाचार और प्रगति का प्रतीक है, ये वे विशेषताएं हैं जिन्हें हम भी राजस्थान में प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारी सरकार निवेशकों के मुद्दों को सुलझाने और व्यापारिक वातावरण को सकारात्मक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हम विशेष रूप से आप जापानी निवेशकों के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं, जिससे राजस्थान और जापान के बीच गहरे संबंध बन सकें।

उन्होंने कहा कि जापान अपने ओमोटेनाशी के लिए प्रसिद्ध है जो आतिथ्य की सुंदर भावना का प्रतीक है। यह आपसी सम्मान और मेहमाननवाजी का भाव हमारी साझेदारी और निवेश के लिए एक स्वागत योग्य वातावरण बनाता है। हमारे जापानी निवेशकों के लिए उपयुक्त व्यापारिक वातावरण प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता नीमराणा जापानी निवेश क्षेत्र की सफलता से स्पष्ट है जहां 48 से अधिक जापानी कंपनियों ने लगभग 8.34 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है और 26 हजार 500 से अधिक लोगों को रोजगार दिया है।

श्री शर्मा ने कहा कि हमारे जापानी निवेशक जानते हैं कि राजस्थान निवेश के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है और जापानी ज़ोन की सफलता ने इस विश्वास को बढ़ाया है। राज्य ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के माध्यम से राजस्थान में जल उपलब्धता को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं जो नीमराणा और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में पानी की जरूरतों को पूरा करने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि जापानी कंपनियों की रुचि को देखते हुए नीमराणा से केवल 20 किलोमीटा दूर 500 एकड़ में फैले दूसरे जापानी निवेश क्षेत्र का विकास किया गया है। अब हम दो निवेश क्षेत्रों के साथ जापानी कंपनियों के लिए वैश्विक विस्तार का आदर्श स्थान बन सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार ने व्यापारिक माहौल को और भी सरल बनाने के लिए नई औद्योगिक नीति, निर्यात प्रोत्साहन नीति, गारमेंट एंड अपैरल पॉलिसी, वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स नीति, डेटा सेंटर नीति और एमएसएमई नीति को जल्द ही लॉन्च करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (आरआईपीएस) के तहत, राज्य सरकार ने उद्यमों को प्रोत्साहन और सब्सिडी प्रदान की है जो देश की बेहतरीन प्रोत्साहन योजनाओं में से एक है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देने के साथ–साथ हरित विकास के लिए समर्पित है। हमारा राज्य अक्षय ऊर्जा के अग्रणी राज्यों में से एक है और सौर ऊर्जा में पहले स्थान पर है। हम सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए सोलर पार्क स्थापित कर रहे हैं, जिससे निवेशकों को यहां बेहतर माहौल मिलेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में ऑटोमोबाइल उद्योग, इंजीनियरिंग, वस्त्र और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणाली डिजाइन और निर्माण (ईएसडीएम) में अपार संभावनाएं हैं। राज्य में तीन इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर हैं और यह क्षेत्र वैश्विक बाजार के लिए निवेश का एक आदर्श स्थान है।श्री शर्मा ने कहा कि हम अपने शिक्षा तंत्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और जापानी निवेशकों को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं। निवेश प्रक्रिया को आसान और कुशल बनाने के लिए हमने राजनिवेश पोर्टल जैसी पहल की है। यह प्लेटफॉर्म 14 विभागों की 123 सेवाओं को एकीकृत करता है और समयबद्ध मंजूरी सुनिश्चित करता है।

दो हादसों में पांच लोगों की मौत पर दिया कुमारी ने दुख व्यक्त किया

जयपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को टोंक जिले में बनास नदी में दो लोगों के डूबने और सीकर में टैंक की खुदाई के दौरान तीन लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया।

दिया कुमारी ने कहा, आकस्मिक मृत्यु की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है। इन घटनाओं में जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनायें हैं। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम जी से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे और शोक संतप्त परिवारों को इस कठिन समय में धैर्य और साहस प्रदान करे। सुश्री दिया कुमारी ने समस्त राज्य के निवासियों से बारिश के इस मौसम में कोई भी कार्य करते समय विशेष सावधानी बरतने का अनुरोध करते हुये कहा कि वे नदियों, तालाबों एवं अन्य जलाशयों के किनारे जाने से पूरी तरह बचें और अपने बच्चों एवं परिवार के सदस्यों को भी इस बारे में जागरूक करें।

हेल्दी हार्ट के लिए 22 सितंबर को दौड़ेंगे जयपुराइट्स

जयपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में जयपुरवासियों के हार्ट को हेल्दी बनाए रखने के लिए सी के बिरला अस्पताल और डिकेथलोन के संयुक्त तत्वावधान में 22 सितंबर को जयपुर में दौड़ का आयोजन किया जायेगा।

अस्पताल के उपाध्यक्ष और यूनिट हेड अनुभव सुखवानी ने बुधवार को यहां मीडिया को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह दौड़ तीन श्रेणियों तीन, पांच और दस किलोमीटर में आयोजित की जाएगी ताकि सभी आयु वर्ग के प्रतिभागी अपनी क्षमता के अनुसार भाग ले सके। दौड़ की शुरुआत सी के बिरला अस्तपाल से होगी जो महारानी फॉर्म से होते हुए शिप्रा पथ और वहां से एक निजी स्कूल के पास से गुजरते हुए रिद्धि सिद्धि चौराहा होकर वापस अस्पताल पर समाप्त होगी।

इस दौड़ में शहर के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिकों के साथ विभिन्न संगठनों और संस्थानों के लोग भी भाग लेंगे। दौड़ में हर श्रेणी में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले धावकों को पुरस्कृत किया जाएगा। इस दौरान सीनियर कार्डियक सर्जन डॉ. आलोक माथुर और सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. संजीब रॉय व डॉ. अमित गुप्ता ने बताया कि दौड़ना हार्ट को स्वस्थ बनाए रखने के लिए सबसे अच्छी एक्सरसाइज में से एक है। उन्होंने बताया कि दौड़ के आयोजन के दौरान आमजन को दौड़ने के फायदे और हार्ट को हेल्दी रखने के टिप्स भी दिए जायेंगे। सी के बिरला हॉस्पिटल के जीएम सेल्स एंड मार्केटिंग सचिन सिंह ने कहा, हमारा उद्देश्य जयपुर में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना और लोगों को हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। हमें उम्मीद है कि इस दौड़ के माध्यम से हम जयपुरवासियों में फिटनेस के प्रति रुचि को और बढ़ावा दे पाएंगे।

मूसलाधार बारिश के चलते पांचना बांध के तीन गेट खोले

भरतपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भरतपुर संभाग के करौली, सवाई माधोपुर, धौलपुर और भरतपुर जिलों में एक बार फिर मानसून की सक्रियता से स्थिति गम्भीर हो रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भारी बारिश के कारण बुधवार को करौली के पांचना बांध में उच्चतम जल भराव क्षमता 258.62 मीटर के मुकाबले बांध का जल स्तर 258.20 मीटर पर पहुंचने पर बांध के तीन गेट खोलकर 3936 क्यूसेक पानी की निकासी शुरू की गयी है। धौलपुर में चंबल नदी के जलस्तर के खतरे के निशान 130.79 मीटर से 2.69 मीटर नीचे 128.10 मीटर पर पहुंचने के बाद प्रशासन सतर्क हो गया है। करौली के भराव क्षेत्र से लगातार पानी की आवक की वजह से धौलपुर के पार्वती बांध का जलस्तर एक बार फिर 23.35 मीटर पर पहुंच जाने पर आज बांध के चार गेट खोलकर पानी की निकासी की जा

रही है। करौली के पांचना बांध से गम्भीर नदी के रास्ते छोड़े जा रहे 3936 क्यूसेक पानी के भरतपुर जिले में पहुंचने के साथ ही जिले के बयाना उपखंड में तबाही की आशंका है। यहां पिछले 35 दिनों से पांचना से छोड़े जा चुके लाखों क्यूसेक पानी से जिले के सभी छोटे बड़े बांधों के साथ ही नदी नाले एवं पोखर तक लबालब हो चुके हैं।

भाजपा की दूसरी सूची आते ही कई और नेता हुए बागी

सात नेताओं ने छोड़ा कमल का साथ

चंडीगढ़, 11 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा की दूसरी सूची जारी होने के बाद पार्टी के कई और नेताओं ने बगावत कर दी है। युवा नेता देवेंद्र कादियान को टिकट नहीं मिलने पर भाजपा पर 100 करोड़ रुपए देकर टिकट देने का आरोप लगाया। भारतीय कुश्ती संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कादियान ने फेसबुक पर लाइव पर आकर पार्टी छोड़ने और आजाद उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया।

कादियान के अलावा पार्टी के छह और नेताओं ने भी भाजपा छोड़ने का ऐलान किया। इनमें असंध के पूर्व विधायक जिले राम शर्मा, भाजपा किसान मोर्चा के अंबाला जिला प्रभारी सोनू हरयौली, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सत्यव्रत शास्त्री, हरियाणा विधानसभा की पूर्व उपाध्यक्ष व प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष यादव, रेवाड़ी से भाजपा नेता सतीश यादव और नारनौल से पूर्व जिला प्रधान व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शिवकुमार मेहता ने भी सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। तीन बागियों को आम आदमी पार्टी का उम्मीदवार बना मैदान में उतार दिया। भाजपा छोड़ने वाले देवेंद्र कादियान गन्नौर से टिकट मांग रहे थे। भाजपा ने यहां से देवेंद्र कौशिक को टिकट दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने 100 करोड़ रुपये में टिकट दिया है। टिकट कटने के मामले में उन्होंने त्रिपुरा के एक नेता पर भी आरोप लगाए। कादियान ने कहा कि देवेंद्र कौशिक और उनके भाई पूर्व सांसद रमेश कौशिक ने सोनीपत के लोकसभा प्रत्याशी रहे मोहन लाल बड़ौली का चुनाव में विरोध किया और पार्टी ने उन्हें ही टिकट थमा दिया। उन्होंने कहा कि वह 12 को वर्करों संग जनसभा कर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पर्चा भरेंगे। उधर, भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र कौशिक ने कहा कि भाजपा में टिकट रुपये देकर नहीं लिया जा सकता। आरोप सरासर गलत है। टिकट का फैसला संगठन व राष्ट्रीय नेतृत्व का है। कुछ कार्यकर्ता नाराज हुए हैं, उन्हें मना लिया जाएगा। गन्नौर से विधायक निर्मल चौधरी ने टिकट न मिलने पर कहा कि पार्टी का फैसला सर्वोपरि है। टिकट न मिलने से कोई नाराजगी नहीं है। वह भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र कौशिक की मदद करेंगी। टिकट खरीदने या बेचने के आरोप में दम नहीं है।हालांकि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली का कहना है कि भाजपा को चुनाव के चलते अहम फैसले लेने पड़ते हैं और जो फैसले लिए जा रहे हैं उन पर कोई संदेह नहीं है। विधानसभा चुनाव के चलते पार्टी कार्यकर्ताओं में किसी भी स्तर पर नाराजगी व अंसतोष उत्पन्न होता है तो उसे दूर करने के लिए तत्पर हैं। पार्टी संगठन हर समस्या का समाधान करने में सक्षम है।उधर गोहाना में डॉ. अरविंद शर्मा को टिकट देने के विरोध में स्थानीय नेताओं ने महा बैठक बुलाई। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी कार्यकर्ता एक उम्मीदवार का चयन करेंगे और उसी को निर्दलीय के रूप में गोहाना विधानसभा क्षेत्र में उतारा जाएगा। भाजपा नेता शमशेर खरकड़ा की पत्नी राधा अहलावत महम हलके से निर्दलीय चुनाव लड़ेंगी। खरकड़ा, बहलबा व भराण में पंचायत के बाद मंगलवार को राधा अहलावत ने यह निर्णय लिया। प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष यादव निर्दलीय चुनाव लड़ सकती हैं। पूर्व जिला प्रधान व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शिवकुमार मेहता ने भी सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। प्रदेश प्रशिक्षण टोली के सदस्य सत्यव्रत शास्त्री ने भी पार्टी से त्यागपत्र दे दिया है। भाजपा नेता सतीश यादव और उनकी पत्नी उमा यादव ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। यह कार्यक्रम रेवाड़ी विधानसभा में आयोजित किया गया, जहां आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सदस्य सुशील गुप्ता मौजूद रहे। करनाल की असंध सीट से पूर्व विधायक जिलेराम शर्मा ने पार्टी छोड़ने का एलान कर दिया है। वहीं पूर्व राज्यमंत्री कमलेश ढांडा को टिकट देने का विरोध जारी है। हिसार में भाजपा से बागी प्रो. छत्रपाल ने आम आदमी पार्टी के टिकट पर बरवाला से नामांकन किया है। भाजपा के जिला पार्षद महंत दर्शन गिरी ने बरवाला से निर्दलीय के तौर पर पर्चा दाखिल किया। हिसार विधानसभा में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष रहे तरुण जैन ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन किया है। वहीं, हिसार विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी डॉ. कमल गुप्ता के नामांकन के दौरान निवर्तमान मेयर गौतम सरदाना, पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल ने कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी। चरखीदादरी के गांव मांढ़ी में सुखविंद्र मांढ़ी के आह्वान पर बैठक बुलाई गई। बैठक में पूर्व विधायक सुखविंद्र मांढ़ी ने कहा कि उन्होंने विधायक रहते क्षेत्र के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। यह टिकट का मसला नहीं है। भाजपा ने जान–बूझकर गलत फैसला लिया है। अब क्षेत्र का भाईचारा जो फैसला लेगा, वह उनके साथ हैं। फतेहाबाद से कांग्रेस पार्टी के टिकट के दावेदार अनिल ज्याणी ने टिकट मिलने से पहले ही नामांकन का एलान कर दिया है। वह 12 सितंबर को नामांकन करेंगे। अनिल ज्याणी ने कहा कि वह विधानसभा चुनाव जरूर लड़ेंगे।

भाजपा प्रत्याशी रणबीर गंगवा ने बरवाला से भरा नामांकन

हिसार, 11 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार जिला की बरवाला विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी रणबीर गंगवा ने बुधवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

भाजपा प्रभारी सतीश पूनिया, कुलदीप बिश्नोई और रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल डॉक्टर डी पी वत्स सहित पार्टी के वरिष्ठ व स्थानीय नेताओं ने रणबीर गंगवा का नामांकन भरवाया। इससे पूर्व भाजपा प्रत्याशी ने अपनी माता और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। तत्पश्चात हवन यज्ञ में आहुति डालकर कार्यालय का उद्घाटन किया गया।

इसके बाद बरवाला में रोड शो निकाला गया, जिसमें उमड़ी हजारों की भीड़ ने बरवाला में भाजपा की जीत पर मोहर लगाई। रोड शो में हजारों युवा, महिलायें, बुजुर्ग शामिल थे जिनके दिलों गंगवा के लिये अलग तरह का लगाव नजर आया।

रोड शो के दौरान जगह–जगह उन पर फूलों की बरसात की गयी। उनके स्वागत में जगह–जगह लोग खड़े थे। गंगवा ने कहा कि बरवाला में भाजपा की लहर है। यहां के मतदाताओं ने इस बार कमल खिलाने और तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि बरवाला की जनता ने सम्मान सूचक पगड़ी उन्हें पहनाई है, वे इस पगड़ी के सम्मान को कभी कम नहीं होने देंगे।

भाजपा प्रभारी सतीश पूनिया ने कहा कि बरवाला के लोगों में आज जो जोश देखने को मिला है, उसे देखकर कहा जा सकता है कि यहां रणबीर गंगवा एक तरफा जीत की ओर बढ़ रहे हैं। भाजपा की सरकार बन रही है।

वरिष्ठ भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि बरवाला के लोगों का जोश देखने के बाद इस बात में कोई अतिशयोक्ति नहीं रह गई है कि यहां से रणबीर गंगवा जीतेंगे और प्रदेश में तीसरी बार लगातार भाजपा की सरकार बनेगी। रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल डॉ डीपी वत्स ने बरवाला वासियों का आह्वान किया कि वे प्रदेश में सबसे अधिक वोटो से जीता कर रणबीर गंगवा को चंडीगढ़ भेजें। सरकार में रणबीर गंगवा को इस बार पहले से भी ऊंचा ओहदा मिलेगा।

पिहोवा में टिकट फेरबदल के बाद सिख समाज में फैला रोष

चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के विरोध का किया ऐलान

कुरुक्षेत्र, 11 सितंबर (एजेंसियां)। गत दिवस पिहोवा में भाजपा टिकट को लेकर हुए फेरबदल से सिख समाज में रोष फैल गया है।

बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने रोष मार्च निकाला तो मुख्यमंत्री नायब सैनी व राज्यमंत्री सुभाष सुधा के पुतले जलाए तो जिला की चारों सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों के विरोध का ऐलान किया।इससे पहले सिख संगत की बैठक गुरुद्वारा छठी पातशाही में हुई, जहां गुरशेर सिंह, युवराज सिंह, देवेंद्र सलपानी, नरेंद्र सिंह गिल, सतनाम सिंह, महेंद्रपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। बैठक में गत दिवस भाजपा की टिकट को लेकर हुए प्रकरण पर विस्तार से चर्चा की गई तो वहीं आरोप लगाए गए कि टिकट भाजपा द्वारा कवलजीत सिंह अजराना से वापस ली गई है। ताकि थानेसर में टिकट न मिलने से नाराज नेताओं को यह टिकट देकर उन्हें शांत किया जा सके।

यह सिखों के विरोध में लिया गया फैसला है, जो सहन नहीं किया जाएगा। इस दौरान ऐलान किया गया कि भाजपा के जिला के सभी प्रत्याशियों का कड़ा विरोध किया जाएगा।

शुभ लाभ DAILY — खबरें जो सोच बदल दे

खगड़िया में सम्राट चौधरी का राजद पर हमला

लालू यादव अपराध, गुंडाराज और भ्रष्टाचार के प्रतीक

मुंगेर (एजेंसियां)। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी बुधवार को हवाई मार्ग द्वारा खगड़िया पहुंचे। उनका हेलीकॉप्टर स्थानीय कोशी कॉलेज के मैदान में दोपहर 11:50 में उतरा। जहां से वे समाहरणालय स्थित सभागार में समीक्षा बैठक शामिल होने के लिए रवाना हो गए। उनके द्वारा सात निश्चय योजना सहित खगड़िया में चल रहे योजनाओं की जानकारी अधिकारियों से ली गई। करीब तीन घंटे बैठक करने के बाद उन्होंने समाहरणालय परिसर में मीडिया से बात की। उन्होंने मीडिया को जानकारी देते हुए एक सवाल के जवाब में लालू यादव पर बड़ा हमला किया। गौरतलब है कि डिप्टी सीएम के साथ खगड़िया सांसद राजेश वर्मा के अलावा

कई विधायक बैठक में मौजूद रहे। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने तेजस्वी यादव के कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम के सवाल पर लालू यादव को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता जानती है किसे वोट करना है। बीते लोकसभा चुनाव में एनडीए का बिहार में 75 फीसदी स्ट्राइक रेट रहा है। उन्होंने लालू यादव पर तीखा हमला करते हुए कहा कि लालू यादव अपराध, गुंडाराज और भ्रष्टाचार के प्रतीक हैं। अपने 15 वर्ष के कार्यकाल में बिहार में कोई विकास नहीं किया।

डिप्टी सीएम ने कहा कि समीक्षा बैठक में अधिकारियों को जिले के विकास कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है।

उन्होंने कहा कि शहर के मुख्य सड़क स्टेशन रोड सहित बाय पास के निर्माण को लेकर जल्द टेंडर जारी होगा। इसके लिए नगर विकास विभाग, पीडब्लूडी और इरीगेशन डिपार्टमेंट को निर्देश जारी किए गए हैं। वहीं, खगड़िया में नए मेडिकल कॉलेज और इंडस्ट्री की स्थापना को लेकर भी आवश्यक कदम उठाने की बात कही गई है। वहीं, उनके द्वारा खगड़िया शहर के बायपास और स्टेशन रोड सहित मथुरापुर केबिन ढाला के पास निर्माण होने वाले आरओबी स्थल का भी निरीक्षण किया गया।

जानकारी के मुताबिक, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी जिस समय अधिकारियों से बैठक कर सभागार से बाहर निकले, उस समय काफी तादाद में उम्मीदवार अनु-सेवक अपने मांग पत्र को लेकर उनसे मिलने की कोशिश करने लगे। लेकिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण वे लोग डिप्टी सीएम के काफिले के पास नहीं पहुंच सके। उसके बाद उम्मीदवार अनु-सेवकों ने हंगामा शुरू कर दिया। वहीं, डिप्टी सीएम के काफिले के पास मौजूद जिलाधिकारी अमित कुमार पांडेय द्वारा उन उम्मीदवार अनुसेवकों को हाथ पकड़ पीछे धकेल दिया गया।

दरभंगा में ग्रुप लोन के विवाद में विवाहिता की गला दबाकर हत्या

पुलिस ने सास को हिरासत में लिया

दरभंगा (एजेंसियां)। दरभंगा जिले के बहेड़ी थानाक्षेत्र के बनडीहुली गांव में ग्रुप लोन की किस्त चुकाने के विवाद में एक विवाहिता की गला दबाकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान गुड्डी कुमारी (27) के रूप में की गई है, जो आईएएस की तैयारी कर रही थी। पुलिस ने इस मामले में मृतका की सास शुभकला देवी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

मृतका के पिता सीताराम कुमार ने बताया कि उनके दामाद गंगा प्रसाद राम परदेश में प्राइवेट नौकरी करते हैं।

उनकी बेटी गुड्डी कुमारी के दो बेटे और एक बेटी हैं। सीताराम कुमार ने बताया कि ससुराल वालों ने कई ग्रुप लोन ले रखे थे, जिसकी किस्त चुकाने को लेकर अक्सर विवाद होता था। इसी विवाद के दौरान आज सास शुभकला देवी, ननद पूनम देवी और रीता देवी ने गुड्डी कुमारी की गला दबाकर हत्या कर दी। सीताराम कुमार ने यह भी बताया कि उनकी बेटी गुड्डी घर पर रहकर आईएएस बनने की तैयारी कर रही थी और उसकी पढ़ाई की गहरी इच्छा थी।

बहेड़ी थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। फिर शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया गया है। मृतका की सास शुभकला देवी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने पीड़ित परिवार से आवेदन प्राप्त कर आगे की कार्रवाई की योजना बनाई है। पुलिस का कहना है कि मामले की पूरी जांच के बाद ही आरोपी के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सत्ता पक्ष के नेता ही कर रहे थे शराब की तस्करी, 14 सहयोगियों के साथ पकड़े गए

पटना (एजेंसियां)। शराबबंदी वाले बिहार में सत्ता पक्ष के नेता ही शराबबंदी का पोल खोल रहे हैं। पुलिस ने जदयू नेता और उसने 13 अन्य सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह खबर न सिर्फ सरकार के लिए बल्कि शिक्षा विभाग के लिए भी एक कलंक है, क्यों कि इन लोगों की गिरफ्तारी स्कूल से हुई है, जहां शराब भी बरामद हुआ।

मामला नालंदा जिले के नालंदा ज़िला मुख्यालय बिहारशरीफ के नगर थाना क्षेत्र अम्बेर चौक स्थित एक निजी स्कूल का है, जहां एक निजी स्कूल में जुआ खेलते हुए जाम छलका रहे जदयू प्रखंड अध्यक्ष सीताराम प्रसाद तस्कर सहित 14 लोग गिरफ्तार किए गए

हैं। पुलिस ने वहां से 292.32 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त किया है। पुलिस ने इन लोगों के पास से 2 लाख 88 हजार रुपए नगद और तास के पत्ते, मोबाइल और बाइक बरामद किये हैं। पुलिस का कहना है कि इनमें से कुछ वैसे लोग भी हैं जो पहले भी जुआ और शराब के साथ गिरफ्तार हो चुके हैं।

पुलिस का कहना है कि अभी एक दिन पूर्व ही नीतीश कुमार के गृह प्रखंड हरनौत के चेरो सहायक थाना की पुलिस पर चेरो गांव में शराब तस्करों ने पुलिस टीम पर हमला किया था, जिसमें 6 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। फिलहाल उनका इलाज अभी अस्पताल में चल रहा है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में बिहारशरीफ के नगर थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर अम्बेर चौक स्थित मधुसूदन प्रसाद के घर में जुआ खेलने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने पर पुलिस वहां छापेमारी करने गई तो पता चला ये सभी एक निजी स्कूल में बैठकर शराब का सेवन करते हुए ताश खेल रहे हैं। पुलिस के वहां पहुंचते ही सभी इधर उधर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने उन सभी को घेरकर वहीं पकड़ लिया। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

मछली की जगह नदी से निकल आया मगरमच्छ

युवक के साथ हो गया हादसा, अस्पताल में गंभीर

बेतिया (एजेंसियां)। बेतिया में मछली मारने के दौरान एक मछुआरे पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। मगरमच्छ के इस हमला से मछुआरा पूरी तरह घायल हो गया। लोगों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने इलाज के लिए उप स्वास्थ्य केंद्र वाल्मीकि नगर ले गए, जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए रेफर कर दिया है। घायल मछुआरे की पहचान बगहा पुलिस जिले की वाल्मीकिनगर के संतपुर सोहरिया पंचायत के कनघुसरी गांव निवासी व्यास गोड़ (45) बताया जाता है।

घटना के संबंध में ग्रामीण चंद्रभान शर्मा ने बताया कि मछुआरा व्यास गोड़ अपने खेत के समीप बुनियादी साइफन में मछली मारने के लिए जाल लगाया था। इसी दौरान

नहर से निकलकर मगरमच्छ आ गया और व्यास गोड़ पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि मगरमच्छ के हमले में व्यास का एक हाथ पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उसके हाथ की हड्डी टूट गई। मगरमच्छ व्यास को खींचकर नहर में ले जाना चाह रहा था। लेकिन व्यास गोड़ ने अपने वीरता का परिचय दिते हुए मगरमच्छ का विरोध करना शुरू किया और मगरमच्छ के आंखों में अपनी उंगलियां डाल दी। मगरमच्छ की आंख में उंगली जाते ही मगरमच्छ ने उसका हाथ छोड़ दिया और फिर व्यास गोड़ ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। घायल व्यास गोड़ वहां से चीखते-चिल्लाते भागा। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास खेत में काम कर रहे लोग उधर दौड़ पड़े और फिर घायल व्यास गोड़ के इलाज के लिए उसे उप स्वास्थ्य केंद्र वाल्मीकि नगर ले गए।

ग्रामीणों का कहना है कि वाल्मीकि नगर से होकर बहने वाली नारायणी गंडक नदी के कई नहर निकले हुए हैं। उन नहरों में मगरमच्छ काफी संख्या में हैं। यह मगरमच्छ नहर से निकलकर अगल-बगल के खेत, तालाब आदि रिहायशी जगहों पर अपने शिकार की तलाश में घूमते रहते हैं।

सरकारी ठेकेदार सावधान! 15 दिन में सड़कों का निरीक्षण कर रिपोर्ट बनेगी

पटना (एजेंसियां)। सरकारी ठेकेदार अब सावधान हो जाएं। बिहार सरकार अपने द्वारा बनायी गई सड़कों का अब निरीक्षण करेगी।

इतना ही नहीं 15 दिनों के अंदर इस निरीक्षण का रिपोर्ट भी तैयार कर लिया जाएगा। बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा खुद इसे देखेंगे। वहीं ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि नौ साल बाद फिर से मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना की शुरुआत हो रही है। इसके तहत एक हजार पुल बनाए जाएंगे। इसके अन्तर्गत 100 मीटर तक के लम्बाई के पुल का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग एवं 100 मीटर से अधिक

लम्बाई वाले पुल का निर्माण बिहार राज्य पुल निर्माण निगम द्वारा कराया जायेगा।

मंत्री ने कहा कि राज्य में कुल निर्मित लगभग 1,17,000 किमी सड़क में से वर्तमान में लगभग 31,000 कि0मी0 पथ पंचवर्षीय अनुरक्षण अवधि से बाहर है एवं सतत रुप से पूर्व से निर्मित सड़क पंचवर्षीय अनुरक्षण अवधि से बाहर हो रही हैं। मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना सीमित (लगभग 10,000 किमी मात्र) रूप से लागू था जिस कारण इसमें संशोधन की आवश्यकता महसूस की गयी। ठेकेदार सड़कों का मेंटनेंस ठीक से रहे हैं या नहीं इसकी भी लगातार जांच करवाई जाएगी। मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि वर्ष 2025 तक लगभग 23000 किमी पथों का उन्नयन और नवीनीकरण किये जाने का लक्ष्य है।

इधर, सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में छोटी बसावटों तक सड़क-सम्पर्कता सुनिश्चित कराने तथा ग्रामीण सड़कों के बेहतर रख-रखाव के सीएम नीतीश कुमार के निर्देश पर बुधवार दोपहर मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा की अध्यक्षता में ग्रामीण कार्य विभाग की एक उच्च स्तरीय बैठक सम्पन्न हुयी जिसमें ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव सहित इस विभाग के सभी वरीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में मुख्य सचिव द्वारा पंचवर्षीय अनुरक्षण अवधि अधीन लगभग 65 हजार किमी ग्रामीण पथों का अनुरक्षण सुनिश्चित कराने के निदेश दिये गये। विभाग को निदेशित किया गया कि आगामी 15 दिनों में अभियान चलाकर सभी पथों का निरीक्षण करवाएं। जो भी सड़क अनुरक्षित पाए जाएंगे, उससे संबंधित ठेकेदार और इंजीनियरों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजनान्तर्गत अत्यावश्यक पुलों को चिन्हित कर प्राथमिकता के आधार पर चयन कर चरणबद्ध तरीके से स्वीकृत करा कर शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ कराने की कार्रवाई की जाये।

पत्नी और दो बच्चों की हत्या करने वाला भाग गया

पटना (एजेंसियां)। भोजपुर से पुलिस की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। जहां ट्रिपल मर्डर का आरोपी थाने से पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। मामला आरा के पिरो अनुमंडल अंतर्गत अजीमाबाद थाने का है। जहां तीन हत्याओं के आरोपी लालू यादव को पुलिस गिरफ्तार करके अजीमाबाद थाने में ले आई थी। लेकिन देर रात वह पुलिस को चकमा देकर दियारा क्षेत्र में भाग गया। तब से अजीमाबाद और कई थानों की पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए उसके रिश्तेदार और अन्य जगहों पर छापामारी कर रही है। लेकिन 12 घंटे से ज्यादा का समय बीत चुका है और पुलिस अब तक उसे गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

आरोपी के फरार होने की वजह से मृतक के परिजनों ने तीनों शवों को लेकर डीएम कार्यालय के पास सड़क पर रखकर रोड जाम कर दिया। उसके बाद अजीमाबाद थाना प्रभारी के निलंबन की मांग करने लगे। इसके बाद एसएसपी परिचय कुमार और नवादा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जैसे-तैसे परिजनों को समझाने के बाद करीब तीन घंटे बाद जाम को छुड़वाया।

जानकारी के मुताबिक, अजीमाबाद थानाक्षेत्र के मिल्की गांव के निवासी लालू यादव ने अपनी पत्नी सीमा देवी (35), बेटी सौम्या कुमारी (8) और 10 महीने के एक दुधमुंहा बेटे दीदवंत कुमार की खंती से काटकर कर निर्मम हत्या कर दी। घटना का कारण बताया गया कि आरोपी लल्लू यादव का झगड़ा उसके पत्नी से हुआ था, जिसके बाद आक्रोश में आकर उसने पहले अपनी पत्नी का गाला काटकर धड़ से अलग कर दिया। फिर बेटी को मार डाला और अंत में 10 महीने के बच्चे की निर्मम हत्या कर दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे घटनास्थल से गिरफ्तार कर लिया। लेकिन देर रात वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया।

पुलिस हिरासत से हत्यारोपी के भागने के बाद भोजपुर पुलिस की बहुत किरकिरी भी होने लगी। इसको देखते हुए भोजपुर एसपी ने बड़ा एक्शन लेते हुए तत्काल थाना प्रभारी, केस के आईओ और एक होमगार्ड के जवान को निलंबित कर दिया है।

लालू-नीतीश ही बिहार की बर्बादी का कारण : प्रशांत किशोर

पटना (एजेंसियां)। दो अक्टूबर 2022 को हमने जन सुराज अभियान की घोषणा की थी और अब दो अक्टूबर 2024 को पार्टी का विधिवत गठन होगा। मेरी इसमें कोई भूमिका नहीं होगी, केवल पार्टी का रणनीतिकार रहूंगा। यह घोषणा जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बुधवार को सुपौल के विलियम्स मैदान में प्रेस कॉन्फ्रेंस में की। पीके ने कहा कि अगले साल मार्च से जुलाई के बीच हम बिहार के प्रत्येक पंचायत को विकसित करने का रोडमैप लोगों के सामने रखेंगे। लेकिन जिन मुफ्तखोरों को बिना काम किए एक-दूसरे का खौफ दिखा कर लोगों का वोट लेने की आदत है, वहीं लोग मुझे बी टीम बताते है। मैं जनता का बी टीम हूं और उन्हें ए टीम बना कर ही दम लूंगा।

पीके ने कहा कि बीते 30 साल में बिहार को बर्बाद कर दिया गया और इसके जिम्मेदार सीधे तौर पर लालू-नीतीश हैं। लेकिन, इससे भी बड़ी जिम्मेवार भाजपा और

कांग्रेस की है, जिन्होंने केंद्र की सत्ता में बिहार के कुछ सांसदों का समर्थन पाने के लिए बिहार और बिहार के बच्चों का सौदा कर लिया। 1995 और उसके बाद लालू यादव को दोबारा पूर्ण बहुमत नहीं मिली, लेकिन मनमोहन सिंह जैसे प्रधानमंत्री को भी बिहार का जंगलराज और बदहाली नहीं दिखी। वही भाजपा भी अन्य राज्यों में पार्टी को तोड़ कर और विधायक खरीद कर सत्ता हासिल करने वाली भाजपा भी बिहार में 80 सीट के बाद भी शांत बैठी है। नीतीश कुमार से भी बड़े पलटीमार तो ये लोग हैं।

तेजस्वी के आभार यात्रा से जुड़े एक प्रश्न पर पीके ने कहा कि उन्हें तो आभार जताना ही चाहिए। एक नवमी फेल, जिसको कुछ ज्ञान नहीं है, और जिसके माता-पिता की सरकार ने बिहार को 15 साल तक जंगलराज में रखा, उसे भी अगर जनता ने उप मुख्यमंत्री बना दिया तो आभार तो बनता है। आपको कोई जूते मार कर नहीं भागता है, यह बिहार में ही संभव है। कहा कि तेजस्वी खुले मंच से कहते हैं कि माता-पिता सीएम थे, चाहता तो फर्जी डिग्री ले लेता। आपने फर्जी डिग्री नहीं खरीदा, इसके लिए आभार। लेकिन 10वीं पास कर लीजिए, मैं नवमी फेल कहना छोड़ दूंगा।

पीके ने एक सवाल के जवाब में कहा कि एक ही आईएएस अधिकारी अलग अलग विभाग में पदस्थापित होता है और उस विभाग का विशेषज्ञ मान लिया जाता है। यह कैसे संभव हो सकता है। राज्य और देश के शीर्ष पदों पर लेटरल एंट्री से विशेषज्ञ की नियुक्ति होनी ही चाहिए। परमाणु शोध, टेलीकॉम, ग्रीन एनर्जी, आधार कार्ड सहित जितने भी बड़े बदलाव हुए, वह किसी आईएएस ने नहीं, लेटरल एंट्री वालों ने ही किया।

पीके ने कहा कि वर्तमान की केंद्र सरकार द्वारा बार बार चुनाव आयोग के कार्यों में हस्तक्षेप के आरोप लगते रहे हैं। आयोग केंद्र के इशारे पर चलती है, वरना बिना वजह आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े नहीं हो रहे हैं।

पीके ने कहा कि राज्य सरकार ने बिना किसी तैयारी के जमीन सर्वे शुरू कर दिया, जो आने वाले दिनों में 60 फीसदी से ज्यादा जमीनों को विवादित बना देगा। यह इनकी ताबूत का आखिरी कील साबित होगा। वही शराबबंदी जैसे अवैध कानून की वजह से बिहार को 20 हजार करोड़ का घाटा हो रहा है। गरीब और पिछड़े लोग जेल में हैं या केस लड़ रहे हैं। जबकि पैसे वाले लोग, भ्रष्ट अधिकारी और नेता के जेब में यह पैसा पहुंच रहा है। अगर हमारी सरकार बनी तो पहले कुछ मिनटों में ही हम इस कानून को वापस लेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com